राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

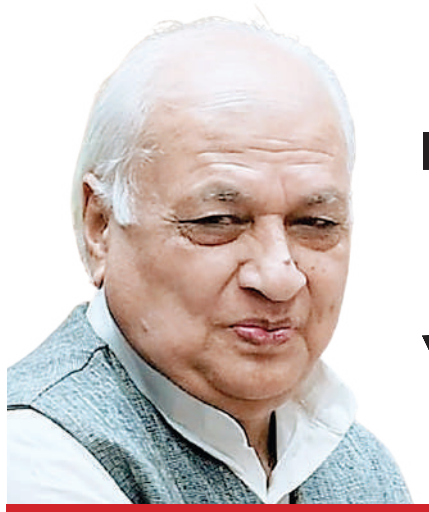

12 केरल के राज्यपाल ने सूचना आयुक्तों की सूची राज्य सरकार ...

आप ने केजरीवाल और आतिशी की पैठ वाली सीटें अपने पास ... 12

वर्ष : 14 | अंक : 284 | नई दिल्ली, सोमवार, 26 फरवरी, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%

नहीं 50%

कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

संक्षिप्त खबरें

मैं विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत करके आया हूं : पीएम

देवभूमि द्वारका। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि वह समुद्र द्वारका के दर्शन से विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत करके आये हैं। श्री मोदी ने आज यहां गुजरात में विभिन्न परियोजनाओं के शुभारंभ अवसर पर कहा, मन करता था, कभी न कभी समुद्र के भीतर जाऊंगा और उस द्वारका नगरी के जो भी अवशेष हैं, उसे छूकर के श्रद्धाभाव से नमन करूंगा। अनेक वर्षों की मेरे वो इच्छा आज पूरी हुई। मैं, मेरा मन बहुत गदगद है, मैं भाव-विभोर हूं। दशकों तक जो सपना संजोया हो और उसे आज उस पवित्र भूमि को स्पर्श कर करके पूरा हुआ हो, आप कल्पना कर सकते हैं मेरे भीतर कितना अभूत आनंद होगा। कई वर्षों से जब मैंने पुरातत्वविदों से यह जाना था तो एक बहुत बड़ी जिज्ञासा थी। 21वीं सदी में भारत के वैभव की तस्वीर भी मेरी आंखों में घूम रही थी और मैं लंबे समय तक अंदर रहा। आज यहां देर से आने की वजह का कारण यह था कि मैं समंदर के अंदर काफी देर रुका रहा। मैं समुद्र द्वारका के उस दर्शन से विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत करके आया हूँ।

तृणमूल कांग्रेस कोलकाता में 10 मार्च को करेगी रैली

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को राज्य की सामाजिक कल्याण योजनाओं के खिलाफ केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे कथित भेदभाव के विरोध में 10 मार्च को यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक विशाल रैली करने की घोषणा की। संदेशखालि मुद्दे पर भाजपा और अन्य विपक्षी दलों के बढ़ते हमलों के मद्देनजर टीएमसी ने रैली करने का ऐलान किया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि रैली को टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी संबोधित करेंगे। अभिषेक बनर्जी ने एक्स पर कहा कि जन गर्जन सभा शीर्षक वाली रैली बंगाल से बाहरी उत्पीड़कों को बाहर निकालने का संकल्प भी लेगी। उन्होंने भाजपा और उसके राष्ट्रीय नेताओं के परोक्ष संदर्भ में यह टिप्पणी की है, जो विभिन्न मुद्दों पर राज्य का दौरा कर रहे हैं। संदेशखालि में ग्रामीण महिलाओं द्वारा टीएमसी के नेता शाहजहां शेख और उसके सहयोगियों पर अत्याचार का आरोप लगाते हुए जारी विरोध-प्रदर्शन के बीच टीएमसी का विशाल रैली आयोजित करने का निर्णय आया है।

देश तीसरी बार एनडीए को दे रहा आशीर्वाद अबकी बार 400 पार का विश्वास : मोदी

पीएम ने राजकोट, रायबरेली, बठिंडा, कल्याणी और मंगलागिरी में एम्स का किया उद्घाटन

प्रात : किरण

राजकोट/नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को गुजरात के राजकोट में विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरूआत करते हुए कहा कि उन्होंने सरकार को दिल्ली के बाहर निकालकर देश के कोने–कोने में पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश तीसरी बार एनडीए सरकार को आशीर्वाद दे रहा है और पूरा देश अबकी बार 400 पार का विश्वास दे रहा है।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एक समय देश के सारे प्रमुख कार्यक्रम दिल्ली में ही होकर रह जाते थे। आज देश के शहरों में विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास होना एक नई परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने भारत सरकार को दिल्ली से बाहर निकालकर देश के कोने–कोने में पहुंचा दिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने गुजरात के राजकोट, पंजाब के बठिंडा, उत्तर प्रदेश के रायबरेली, पश्चिम बंगाल के कल्याणी और आंध्र प्रदेश के मंगलागिरी में पांच अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का वर्चुअली उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि विकासशील भारत तेज गति से काम कर रहा है और विकास कार्यों को पूरा कर रहा है। हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को विकसित होते देख रहे हैं।

मोदी ने कहा कि भारत ने कोरोना को हराया, इसकी चर्चा पूरी दुनिया में होती है। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि बीते 10 वर्षों में भारत का हेल्थकेयर सिस्टम पूरी तरह बदल गया है। प्रधानमंत्री ने अपनी राजनीतिक यात्रा को याद कर कहा कि उनकी चुनावी यात्रा की शुरूआत में राजकोट की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश उन्हें प्यार और आशीर्वाद दे रहा है जिसमें यश का हकदार राजकोट भी है। 22 साल पहले 24 फरवरी को ही राजकोट ने पहली बार उन्हें अपना एमएलए चुना था और आज 25 फरवरी के दिन पहली बार राजकोट के विधायक के तौर पर विधानसभा में शपथ ली थी।

111वीं कड़ी में नई ऊर्जा के साथ मिलूंगा : पीएम

●तीन महीने नहीं होगा मन की बात का प्रसारण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मन की बात का प्रसारण अगले तीन महीने नहीं होगा और इसके बाद आकाशवाणी के इस मासिक रेडियो कार्यक्रम की 111वीं कड़ी में वह नई ऊर्जा के साथ लोगों से मिलेंगे।

इस कार्यक्रम की 110वीं कड़ी में मोदी ने मार्च के महीने में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने की संभावना जताई और पहली बार मतदान के पात्र युवाओं से रिकार्ड संख्या में मतदान की अपील की। निर्वाचन आयोग के एमसीसी दिशानिर्देश सरकारों पर आधिकारिक कार्यक्रमों या सार्वजनिक-वित्त पोषित मंचों का उपयोग किसी ऐसी चीज के लिए करने पर रोक लगाती है जिनसे सत्तारूढ़ पार्टी का प्रचार हो या राजनीतिक लाभ मिले। उन्होंने कहा, देश में लोकसभा चुनाव का माहौल है और जैसा पिछली बार हुआ था, संभावना है कि मार्च के महीने में आचार-संहिता भी लग जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह मन की बात की बहुत बड़ी सफलता है कि इसकी पिछली 110 कड़ियों को सरकार की परछाई से भी दूर रखा गया है। उन्होंने कहा, मन की बात में देश की सामूहिक शक्ति की बात होती है, देश की उपलब्धि की बात होती है। यह एक तरह से जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार होने वाला कार्यक्रम है। उन्होंने कहा, लेकिन फिर भी राजनीतिक मयार्दा का पालन करते हुए लोकसभा चुनाव के इन दिनों में अब अगले तीन महीने मन की बात का प्रसारण नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन महीने बाद इस कार्यक्रम की 111वीं कड़ी का प्रसारण होगा। उन्होंने कहा, अगली बार मन की बात की शुरूआत 111 के शुभ अंक से हो तो इससे अच्छा भला क्या होगा। मोदी ने कहा कि इस लोकप्रिय कार्यक्रम का प्रसारण भले ही तीन महीने के लिए रुक रहा है, लेकिन देश की उपलब्धियां नहीं रुकेंगी।

कैमूर सड़क हादसा : तीन वाहनों की टक्कर में 9 लोगों की मौत

प्रात : किरण

कैमूर/पटना। कैमूर में जोरदार सड़क हादसा हुआ है, जिसमें 9 लोगों की दर्दनाक मौत की खबर है। वहीं कुछ लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को निकट के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो कार ने पहले बाइक में टक्कर मारी और फिर खड़े कंटेनर में जा घुसी। हादसे में कार सवार आठ और एक बाइक सवार की मौत हुई है। घटना कैमूर जिले के मोहनियां थाना क्षेत्र के देवकली गांव के पास की है। मिली जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो सासाराम की तरफ से वाराणसी की ओर जा रही थी। स्कॉर्पियो जैसे ही देवकली गांव के समीप पहुंची, ड्राइवर का गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रहा। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनकंट्रोल होकर डिवाइडर पार कर दूसरी तरफ चली गई, जहां सामने से आ रहे कंटेनर से जा टकराई। टक्कर लगते ही स्कॉर्पियो पलट गई। इस पूरे हादसे में स्कॉर्पियो में सवार 8 लोगों और बाइक सवार एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से इलाके में अफरा–तफरी मच गयी। घटना के बाद एनएच–2 पर भीषण जाम की स्थिति उत्पन्न हो गयी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना एनएचएआई और मोहनियां पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस गाड़ी के अंदर फंसे शव को बाहर निकलवाने और उनके पहचान करने में जुटी हुई थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। इसके बाद मौके पर पहुंची मोहनिया थाना की टीम और एनएचएआई की टीम स्कॉर्पियो के अंदर फंसे शव को बाहर निकाला और आगे की कार्रवाई शुरू की। फिलहाल किसी भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। वहीं यातायात को सामान्य कराने में एनएचएआई और पुलिस की टीम जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री ने अपनी धर्मपत्नी मंजू सिंह को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी धर्मपत्नी एवं समाजसेवी स्वर्गीय मंजू सिंह की जयंती के अवसर पर कंकड़बाग स्थित स्वर्गीय मंजू सिंह स्मृति पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल-अखिलेश एक साथ

प्रात : किरण

आगरा/नई दिल्ली/एजेंसी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा में रविवार को आगरा में शामिल हुए। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे पर सहमति बनने के बाद राहुल गांधी और अखिलेश यादव पहली बार एक साथ नजर आए हैं। सपा और कांग्रेस के पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपनी पार्टी के नेताओं के समर्थन में नारे लगाए। आगरा में रोड शो के दौरान राहुल और अखिलेश ने हाथ हिलाकर भीड़ का अभिवादन स्वीकार किया। उनके साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा भी मौजूद थीं। सपा अध्यक्ष ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा, आज किसान सरकार के खिलाफ खड़े हैं। सरकार किसानों की ताकत से डरी हुई है। आने वाले समय में भाजपा हटेगी और इंडिया गठबंधन की सरकार किसानों को सम्मान देगी

दो मार्च को बिहार दौरे पर आएंगे पीएम मोदी

प्रात : किरण

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई परियोजनाओं की शुरूआत करने और जनसभाओं को संबोधित करने के लिए दो मार्च को बिहार का दौरा करेंगे। भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष और राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को यह जानकारी दी। चौधरी ने पार्टी के राज्य मुख्यालय में पत्रकारों से बात की, जहां वह भाजपा कार्यकताओं के साथ प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम सुनने आए थे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री कई परियोजनाओं की शुरूआत के लिए दो मार्च को औरंगाबाद और बेगुसराय जिलों में होंगे। वह जनता को भी संबोधित करेंगे। बिहार में एनडीए के नई सरकार बनाने के बाद मोदी की यह पहली बिहार यात्रा होगी। चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री अगले 10 दिन में डिजिटल माध्यम से या भौतिक रूप से बिहार के लिए दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करने वाले हैं। भाजपा नेता ने कहा, यह विपक्ष को करारा जवाब है, जो केंद्र सरकार द्वारा बिहार की उपेक्षा किए जाने का रोना रोता है। आज ही प्रधानमंत्री राज्य के लिए करोड़ों रुपये की स्वास्थ्य संबंधी परियोजनाओं की डिजिटल माध्यम से शुरूआत करने वाले हैं। चौधरी ने कहा सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी डिजिटल माध्यम से बिहार के लिए 70,000 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं की शुरूआत करेंगे। दो मार्च की अपनी यात्रा के बाद, वह चुनाव तारीखों की घोषणा और आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले अन्य परियोजनाओं की शुरूआत के लिए एक बार फिर राज्य की यात्रा कर सकते हैं।

जन आंदोलन की शुरूआत है झामुमो का मिलन समारोह : चंपई

रांची। रविवार को मुख्यमंत्री आवास, कांके रोड, रांची में संपन्न हुए झामुमो के मिलन समारोह में विभिन्न सामाजिक संगठनों और दलों के लगभग 3 हजार युवा और महिलाओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के समक्ष झामुमो रांची जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम के नेतृत्व मे झामुमो का दामन थामा। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने सभी को पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी मे स्वागत किया साथ ही मौके पर कहा आंदोलनकारियों की बदौलत हमें यह झारखंड राज्य मिला है। जिस तरीके से हमारे युवा मुख्यमंत्री के तौर पर हेमंत सोरेन कार्य कर रहे थे। सुदूर गांव में भी हर एक घर तक योजना पहुंचने का काम कर रहे थे। इसी को देखते हुए केंद्र की भाजपा सरकार ने साजिश के तहत उनको जेल भेजने का काम किया है।

दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और ज्यादा बढ़ावा मिलेगा

राजस्थान में शुरू हुआ भारत और जापान सेनाओं का संयुक्त अभ्यास धर्म गार्जियन

प्रात : किरण

●विशेष हथियार कौशल की बुनियादी बातों पर भी केंद्रित होगा अभ्यास

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय सेना और जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास धर्म गार्जियन का 5वां संस्करण रविवार से राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ। नौ मार्च तक चलने वाला यह अभ्यास हर साल वैकल्पिक रूप से भारत और जापान में आयोजित किया जाता है। दोनों पक्षों की टुकड़ी में 40–40 जवान शामिल हैं। जापानी दल का प्रतिनिधित्व उनकी 34वीं इन्फेंट्री रेजिमेंट और भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व राजपूताना राइफल्स की एक बटालियन कर रही है। सैन्य प्रवक्ता कर्नल सुधीर चमोली ने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय श्कक के तहत अर्ध–शहरी वातावरण में संयुक्त अभियानों को अंजाम देने के लिए संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाना है। यह अभ्यास उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना, संयुक्त सामरिक अभ्यास और विशेष हथियार कौशल की बुनियादी बातों पर केंद्रित होगा। सामरिक अभ्यास में अस्थायी ऑपरेटिंग बेस की स्थापना, एक इंटेलिजेंस, निगरानी और टोही (आईएसआर) ग्रिड बनाना, मोबाइल वाहन चेक पोस्ट स्थापित करना, एक शत्रुतापूर्ण गांव में कॉर्डन और सर्च ऑपरेशन को अंजाम देना, हेलीबोर्न ऑपरेशन और हाउस इंटरवेंशन शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि अभ्यास के दौरान आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत देश की बढ़ती रक्षा औद्योगिक क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए एक हथियार और उपकरण प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स की पूर्वी सेना के कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल तोगाशी युइची का भी एक्सरसाइज धर्म गार्जियन के मौके पर भारत का दौरा करने का कार्यक्रम है। वह 03 मार्च को महाजन फील्ड फायरिंग रेंज का दौरा करके कॉम्बैट शूटिंग प्रदर्शन, स्पेशल हेलीबोर्न ऑपरेशन (एसएचबीओ) और हाउस इंटरवेंशन ड्रिल देखेंगे। अभ्यास धर्म गार्जियन दोनों पक्षों को सामरिक संचालन करने की रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम बनाएगा। इस अभ्यास से दोनों पक्षों के सैनिकों के बीच अंतर–संचालन क्षमता और सौहार्द विकसित करने में भी मदद मिलेगी। इससे रक्षा सहयोग का स्तर बढ़ने के साथ ही दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

118 परीक्षा केंद्रों पर 45232 विद्यार्थी देंगे बोर्ड परीक्षा- डीएम ने दिए यह निर्देश

हरिद्वार, एजेंसी। आगामी 27 फरवरी से 16 मार्च तक चलने वाली हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के लिए 118 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें 16 परीक्षा केंद्र संवेदनशील तथा पांच परीक्षा केंद्र अतिसंवेदनशील बनाए गए हैं। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने नकलविहीन परीक्षा कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्य शिक्षाधिकारी केके गुप्ता ने बताया कि इस बार 11 नए परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसके अलावा 17 एकल परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराने को जिले को सात सेक्टरों में बांटते हुए सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गयी है। जबकि जनपद स्तरीय दो सचल दलों का भी गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं के संकलन को दो संकलन केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में जनपद से 45232 विद्यार्थी परीक्षा के लिए पंजीकृत है। जिसमें से हाईस्कूल में 12676 बालक व 12156 बालिकाएं तथा इंटरमीडिएट में 11107 बालक व 9293 बालिकाएं परीक्षा के लिए पंजीकृत हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि बच्चों में एक्जाम फोबिया न हो, इसलिए बच्चों की काउंसिलिंग की जाए। परीक्षा केंद्रों पर फर्स्ट एड बाक्स की व्यवस्था की जाए। बीडीओ बहादराबाद मानस मित्तल, प्रधानाचार्य महेश प्रसाद यादव, भीखाराम सिंह, मंजू सैनी, रामेश्वर पंवार, रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

रोहित कांड के आरोपियों पर दर्ज मुकदमे वापस

रामनगर (नैनीताल), एजेंसी। चर्चित रोहित कांड में पुलिस की ओर से बनाए गए सभी आरोपियों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख समेत 20 आरोपियों पर दर्ज मुकदमे वापस ले लिए हैं। न्यायालय ने भी सरकार के आग्रह को स्वीकार करते हुए आरोपियों को बरी कर दिया है। अधिवक्ता दीपक जोशी ने बताया कि चार नवंबर 2014 को तत्कालीन एसएसआई मोहन चंद्र पांडे ने आरोपियों के खिलाफ धारा 147, 146, 427, 309, 34 आईपीसी, 7 क्रिमिनल एक्ट में केस दर्ज किया था। पुलिस ने तत्कालीन ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, दीप गुणवंत, तनुज दुर्गापाल, गोधन फर्त्याल, विमला रावत, आशा बिष्ट, प्रीतम आर्या, भीम रावत, नवीन नेगी, कपिल रावत, चंचल जोशी सहित 20 लोगों को आरोपी बनाया था। मुकदमे में ट्रायल के दौरान ही दो लोग कपिल रावत और चंचल जोशी की मौत हो गई थी। अधिवक्ता ने बताया कि मामला न्यायिक मजिस्ट्रेट कुलदीप नारायण की अदालत में चल रहा था। अधिवक्ता दीपक जोशी ने बताया कि अब प्रदेश सरकार ने इस मुकदमे को वापस लेने के लिए जनवरी 2024 के अंतिम सप्ताह में आग्रहपत्र न्यायालय में पेश किया था। इस पर न्यायिक मजिस्ट्रेट कुलदीप नारायण ने सरकार के आवेदन को छह फरवरी को स्वीकार कर लिया है। नवंबर 2014 में लखनपुर स्थित पानी की टंकी पर कुछ छात्र नेता आत्मदाह की धमकी देते हुए चढ़ गए थे। इसमें छात्र नेता रोहित पांडे बुरी तरह झुलस गया था जिसकी दिल्ली में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस ने 20 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया था। तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और हरीश रावत सीएम थे।

पर्यटन सीजन नजदीक पर भीमताल में पार्किंग कोसों दूर

भीमताल (नैनीताल), एजेंसी। दो महीने बाद शुरू होने वाले पर्यटन सीजन में इस बार भी भीमताल में सैलानियों, स्थानीय लोगों और पर्यटन कारोबारियों को पार्किंग का लाभ नहीं मिल पाएगा। इससे पर्यटन कारोबारियों में नाराजगी है। पूर्व में तत्कालीन सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भीमताल वासियों की मांग पर पार्किंग निर्माण की घोषणा की थी जो अब तक पूरी नहीं हुई। इस बीच प्रदेश में दो सीएम भी बदल गए पर शहरवासियों को जाम से मुक्ति नहीं मिल पाई। हालांकि लोनिवि ने भीमताल बाईपास स्थित मत्स्य विभाग की भूमि के पास पार्किंग के लिए जगह चयनित की है और टीसीएस कंपनी की मदद से मिट्टी के सैंपल जांच के लिए भेजे लेकिन अब तक रिपोर्ट नहीं मिली। व्यापार मंडल अध्यक्ष सौरभ रौतेला का कहना है कि भीमताल में पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह

किसान आंदोलन के समर्थन में भारतीय किसान यूनियन उग्राहां का प्रदर्शन

काशीपुर, एजेंसी।
संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर भारतीय किसान यूनियन उग्राहां ने शुक्रवार को शहर के एमपी चौक पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर और गृहमंत्री अनिल विज का पुतला फूंका। इस दौरान इंकलाबी मजदूर केंद्र और क्रांतिकारी लोक अधिकार संगठन के प्रतिनिधियों ने भी समर्थन दिया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों का उत्पीड़न कर रही है। इस सरकार को लोकसभा चुनावों में सबक सिखाया जाएगा।

शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन उग्राहां के प्रदेश प्रवक्ता अवतार सिंह ने बताया कि कई दिनों से पंजाब और हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर हरियाणा की पुलिस और अर्द्धसैनिक बल किसानों का दमन कर रहे हैं। किसान मोदी सरकार से फसलों की एमएसपी पर खरीद के लिए कानून बनवाने की मांग कर अपना अधिकार मांग रहे हैं

लेकिन सरकार दमन पर उतर गई है।

उन्होंने कहा कि यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने अपना वायदा पूरा नहीं किया और किसानों का उत्पीड़न बंद नहीं किया तो लोकसभा चुनावों में वोट की शक्ति से सबक सिखाया जाएगा। वहां पंकज, प्रेम प्रसाद आर्य, दिलबाग सिंह, रघुवीर सिंह, भाला सिंह, मुख्त्यार सिंह, महेंद्र सिंह, जसविंदर सिंह आदि मौजूद रहे। एसकेएम के आह्वान पर किसानों ने तहसील गेट पर प्रदर्शन कर हरियाणा सरकार का पुतला फूंका। किसानों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इससे पहले भूमि बचाओ अनशन स्थल पर किसानों ने हरियाणा में पुलिस की गोलीबारी में शहीद हुए किसान शुभकरण सिंह को श्रद्धांजलि दी।

शुक्रवार को किसान एकत्र होकर तहसील गेट पहुंचे। इस दौरान आक्रोशित किसानों ने प्रदर्शन कर हरियाणा सरकार का पुतला फूंका। किसानों ने गृह मंत्री अमित शाह, हरियाणा के सीएम और गृह मंत्री के इस्तीफे के साथ ही दोषियों पर 302 को मुकदमा दर्ज करने की मांग की। मौके पर भाकियू प्रदेशाध्यक्ष करम सिंह पड्डा, भारतीय किसान यूनियन एकता उग्राहां प्रदेश अध्यक्ष बल्ली सिंह चीमा, विक्की रंधावा, हरप्रीत सिंह निज्जर, दलजीत सिंह रंधावा, हरदेव सिंह, बलकार सिंह, इकबाल सिंह आदि थे।

एम्स के सुरक्षाकर्मी की सड़क दुर्घटना में मौत

डोईवाला, एजेंसी। एम्स ऋषिकेश में तैनात एक सुरक्षा कर्मी अपने कार्य में जाते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से ऋषिकेश में नटराज चौक के समीप सड़क दुर्घटना में घायल हो गया। जिसे 108 एंबुलेंस के जारी शांति प्रपन्न शर्मा राजकीय चिकित्सालय ऋ षिकेश में ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक के चाचा चंद्रपाल सिंह राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि कान्हरवाला डोईवाला निवासी उनका भतीजा दिनेश सिंह राणा उम्र 45 वर्ष जो की सेना से सेवानिवृत होने के पश्चात एम्स में सुरक्षा कर्मी के रूप में तैनात था। वह प्रातः अपने घर से स्कूटी से एम्स के लिए निकला था।

किसी अज्ञात वाहन ने नटराज चौक के समीप टक्कर मार दी। जिससे वह चोटिल होकर सड़क के किनारे गिरा रहा। ऋषिकेश किसी को छोड़ने के लिए गया था। जब वह वापस लौट रहा था तो उसने अपने चचेरे भाई की स्कूटी सड़क किनारे पड़ी देखी। जिसके बाद जब उसने समीप जाकर देखा तो दिनेश सिंह सड़क के किनारे जख्मी हालत में पड़े थे।

4 दिसंबर 2018 से पहले नियमित दैनिक, संविदाकर्मियों को राहत

नैनीताल, एजेंसी। हाईकोर्ट ने कहा है कि चार दिसंबर 2018 से पूर्व जिन कार्मिकों को नियमित किया जा चुका है, उन्हें नियमित माना जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि 2013 की नियमावली के अनुसार अन्य को दस वर्ष की दैनिक वेतन, संविदा के रूप में सेवा करने की बाध्यता के आधार पर नियमित किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए सरकार की 2013 की नियमावली को चुनौती देने वाली याचिकाओं को निस्तारित कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश ऋतु बाहरी एवं न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई।

मामले के अनुसार सौड़ बगड़ (जिला नैनीताल) निवासी नरेंद्र सिंह बिष्ट, हल्द्वानी निवासी हिमांशु जोशी और कई अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि निगमों, विभागों, परिषदों और अन्य सरकारी उपक्रमों में बिना किसी चयन प्रक्रिया के कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जा रहा है। इससे उनके हित प्रभावित हो रहे हैं। इस मामले में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से उमा देवी बनाम कर्नाटक राज्य मामले में दिए निर्देशों के क्रम में 2011 में कर्मचारी नियमितीकरण नियमावली बनाई। इसके तहत 10 वर्ष या उससे अधिक समय से दैनिक वेतन, तदर्थ, संविदा पर कार्यरत कर्मियों को नियमित करने का फैसला लिया गया, लेकिन राज्य गठन के बाद बने नए विभागों में दैनिक वेतन, तदर्थ या संविदा में कार्यरत कर्मचारी इस नियमावली में नहीं आ सके। इस पर सरकार ने 31 दिसंबर 2013 को एक नई नियमावली जारी की जिसमें कहा गया कि दिसंबर 2008 में जो कर्मचारी पांच साल या उससे अधिक की सेवा पूरी कर चुके हैं उन्हें नियमित किया जाएगा, जबकि कई याचिकाकर्ताओं ने इसे पांच साल के बजाय 10 साल करने की मांग की थी। इसे सरकार ने बाद में 10 साल कर दिया था। पक्षों को सुनवाई के बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सभी याचिकाओं को निस्तारित करते हुए निर्णय दिया कि चार दिसंबर 2018 से पूर्व जिन कार्मिकों को नियमितीकरण किया जा चुका है उन्हें नियमित माना जाए और अन्य को दस वर्ष की दैनिक वेतन के रूप में सेवा करने की बाध्यता के आधार पर नियमित किया जा सकता है। चार दिसंबर 2018 को रोक लगाते हुए सरकारी विभागों, निगमों, परिषदों और अन्य सरकारी उपक्रमों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगियों के नियमितीकरण पर रोक लगा दी थी।

घोड़ानाला रेलवे क्रॉसिंग पर बनेगा अंडरपास, सरपट दौड़ेंगे वाहन

लालकुआं, एजेंसी।
घोड़ानाला रेलवे क्रॉसिंग पर बिंदुखत्ता को लालकुआं स्थित नेशनल हाईवे से जोड़ने वाला पहला अंडरपास बनेगा। इसके लिए रेलवे ने तैयारी भी कर ली है। इसके बनने से लोगों को आवागमन में सुविधा होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के सीनियर सेक्शन इंजीनियर (भोजीपुरा) एपी सिंह ने बताया कि ढाई करोड़ की लागत से बनने वाले इस अंडरपास प्रोजेक्ट की लंबाई हाईवे की ओर 70 मीटर और गांव की ओर 90 मीटर, चौड़ाई 18 फीट और ऊंचाई 13 फीट होगी। इस योजना को 30 अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इसके निर्माण में किसी भी विभाग को कोई अड़चन ना हो इसके लिए राजस्व समेत अन्य विभागों के साथ बैठक भी हो चुकी है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार 26 फरवरी को पीएम नरेंद्र मोदी देश में विभिन्न जगहों पर बनने वाले अंडरपास निर्माण कार्य का शिलान्यास वर्चुअल करेंगे। इसी में लालकुआं में बनने वाले अंडरपास का भी शिलान्यास होगा।

ट्रेन के आवागमन के समय रेलवे क्रॉसिंग बंद होने पर लोगों को इंतजार करना पड़ता है। अंडरपास बनने से लोग बिना रुके लालकुआं,

बिंदुखत्ता के लिए आवागमन कर सकेंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, भविष्य में इसी तरह के और अंडरपास बनाए जाएंगे। पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल के सहायक सामग्री प्रबंधक जीपी श्रीवास्तव कहते हैं कि अंडरपास बनने से लोगों को सुविधा होगी। बताया कि शिलान्यास के मौके पर विधायक मोहन सिंह बिष्ट कार्यक्रम में बतौर मुख्य अथिति जनता को संबोधित करेंगे।

सीनियर सेक्शन इंजीनियर (भोजीपुरा) एपी सिंह ने बताया कि रेलवे की विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अब स्थानीय स्कूली बच्चों को भी जागरूक किया जा रहा है। इसके तहत घोड़ानाला स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों द्वार- 2047 का भारत कैसा होगा या भारतीय रेल कैसी होगी इसके लिए निबंध, कला, भाषण प्रतियोगिता शनिवार को दोपहर एक बजे शुरू होगी।

सुरक्षा कारणों से टाला गया सिलक्यारा सुरंग में पानी निकालने का काम

उत्तरकाशी, एजेंसी।
उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग के भीतर से पानी निकालने का काम सुरक्षा कारणों से टाल दिया गया है। राष्टीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिलक्यारा सुरंग के अंदर डी-वाटरिंग (सुरंग से पानी निकालने का कार्य) का काम इस सप्ताह शुरू होना था, जिसे सुरक्षा कारणों से स्थगित कर दिया गया है। पिछले साल 12 नवंबर को सुरंग के आंशिक रूप से ढह जाने के बाद 41 श्रमिक 17 दिन तक अंदर फंसे रहे थे।

एनएचआईडीसीएल के महाप्रबंधक कर्नल दीपक पाटिल ने कहा, ''राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) कर्मियों और एनएचआईडीसीएल इंजीनियर द्वारा सुरंग के अंदर एक छद्म अभ्यास आयोजित किया गया था ताकि यह आकलन किया जा सके कि पानी निकालने का काम किया जा सकता है या नहीं, लेकिन उन्हें लगा कि यह जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी आशंका है कि सुरंग के टूटे हुए हिस्से को ठीक किए बिना पानी निकालने का काम शुरू करने से भूस्खलन हो सकता है और लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। अधिकारी ने बताया कि सुरंग के टूटे हुए हिस्से के निकट सुरंग की छत पर दरारें देखी गई हैं।

क्या जाती ठंड भी करेगी परेशान फरवरी में पहली बार शून्य से नीचे पहुंचा लोहाघाट का तापमान

चंपावत, एजेंसी।
प्रदेश में मौसम शुष्क बना हुआ है। ज्यादातर क्षेत्रों में दिनभर चटख धूप खिल रही है। हालांकि, सर्द हवाएं चलने से पहाड़ से लेकर मैदान तक सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार आज प्रदेश में मौसम शुष्क बना रह सकता है। पर्वतीय क्षेत्रों में पाला पड़ने के आसार हैं।

वहीं, चंपावत में मौसम में गुरुवार को आए बदलाव के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। पहाड़ से लेकर मैदानी क्षेत्रों का तापमान तीन डिग्री तक कम हुआ है। चंपावत जिले के लोहाघाट व अल्मोड़ा जिला मुख्यालय में तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया। इस फरवरी में पहला मौका है जब तापमान माइनस में गया है।

शुक्रवार तड़के पर्वतीय क्षेत्रों में जबरदस्त पाला देखा गया। गुरुवार को हुई वर्षा व हिमपात के बाद रात में आसपास साफ हो गया। जिस वजह से पाला देखने को मिला है। तापमान में गिरावट के बाद चंपावत व लोहाघाट में सुबह-शाम गलन पैदा करने वाली ठंड पड़ रही है। घरों से निकलते समय लोग

संयम बरत रहे हैं।

शुक्रवार को कुमाऊं में सबसे कम -1.7 डिग्री तापमान लोहाघाट में रिकार्ड किया गया। चंपावत जिला मुख्यालय का तापमान भी एक डिग्री के आसपास पहुंच गया। अल्मोड़ा दूसरे नंबर का ठंडा स्थान रहा। पहाड़ में हुई वर्षा व हिमपात का असर मैदानी क्षेत्र पर भी दिखा है।

टनकपुर व बनबसा क्षेत्र में तापमान तीन डिग्री तक कम हो गया है। शुक्रवार को टनकपुर का तापमान 12.8 डिग्री सेल्सिसय रहा। पिछले एक सप्ताह में यह सबसे कम तापमान है।

प्रधानमंत्री के मन की बात जनजागरण का एक सशक्त माध्यम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को रायपुर विधान सभा के अन्तर्गत आने वाले हर्षिल एन्क्लेव बूथ नम्बर-4 चाणक्य कॉलेज कैम्पस गुजराड़ा मानसिंह में आयोजित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 110वें एपिसोड को विशिष्ट जनों व एकत्रित जन-समूह के साथ पूरे मनोयोग से प्रधानमंत्री के मन की बात को सुना। मन की बात कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि एक बार पुनः प्रधानमंत्री जी ने अपने ओजस्वी विचारों से देशवासियों के हृदय को छूने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में अलग-अलग प्रकार व अनेक विषयों को रखा है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवा मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री जी ने मेरा पहला वोट देश के लिये की बात कही है। निश्चित रूप से इससे नए मतदाता प्रोत्साहित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सभी एक ऐसे कार्यक्रम का हिस्सा बने, जिसका नाम तो ह्यमन की बातह्ह है लेकिन यह सही अर्थों में जन-जन की बात, देश के गौरव की बात, मां भारती के यशगान की बात तथा भारत के सम्मान की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने जिन भी विषयों को इस कार्यक्रम में शामिल किया वे सभी जनजागरण का एक सशक्त माध्यम बने और नागरिकों पर इनका अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ा। उन्होंने कहा कि हमारे उत्तराखण्ड की कई विभूतियों, पर्यटक स्थलों आदि को भी मन की बात में समय समय पर स्थान मिला, जिसके परिणामस्वरूप हमारे लोक संगीत और हमारी लोक संस्कृति से पूरे विश्व के लोग परिचित हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने मन की बात कार्यक्रम के जरिए लोगों का भरोसा जीता है। उन्होंने कहा कि भरोसा एक ऐसी चीज है, जो अपने आप नहीं आता, इसे कमाना पड़ता है और मोदी जी ने लोगों का ये भरोसा कमाया है तथा उसी भरोसे का प्रतिफल है कि उनके नेतृत्व वाली सरकार हर क्षेत्र में लगातार बेहतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सर्वांगीण और समावेशी विकास हुआ है। आज देश के अन्दर 80 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की गयी है, दिव्यांग जनों को सशक्त बनाया गया, लगभग 50 करोड़ जनधन खाते खोले गए, प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत लगभग चार करोड़ आवास बनाए गए, लगभग नौ करोड़ घरों तक नल से जल पहुंचाया गया है, किसान सम्मान निधि के रूप में हर वर्ष किसानों को छह हजार रुपये दिए जाने के साथ ही फसल बीमा योजना का भी लाभ दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त महिला सशक्तिकरण के लिए ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 12 करोड़ इज्जत घर बनाए गए तथा दस करोड़ से भी ज्यादा उज्वला कनेक्शन दिए गए। युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के क्रम में रोजगार मेला लगाकर दस लाख भर्तियों का अभियान प्रारंभ किया गया तथा कोरोना जैसी महामारी का हमने डटकर मुकाबला किया और लोगों को इसके मुफ्त टीके लगाने के साथ कई देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराई गयी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक ओर जहां भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का उद्घाटन किया गया, वहीं दूसरी ओर वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक सहित कई अन्य परियोजनाएं पूरी की गई। उन्होंने कहा कि तीन तलाक और अनुच्छेद 370 की समाप्ति कानून बनने से तीन तलाक के मामलों में काफी कमी आई। इसके अलावा नई शिक्षा नीति भी लागू की गयी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में एक ओर जहां उत्तराखंड में देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया, वहीं सभी को समान अधिकार देने के लिए हमने समान नागरिक संहिता विधेयक पारित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से हम सभी को पता चला कि यह देश न जानें कितनी ही विशिष्ट प्रतिभाओं से भरा हुआ है और असंख्य लोग अपने-अपने स्तर पर इस देश को निरन्तर महान बनाने में किस प्रकार जुटे हुए हैं, जिससे हम सभी को कुछ नया सीखने और समझने का मौका मिलता है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि प्रधानमंत्री जी ने सफलता के जो मंत्र मन की बात कार्यक्रम में उल्लेख किये हैं, उन्हें आप सभी अपने जीवन में आत्मसात करेंगे।

इस अवसर पर विधायक उमेश शर्मा काऊ, सुरेश गड़िया, विनय रोहिला, सिद्धार्थ अग्रवाल, शशि सिंह, प्रशान्त डोबाल, तरूण धीमान, आकाश, सौरभ थपलियाल, शिवानी बंसल, शशांक गोसाईं, संजीव मल्होत्रा, सचिन बंसल, देवेन्द्र पाल मोण्टी, किशन सिंह नेगी, उमेश अग्रवाल, शिव सिंह बिष्ट, अनूज चैधरी, वरिष्ठ नागरिक, ग्राम प्रधान, क्षेत्रवासी, श्रोतागण सहित सम्बन्धित पदाधिकारी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

क्या अब्दुल मलिक लगा पुलिस के हाथ अभी तक 78 को दबोचा

हल्द्वानी, एजेंसी। शुक्रवार को नमाज के दौरान बनभूलपुरा में लोगों की खासा भीड़ देखने को मिली। आठ फरवरी के बाद यह पहला जुमा था, जब बनभूलपुरा के लोग नमाज के लिए मस्जिदों में पहुंचे थे। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस और प्रशासन भी अलर्ट रहा।

वहीं, बनभूलपुरा उपद्रव का मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक अब भी पुलिस की पकड़ से दूर है। फिलहाल पुलिस के पास उसे लेकर कोई खास सुराग भी नहीं है। आठ फरवरी को बनभूलपुरा में हुए उपद्रव के बाद कर्फ्यू के आदेश जारी किए गए थे। स्थिति सामान्य होने के साथ नियमों में ढील दी गई। हालात सामान्य होने पर कर्फ्यू पूरी तरह से हटा दिया गया।

वहीं, शुक्रवार को पुलिस संग अर्धसैनिक बलों के जवान भी मुस्तैद थे। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह, एसडीएम पारितोष वर्मा, जोनल मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी, एसपी सिटी हरबंस सिंह भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने में जुटे थे। शांति व्यवस्था पूरी तरह बरकरार रही। वहीं, बनभूलपुरा मामले में पुलिस अब तक 78 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पानी बिल के मुद्दे पर आप का विरोध-प्रदर्शन

डीजेबी से स्कीम पास हो चुका है, अब कैबिनेट में पास होनी है, लेकिन भाजपा ने एलजी से कहकर स्कीम रूकवा दी- केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के 11 लाख लोगों को गलत पानी के बिलों से राहत देने के लिए सरकार द्वारा लाई जा रही वन टाइम सेटलमेंट स्कीम रोकने पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी मुख्यालय पर हुए प्रदर्शन में पूरी दिल्ली से भारी संख्या में आए लोगों ने सीएम अरविंद केजरीवाल को अपने भारी-भरकम पानी के बिल दिखाए। सीएम ने आश्वासन देते हुए कहा कि दिल्ली में सात लोकसभा की सीटें हैं। मेरी अपील है कि इस बार ये सातों सीट इंडिया गठबंधन को दे दो और चुनाव जीतने के 15 दिन के अंदर सबका बिल माफ कर देंगे। यह स्कीम कैबिनेट में पास होनी है, लेकिन भाजपा ने एलजी से कहकर रूकवा दी है।। उन्होंने कहा कि भाजपा के सातों सांसद कभी दिल्ली की बात नहीं करते हैं। अगर ये सातों सीट हमें मिल जाए तो दिल्ली को सुरक्षा कवच मिलेगा और सारे काम होंगे। अगर आपके आसपास कोई भाजपा वाला रह रहा हो तो उसके घर की घंटी बजाना और उसके सामने ही पानी के गलत बिलों को जला देना। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव डॉ. संदीप पाठक, दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय, कई मंत्री और उपाध्यक्ष समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कल गोविंदपुरी में 50 वर्ग गज के मकान में रह रहे लोगों ने मुझे तीन लाख तक के बिल दिखाए- अरविंद केजरीवाल

आम आदमी पार्टी ने दिल्लीवालों के साथ रविवार को पानी के गलत बिलों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। जिसमें राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक समेत दिल्ली के कई मंत्री और विधायक शामिल हुए।पार्टी मुख्यालय पर हुए विशाल विरोध प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि शनिवार को कालकाजी स्थित गोविंदपुरी के कई घरों में गया। वहां हर दूसरे-तीसरे घर में पानी का गलत बिल आया हुआ है। 50-50 गज के मकान हैं। इसके बावजूद लोगों के 25 हजार से लेकर तीन लाख तक बिल थे। अगर 40-40 हजार बिल आएंगे तो एक गरीब आदमी क्या खाएगा और अपने बच्चों को कैसे पढ़ाएगा। जाहिर तौर पर ये सारा बिल गलत हैं। गलत बिलों का सिलसिला कोरोना के समय शुरू हुआ। कोरोना के दौरान मीटर रीडर कई महीनों तक रीडिंग लेने नहीं गए। उन्होंने दफ्तर में बैठ कर गलत रीडिंग भर दी। उसके बाद गलत बिल बन गया। उस पर ब्याज और एलपीएससी लगने लगा और लोगों का अब दो-तीन लाख का बिल हो गया है।

जिन लोगों के पानी का बिल गलत आया है, वो बिल न भरें- अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में लगभग 11 लाख परिवारों के पानी के गलत बिल आए हुए हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली के दो करोड़ लोगों की सरकार है। अगर भाजपा वालों की सरकार होती तो ये लोग सबके पानी के कनेक्शन काट दिए होते। लेकिन जब तक आपका बेटा केजरीवाल जिंदा है, तब तक किसी का कनेक्शन नहीं कटने दूंगा। जिन लोगों को लगता है कि उनके पानी का बिल ठीक है, तो वो बिल जमा कर दें। लेकिन जिन लोगों को लगता है कि उनका पानी का बिल गलत आया है तो बिल मत भरना। अभी केजरीवाल है। हम भाजपा वालों को गुंडागर्दी बिल्कुल नहीं करने देंगे। हम एक जिम्मेदार सरकार की तरह 11 लाख लोगों के पानी के बिल ठीक नहीं किए जा सकते। अगर इतने लोगों के बिल ठीक करने लगे तो 80 साल लग जाएंगे। इसी को देखते हुए हमने वन टाइम सेटलमेंट स्कीम बनाई है।

फ्री बिजली-पानी देना सरकार की पॉलिसी है, सबका बिल जीरो होना चाहिए- अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने स्कीम की पूरी डिटेल दिल्लीवालों के सामने रखते हुए कहा कि एक से पांच साल के अंदर अगर आपका कोई भी दो ओके बिल है तो उसे ले लेंगे और उसका औसत निकाल लेंगे। इसके बाद आपने जितने समय का बिल नहीं जमा किया है, उसको शामिल करते हुए नया बिल बना दिया जाएगा। अगर आपका 20 हजार लीटर पानी प्रतिमाह से कम की खपत है तो वो 5-7 साल का सारा बिल जीरो हो जाएगा। हमारा मानना है कि स्कीम से लगभग 95 फीसद लोगों के पानी का जीरो बिल हो जाएगा। यह दिल्ली की जनता हक है। सरकार की यह पॉलिसी है कि हम फ्री बिजली और पानी देंगे। इसलिए सबका बिल जीरो होना भी चाहिए, यह गलत नहीं है। लोगों ने जो बिल आए हैं, वो गलत आए हैं। स्कीम में एक क्लॉज यह है कि अगर किसी व्यक्ति ने पांच साल में एक बार भी बिल नहीं जमा किया है। ऐसी स्थिति में यह देखा जाएगा कि वो किस जगह रह रहा है। जहां आप रह रहे होंगे, वहां आसपास के कुछ लोगों के ओके बिल ले लेंगे और उसकी औसत निकाल लेंगे। हम यह मान लेंगे कि जितना पड़ोसी पानी का इस्तेमाल कर रहा है, उतना ही आप भी कर रहे होंगे। पड़ोसी का औसत बिल ही आपका बिल मान लिया जाएगा। अगर पड़ोसियों का औसत बिल 20 हजार लीटर प्रतिमाह से कम है तो आपका 5-7 साल पहले तक का सारा पानी का बिल जीरो हो जाएगा।

विधानसभा में गांवों के मुद्दे उठाने पर रामबीर विधूड़ी का अभिनंदन किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली पंचायत संघ ने दिल्ली विधानसभा में गांवों के मुद्दे उठाने पर प्रतिपक्ष के नेता रामबीर विधूड़ी का आभार जताने के साथ-साथ उनका अभिनंदन किया। पंचायत संघ के पदाधिकारियों ने उनके निवास पर जाकर उनको पगड़ी बांधकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने रामबीर सिंह बिधूड़ी से गांवों से अन्य मुद्दे उठाने का भी आग्रह किया।

इस मौके पर पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं ने वादा करने के बावजूद गांवों का हाउस टैक्स से मुक्त नहीं किया और ग्रामीणों के पास हाउस टैक्स जमा करने के नोटिस भेजे जा रहे है। इस तरह उन्होंने गांवों के साथ कुठाराघात किया है। ऐसी स्थिति में रामबीर सिंह बिधूड़ी ने विधानसभा में उनकी आवाज उठाकर सरकार को सचेत करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि गांवों का जल्द से जल्द हाउस टैक्स माफ किया जाना चाहिए और वह हाउस टैक्स जमा नहीं करेंगे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि एमसीडी ने बजट पास करने के दौरान गांवों में विकास कार्य करने की योजना से संबंधित मदों में दोबारा राशि का प्रावधान किया जाना। आम आदमी पार्टी ने इन मदों में एक रुपया भी नहीं छोड़ा है। इस अवसर पर शकूरपुर गांव प्रमुख शिवकुमार यादव, सह प्रमुख सुनील शर्मा, पंच प्रमुख राजकुमार यादव ख्याला गांव, सुधीर शर्मा, रमेश यादव मादीपुर गांव, अधिवक्ता यमन यादव प्रमुख भलस्वा गांव मौजूद थे।

खराब श्रेणी में पहुंची राजधानी के 15 इलाकों की हवा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर एक बार फिर से बढ़ने लगा है। रविवार को दिल्ली के पंद्रह इलाकों की हवा खराब श्रेणी में पहुंच गई। मौसम के अलग-अलग कारकों की वजह से दिल्ली के लोगों को इस बार सामान्य से ज्यादा प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते हवा की रफ्तार बढ़ने से तीन दिन पहले वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ और सूचकांक 200 के नीचे आ गया। लेकिन, अब हवा की गति धीमी होने के साथ ही एक बार फिर से प्रदूषण बढ़ने लगा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, रविवार को दिल्ली का सूचकांक 192 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। वहीं, 15 इलाके ऐसे रहे, जहां का एक्यूआई 200 अंक को पार करके खराब श्रेणी में पहुंच गया है। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के मुताबिक, अगले दो दिनों के दौरान वायु गुणवत्ता का स्तर इसी के आसपास रहेगा।

करोड़ों रुपये की ठगी करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने रविवार को एक ऐसे जालसाज को हरिद्वार से दबोचा है, जिसने एनसीआर में प्रॉपर्टी में निवेश का झांसा देकर सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की थी। पुलिस को आरोपी पंकज त्यागी की 21 मामलों में तलाश थी, जबकि 14 मामलों में अदालत ने इसे भगोड़ा घोषित किया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने हरिद्वार में पी बेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर ओपीसी प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एक रियल स्टेट कंपनी खोली थी। वहीं पर काम कर रहा था। इसके अलावा यहीं पर होटल भी चला रहा था। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को ठगने के लिए बदरपुर इलाके में भानु इंफ्राटेक के नाम से कंपनी खोली थी। खुद को आरोपी कंपनी का प्रबंध निदेशक बताता था। इसकी कंपनी ने प्लॉट के नाम पर निवेश का झांसा देकर चूना लगाया था। अपराध शाखा के डीसीपी राकेश पावरिया ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि ठगी के मामले में फरार चल रहा आरोपी हरिद्वार में छिपा हुआ है। पुलिस ने हरिद्वार स्थित ज्वालापुर के राजलोक विहार फेस-एक से उसे दबोच लिया। आरोपी मूलरूप से छावला के शिकारपुर गांव का रहने वाला है। इसने दिल्ली विश्वविद्यालय पोस्ट ग्रेजुएशन किया है। पढ़ाई के बाद इसने रियल स्टेट के कारोबार में हाथ आजमाया। वर्ष 2000 के समय उसने प्रॉपर्टी में खूब पैसा कमाया। और वर्ष 2017-18 में उसने भानु इंफ्राटेक के नाम से कंपनी खोल ली। इसके बाद इसने लोगों से फरीदाबाद में प्लाट के नाम पर निवेश करवा लोगों को ठगा।

इमारत में आग के बीच फंसे बुजुर्ग दंपत्ति को बचाया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

लाजपत नगर इलाके में शनिवार देर रात तीन मंजिला इमारत में आग लग गई। बचाव दल ने बिल्डिंग में फंसे बुजुर्ग दंपत्ति समेत तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। फिलहाल, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। दमकल अधिकारी ने बताया कि लाजपत नगर ई-ब्लॉक स्थित करीब 80 गज में चार मंजिला इमारत है। इसकी पहली मंजिल पर कपड़े की कंपनी का स्टोर रूम और ऑफिस है, जबकि अन्य फ्लोर पर किराएदार हैं। तीसरे फ्लोर पर 80 वर्षीय प्रताप जुनेता और उनकी 76 वर्षीय पत्नी सावित्री जुनेजा रहती हैं। पहली मंजिल पर स्टोर रूम में रात करीब एक बजे आग लग गई, लेकिन किसी को पता नहीं चल पाया। इस बीच धुएं से पूरी इमारत भर गई तो लोगों को आग लगने की जानकारी हुई। पहले और दूसरे फ्लोर पर रहने वाले लोग समय से बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन एक किशोर और बुजुर्ग दंपत्ति फंस गए। पुलिस टीम ने किसी तरह किशोर को बाहर निकाला। दमकल अधिकारी ने बताया कि करीब दो बजे सूचना मिलने पर दमकल की पांच गाड़ियां डीएफएस राजेश शुक्ला के नेतृत्व में पहुंची। राजेश शुक्ला ने देखा कि प्रताप जुनेता धुएं के बीच में खड़े हैं। दमकलकर्मियों ने कंधे पर रखकर बुजुर्ग दंपत्ति को सुरक्षित बाहर निकाला। दमकल अधिकारी ने बताया कि इमारत में एक ही सीढ़ी थी। वह भी संकरी थी, जिसकी वजह से निकालने में दिक्कत हो रही थी। हालांकि, आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया था।

कांग्रेस-आप के गठबंधन पर बीजेपी ने पोस्टर से किया हमला, कहा- सिक्खों के कातिलों के साथ केजरीवाल ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

लोकसभा और कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन के बाद बीजेपी का आम आदमी पार्टी पर पोस्टर वार शुरू हो गया है। भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने नया पोस्टर लगाया है, जिसमें कांग्रेस के जगदीश टाइटलर कमलनाथ और सज्जन कुमार का पोस्टर लगाने के साथ-साथ अरविंद केजरीवाल का पोस्टर लगाकर 1984 कत्लेआम के जरिए निशाना साधा है।

भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने बीजेपी दफ्तर के बाहर दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर नए पोस्टर लगवाएं है। यहां दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी का कार्यालय है। पोस्टर में कांग्रेस नेता सज्जन कुमार, जगदीश टाइटलर, कमलनाथ के पोस्टर लगाने के साथ-साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का भी पोस्टर लगाया है। साथ ही पोस्ट के ऊपरी हिस्से में बड़े-बड़े अक्षरों में यह लिखा गया है कि 1984 के सिक्खों के कातिलों के साथ अरविंद केजरीवाल ने मिलाया हाथ। जबकि निचले हिस्से में यह लिखा है कि सिखों के कातिलों को जेल भिजवाने की बजाय अरविंद केजरीवाल उन्हें संसद पहुंचाना चाहते हैं। पोस्टर के निचले हिस्से में देश के सिक्खों के लिए चेतावनी लिखी गई है और उसके नीचे मनजिंदर सिंह सिरसा ने अपना नाम लिखा है। इस पोस्टर को भाजपा कार्यालय के आसपास के अलावा कई और जगह पर लगाया जा रहा है जिससे साफ है कि इस गठबंधन को लेकर बीजेपी, कांग्रेस के साथ-साथ आम आदमी पार्टी को पूरी तरह से घेरना चाहती है और इसके लिए मनजिंदर सिंह सिरसा ने 1984 में हुए कत्लेआम को मुद्दा बनाया है।

हालांकि इस मुद्दे को लेकर मनजिंदर सिंह सिरसा लगातार कांग्रेस के नेताओं को पहले से घेरते रहे हैं लेकिन अब इस पोस्टर के माध्यम से अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा गया है। अब देखना यह होगा कि आम आदमी पार्टी की तरफ से इस पोस्टर का जवाब किस तरह से दिया जाता है।

शादी के सीजन में रिटेल व्यापार में 5.5 लाख करोड़ रुपए के व्यापार का अनुमान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

देश का रिटेल व्यापार बहुत तेजी से बढ़ रहा है, जो इस बात से स्पष्ट होता है कि 15 जनवरी से शुरू हुए वर्तमान शादी सीजन में आगामी 15 जुलाई तक एक अनुमान के अनुसार इस अवधि के दौरान देश भर में लगभग 42 लाख विवाह होंगे। जिससे विवाह संबंधित खरीदारी और सेवाओं के माध्यम से लगभग 5.5 लाख करोड़ रुपए की धन राशि देश भर के बाजारों में आएगी। यह आंकलन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने करते हुए कहा कि शादियों से संबंधित सामान की खरीद और विभिन्न सेवाएं प्राप्त करने द्वारा यह बड़ी राशि देश के बाजारों में प्रवाहित होगी। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पिछले वर्ष डेस्टिनेशन शादियों को विदेशों के स्थान पर देश में ही करने की अपील का बड़ा असर लोगों पर पड़ा है। और यही कारण है कि देश के विभिन्न राज्यों में डेस्टिनेशन शादियां आयोजित करने वाले सभी स्थान आगामी जुलाई तक पूरी तरह बुक हैं। पिछले साल, 14 दिसंबर को समाप्त हुए विवाह सीजन में लगभग 35 लाख विवाह हुए थे, जिनके खर्च का अनुमान 4.25 लाख करोड़ था। इसके मुकाबले 5.5 लाख करोड़ रुपये का अनुमान अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि इस विवाह सीजन के दौरान अनुमान है कि लगभग 5 लाख विवाह की प्रति विवाह लागत 3 लाख होगी, जबकि लगभग 10 लाख विवाह की प्रति विवाह की लागत लगभग 6 लाख होगी। इसके अतिरिक्त 10 लाख विवाहों की अनुमानित लागत प्रति विवाह 10 लाख होगी, वहीं 10 लाख विवाह की लागत 15 लाख प्रति विवाह होगी। जबकि, 6 लाख विवाह 25 लाख की लागत से होना अपेक्षित है। इसके अलावा 60 हजार विवाह जिनकी लागत प्रति विवाह 50 लाख होगी, और 40 हजार विवाह जिनकी लागत 1 करोड़ से अधिक होगी। समग्र रूप से, इस छह महीने के दौरान, विवाह संबंधित खरीदारियों एवं सेवाओं के जरिये लगभग 5.5 लाख करोड़ के व्यापार का अनुमान है। प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि विवाह सीजन के दौरान मुख्य रूप से जिन सामान में ज्यादा व्यापार होता है, उनमें घर की मरम्मत और पेंटिंग में काफी व्यवसाय होता है। इसके अलावा आभूषण, साड़ी, लहंगा-चुनरी, फर्नीचर, रेडिमेड कपड़े, कपड़े, जूते, विवाह और शुभकार्य कार्ड, सूखे मेवे, मिठाई, फल, पूजा वस्त्र, किराना, अनाज, सजावटी वस्त्र, घर की सजावट, इलेक्ट्रिकल यूटिलिटीज, इलेक्ट्रॉनिक्स, और विभिन्न उपहार आइटम आदि की मांग सबसे अधिक होती है। इनको शादी सीजन में बड़ा व्यापार मिलने की बड़ी उम्मीद है। खंडेलवाल ने कहा कि शादियों के लिए बैंक्वेट हॉल, होटल, ओपन लॉन, समुदाय केंद्र, सार्वजनिक पार्क, फार्महाउस, और विभिन्न अन्य विवाह स्थलों को दिल्ली सहित पूरे देश में पूरी तरह से बुक कर लिया गया है। हर विवाह की खरीदारी के अलावा टेंट डेकोरेशन, विवाह स्थल की सजावट, फूलों की सजावट, क्रोकरी, केटरिंग सेवाएं, यात्रा सेवाएं, कैब सेवाएं, पेशेवर स्वागत समूह, सब्जी विक्रेता, फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर, बैंड, संगीत कलाकार, डीजे सेवाएं, विवाह बारात के लिए घोड़े,बग्घी,लाइट,ढोल, ताशे, नफीरी, शहनाई सहित अनेक अन्य सेवाओं को भी बड़ा व्यापार मिलता है। इसके अतिरिक्त, विवाह सामग्रियों और उपहार आइटम की पैकेजिंग तथा इवेंट मैनेजमेंट शादियों के सीजन के लिए एक बड़े व्यापार के रूप में स्थापित हुए हैं।

22 साल से फरार सिमी का वांटेड सदस्य गिरफ्तार

- दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र के भुसावल से दबोचा
- आरोपी पत्रिका ह्यइस्लामिक मूवमेंट की जिम्मेदारी संभालता था

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के एक वांटेड सदस्य हनीफ शेख को गुरुवार को महाराष्ट्र के भुसावल से गिरफ्तार किया। आरोपी करीब 22 साल से फरार था। इस पर 2001 में न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में यूएपीए और राजद्रोह के मामले दर्ज किए गए थे। हनीफ पर अलग-अलग राज्यों में 4 मामले दर्ज हैं। स्पेशल सेल के डीसीपी आलोक कुमार ने बताया कि उनकी टीम को पता चला कि हनीफ हुडाई ने अपनी पहचान मोहम्मद हनीफ कर ली है। वह भुसावल में इसी नाम से एक उर्दू स्कूल में शिक्षक है। पुलिस टीम 22 फरवरी को भुसावल पहुंची और उसे धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक, हनीफ ने 1997 में मारुल जलगांव से डिप्लोमा किया था। वह 1997 में सिमी संगठन में शामिल हो गया था। इसके बाद उसने मुस्लिम युवाओं को संगठन में शामिल करने और उन्हें कट्टरपंथी बनाने का काम शुरू कर दिया था। इसकी कट्टर सोच को देखते हुए सिमी के तत्कालीन अध्यक्ष साहिद बदर ने फिर इसे सिमी पत्रिका ह्यइस्लामिक मूवमेंट के उर्दू संस्करण का संपादक बना दिया था। इस दौरान उसने कई भड़काऊ लेख भी लिखे थे। इसे पत्रिका की जिम्मेदारी देने के कुछ दिन बाद ही दिल्ली के जाकिर नगर इलाके में स्थित सिमी के मुख्यालय में एक कमरा दे दिया गया था। पुलिस की मानें तो आरोपी का संगठन से जुड़े हनीफ शेख का सफदर हुसैन नागोरी, अब्दुस शुभान कुरैशी उर्फ तौकीर, नोमान बदर, शाहनाज हुसैन, सैफ नाचैन, मोहम्मद के साथ करीबी रिश्ता था। जब पुलिस ने 2001 में छापेमारी की तो हनीफ शेख यहां से कई साथियों समेत फरार हो गया था। तभी से वह भूमिगत था। उधर, सिमी संगठन पर प्रतिबंध के बाद ज्यादातर प्रमुख सदस्य इधर-उधर हो गए थे। कुछ वरिष्ठ सदस्यों ने ह्यवहादत-ए-इस्लाम के नाम से एक नए संगठन शुरूआत भी की। आरोपी हनीफ शेख इस संगठन के लिए महाराष्ट्र और आसपास के राज्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर दिया था : आरोपी हनीफ के खिलाफ महाराष्ट्र में यूएपीए अधिनियम और अन्य राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के तहत मामलों में शामिल होने का आरोप है। जबकि, दिल्ली में दर्ज मामले में इसे अदालत ने भगोड़ा घोषित कर दिया था। हनीफ पर महाराष्ट्र और दिल्ली के अलावा मध्य प्रदेश, कर्नाटक और केरल में भी सिमी संगठन की बैठकें आयोजित करने में सक्रिय था।

रहमत और माफी की रात शब-ए-बारात आज, इबादत करने दिल्ली की मस्जिदों में जुटेंगे लोग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्लीः देशभर में रविवार को शब-ए-बारात मनाया जाएगा। इस्लाम धर्म को मानने वालों के लिए यह फजीलत वाली रात होती है और लोग अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। लोग पूरी रात जागकर अल्लाह की इबादत और नमाज अदा करते हैं। ऐसी मान्यता है कि शब-ए-बारात की रात सच्चे दिल से इबादत करने पर अल्लाह बंदे के सारे गुनाहों को माफ कर देता है। शब-ए-बारात को लेकर राजू पार्क इलाके में स्थित मस्जिद के इमाम ने बताया कि लोग आज की रात कब्रिस्तान जाते हैं। लेकिन यह जरूरी नहीं है। इससे बेहतर है कि वह अपने घर पर रहकर अल्लाह की इबादत करें और अपने गुनाहों की माफी मांगें। हालांकि कुछ लोग पूरी रात जागकर इबादत नहीं कर सकते। ऐसे में वे लोग मस्जिद में ही अल्लाह की इबादत कर सकते हैं। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, इस त्योहार को शाबान (इस्लामिक कैलेंडर का आठवां महीना) महीने की 14वीं तारीख को सूर्यास्त के बाद मनाया जाता है। शाबान रजब महीने के बाद आता है। शब-ए-बारात को पूरे विश्व में इस्लाम धर्म के लोग मानते हैं। इसी तरह दिल्ली में भी शब-ए-बारात को मानने वालों की संख्या लाखों में है और इस दिन दिल्ली में रहने वाले इस्लाम धर्म के लोग अल्लाह की इबादत और अपने गुनाहों की माफी मांगने के लिए मस्जिदों का रुख करते हैं। कुछ लोग इस दौरान कब्रिस्तान भी जाते हैं और फातिहा पढ़कर इबादत करते हैं।

कार्यालय नगर पंचायत पिलखना - अलीगढ़

पत्रांक सं.:-59/न0पं0 पिलखना/2023-24 दिनांक - 24/02/2024

निविदा/कुटेशन प्रकाशन

समस्त फर्म/ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2023-24 में राज्य वित्त आयोग (टाउन फण्ड) के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से **नगर पंचायत पिलखना में इण्डरलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य** कराया जाना है। जिसके लिए निविदा दिनांक 28.02.2024 से 29.02.24 तक अपरान्ह 2.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है तथा उक्त निविदा दिनांक 29.02.24 को अपरान्ह 4.00 बजे कार्यालय नगर पंचायत पिलखना में उपस्थित फर्म/ठेकेदारों के समक्ष सक्षम अधिकारी द्वारा खोली जायेगी।

इच्छुक फर्म/ठेकेदार को निविदा के साथ नियमानुसार 10 प्रतिशत एफ0डी0आर0 जमा करनी होगी, जो अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत पिलखाना के पदनाम बन्धक होगी। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। कार्य का विवरण निम्नवत् है:-

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	10 प्रतिशत	निविदा मूल्य	कार्य अवधि
01	Const. of old C.C. Interlocking in Nagar Panchayat Pilakhna on both side Sahid to Zahid House.	8.28	82840/-	900/-	3 Month
02	Const. of old C.C. Interlocking in Nagar Panchayat Pilakhna on both side in Ward No. 03. Old Gate to Morden School	5.79	57990/-	600/-	3 Month
03	Const. of old C.C. Interlocking in Nagar Panchayat Pilakhna on both side Rajesh Lal to Zahid House.	5.11	51120/-	600/-	3 Month
04	Const. of R.C.C. Nali in Nagar Panchayat Pilakhna in Ward No. Dharamsala to Jubada House Size 0.30x0.30.	2.79	27925/-	300/-	3 Month
05	Const. of R.C.C. Nali in Nagar Panchayat Pilakhna in Ward No Ali Miya shop to Pokher, Size 0.30x030	8.40	84085/-	900/-	3 Month
06	Const. of R.C.C. Nali in Nagar Panchayat Pilakhna in Ward No. Old Gate to Hawli, Size 0.30x030.	9.47	94780/-	1000/-	3 Month
07	Const. of R.C.C. Nali in Nagar Panchayat Pilakhna in Ward No. P.H.C. to Rajesh Lala H. Size 0.30x030.	7.07	70715/-	800/-	3 Month

नोट:-निविदा से सम्बन्धित किसी भी नियम/शर्तों का अवलोकन किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय नगर पंचायत पिलखना में किया जा सकता है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत पिलखना
अलीगढ़

नगर पंचायत पिलखना
अलीगढ़

जामा मस्जिद में मुस्लिम समुदाय ने सुनी पीएम के मन की बात, महिलाओं ने की तारीफ

भारतीय खो-खो टीम की कप्तान और हाल ही में अर्जुन अवार्ड पाने वाली नसरीन शेख भी पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनती नजर आई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम का आज 110 वां एपिसोड प्रसारित किया गया। जिसे पूरे देश भर में सुना गया। दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में पीएम मोदी के मन की बात के कार्यक्रम को मुस्लिम समाज के लोगों ने सुना। दिल्ली बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जामा मस्जिद के सामने काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय से पुरुष और महिलाओं ने पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। भारतीय खो-खो टीम की कप्तान और हाल ही में अर्जुन अवार्ड पाने वाली नसरीन शेख भी पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनती नजर आई। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा दिल्ली भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अनीस अब्बासी और पार्टी के तमाम कार्यकताओं ने पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम के समापन के बाद मुस्लिम महिलाओं ने पीएम के समर्थन में जमकर नारेबाजी की और कहा पीएम मोदी हमारे भाई जान है। भारतीय खो-खो टीम की कप्तान नसरीन शेख ने ईटीवी भारत से बातचीत करते हुए बताया कि पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने का आज सौभाग्य प्राप्त हुआ और जिस प्रकार से पीएम मोदी महिलाओं के लिए कार्य कर रहे हैं उससे पूरे देश की महिलाएं प्रेरित है। मैं खुद पीएम मोदी को इसके लिए धन्यवाद देना चाहती हूं कि खो-खो खेल को उन्होंने बड़े खेल में शामिल किया और मुझे अर्जुन अवार्ड से नवाजा गया। आज काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय की महिलाएं यहां पर पहुंची है और उनके विचारों को जानने की कोशिश की है और कि किस तरह से हम अपने जीवन में बदलाव ला सकते हैं। पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम प्रेरणा स्रोत है। वहीं, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आज बड़ी खुशी हुई की जामा मस्जिद के इलाके में पीएम के मन की बात कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम महिलाएं शामिल हुई। मैं भी यहां पर पहुंचा हूं और यहां देख कर लगा कि अब देश पूरी तरह से पीएम मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मन बना चुका है। पीएम ने कार्यक्रम में खासतौर पर युवाओं का जिक्र किया, जो पहली बार के वोटर है और उनसे अपील की है कि राष्ट्र के प्रति समर्पित सरकार के लिए अपने मत का प्रयोग जरूर करें। इसके साथ ही तमाम उन महिलाओं का भी जिक्र किया, जो छोटे-छोटे कामों से आगे बढ़ रही हैं और समाज को नई दिशा दे रही हैं। दिल्ली बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अनीस अब्बासी ने कहा है कि आज हमें खुशी है कि बड़ी संख्या में जमा मस्जिद इलाके से मुस्लिम महिलाएं यहां पर पहुंची है। पीएम मोदी सबका साथ सबका विकास कर रहे हैं। इस बार मुस्लिम समुदाय भारी संख्या में वोट दे कर पीएम मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएगा।

शिक्षा से ही बच्चों का उज्ज्वल भविष्य: जयकिशन शर्मा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

बी.वी.एम. वर्ल्ड स्कूल में आयोजित आकांक्षाएँ; नृत्य समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि जय किशन शर्मा जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उन्हें अच्छी शिक्षा देकर देश का अच्छा नागरिक बनना हमारा लक्ष्य है। आज दिल्ली-देहात के बच्चे भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं, प्रवीण शर्मा, प्रधानाचार्या अंजली शर्मा तथा व्यस्थापक महोदय अजय शर्मा ने विद्यार्थियों के कला प्रदर्शन के लिए उन्हे प्रोत्साहित किया। नन्हें कदमों ने साधे पैरों में सुर, लय और ताल। अदभुत समन्वय के साथ विभिन्न प्रकार के नृत्यों की बानगी बिखेरकर अपनी प्रतिभा के द्वारा उल्लास, रोमांच, सरसता, लयकारी और थिरकन से दर्शकों का मन मोह लिया। नन्हे - नन्हें बालक बालिकाओं ने अपने नृत्यों की जुगलबंदी से दर्शकों को देर तक बाँधे रखा। कार्यक्रम का आगाज ..गणेश वंदना तथा सरस्वती वंदना से किया गया। विभिन्न नृत्यों के साथ कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण द्वारा किया गया।

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 26 फरवरी, 2024

मंत्री कैलाश गहलोत ने नजफगढ़ के सुरहेड़ा गांव में पीएनजी पाइपलाइन बिछाने के कार्य का किया उद्घाटन

● मार्च 2025 तक नजफगढ़ में 21 गांवों और 200 कॉलोनियों में पीएनजी पाइपलाइन लगाने का कार्य हो जायेगा पूरा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

कैबिनेट मंत्री और नजफगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक, श्री कैलाश गहलोत ने आज नजफगढ़ के सुरहेरा गांव में इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) द्वारा पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) पाइपलाइन बिछाने के कार्य का उद्घाटन किया। दो महीने के भीतर पाइपलाइन बिछाने के कार्य सहित सुरहेरा में घरों में पीएनजी कनेक्शन शुरू होने की उम्मीद है। इस अवसर पर, ग्रामीणों को बधाई देते हुए, श्री कैलाश गहलोत ने कहा, पीएनजी पाइपलाइनों की शुरूआत नजफगढ़ के निवासियों को स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने के हमारे प्रयासों का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। किसी भी क्षेत्र के विकास और प्रगति के लिए स्वच्छ ऊर्जा समाधानों तक आम लोगों की पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी है। पीएनजी पाइपलाइन कनेक्शन इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना का लक्ष्य नजफगढ़ के 21 गांवों और 200 कॉलोनियों में पीएनजी पाइपलाइनों की स्थापना करना है। वर्तमान में, आईजीएल ने 15 से अधिक कॉलोनियों और 5 गांवों में सफलतापूर्वक कार्य पूरा कर लिया है, पूरी परियोजना मार्च 2025 तक पूरी होने वाली है। 2015 के बाद से अब तक नजफगढ़ में 100250 मीटर पीएनजी पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, जिसमें 2015 से 2015 के बीच 48,550 मीटर और 2020 से 2023 तक 51,700 मीटर पीएनजी पाइपलाइन बिछाई गयी। पीएनजी एक बेहद सुरक्षित रसोई गैस विकल्प है। प्राकृतिक गैस हवा से हल्की होती है और जब किसी प्रकार का रिसाव होता है तो यह तुरंत हवा में मिल जाती है और हवा में वाष्पित हो जाती है। गैस के रिसाव की संभावना न के बराबर होती है क्योंकि पाइप में बहुत कम छेद होते हैं। पीएनजी गैस घरों में पाइपलाइन के जरिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है। जिस तरह घरों में बिजली का मीटर लगाया जाता है, उसी तरह पीएनजी का भी मीटर लगाया जाता है, इसलिए किसी भी तरह की छेड़छाड़ की कोई संभावना नहीं रहती।

मधु विहार इलाके में चाकू से गोदकर युवक की हत्या मामले में एक नाबालिग सहित चार आरोपी धराए

● पुलिस के मुताबिक लूटपाट का विरोध करने पर आरोपियों ने युवक की चाकू मारकर हत्या की थी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके के डीडीए पार्क में चाकू से गोदकर युवक की हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए पुलिस ने मामले में एक नाबालिग सहित चार आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस के मुताबिक लूटपाट का विरोध करने पर आरोपियों ने युवक की चाकू मारकर हत्या की थी। पूर्वी दिल्ली जिला की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ईस्ट विनोद नगर निवासी सुमित कुमार(20), खिचड़ीपुर निवासी हर्ष कुमार(20) और हिमांशु(18) के तौर पर हुई है जबकि चौथा आरोपी नाबालिग है। डीसीपी ने बताया कि रैपिडो में काम करने वाला नरेंद्र(32) मंडावली इलाके में परिवार के साथ रहते थे। वह अपने एक दोस्त के साथ शुक्रवार रात मधु विहार थाना क्षेत्र अंतर्गत आईपी एक्सटेंशन सीएनजी पंप के सामने पार्क में खाने पीने के लिए गए थे। इस दौरान चार लड़कों ने नरेंद्र के साथ लूटपाट करने की कोशिश की। विरोध करने पर बदमाशों ने उन पर चाकू से कई वार कर दिया और लैपटॉप बैग, मोबाइल लूटकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल हालत में नरेंद्र को उनके दोस्त ने लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है। जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया, जिससे आरोपियों की पहचान हो गई। टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर एएटीएस और मधु विहार थाना पुलिस की टीम ने चारों आरोपियों को पकड़ लिया। चारों आरोपियों में से एक नाबालिग निकला, जिसे हिरासत में ले लिया गया है। बाकी तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

काले अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करना ही एकमात्र उपाय : रोमी भाटी

डीएनटी महापंचायत पर पूरी तरह से प्रतिबंध के बावजूद इकट्ठे हुए लोग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय गुर्जर परिषद के आह्वान पर प्रस्तावित डीएनटी महापंचायत का आयोजन जंतर मंतर की जगह कोटला मुबारकपुर स्थानांतरित करने के बावजूद पुलिस ने पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था, इसके बावजूद काफी तादात में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। गुर्जर परिषद के राष्ट्रीय सचिव रोमी भाटी ने बताया कि पुलिस द्वारा परमिशन रद्द करने के बाद हमने इसे स्थानांतरित करके करने का फैसला किया लेकिन फिर भी प्रशासन ने हमें एक शाम पहले किसी भी प्रकार से डीएनटी महापंचायत के कार्यक्रम को नहीं करने के लिए बाध्य किया। जिस धारा 144 का हवाला देकर हमें रोका गया उसी धारा 144 लगने के बाद बीजेपी ने दिल्ली में ही 11 हजार पदाधिकारियों की मीटिंग की। लेकिन विमुक्त जातियों को शांतिपूर्वक व लोकतांत्रिक तरीके से भी अपनी बात रखने से रोक दिया गया। भाटी ने इस बात पर कहा कि मैं बहुत ही दुखी मन से ये कहना पड़ रहा है कि सत्तारूढ़ के लिए तो कोई कानून नहीं, लेकिन अपना दबे कुचले वर्ग जिनके पूर्वजों ने आजादी की लड़ाई में अपने प्राण भी न्यवचावर कर दिया उनके पूर्वजों को अपनी बात भी रखने का अधिकार नहीं। उन्होंने बताया की इसके बावजूद स्वयं ही काफी संख्या में न सिर्फ लोग पहुंचे बल्कि लोगों ने हमारे संघर्ष को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।जिन विमुक्त जातियों को चिन्हित किया गया है वो असल में क्रांतिकारी जातियां थीं। इन सभी ने अंग्रेजों से युद्ध किया था और हमें भरोसा है कि हमें सरकारों से इन जातियों के न्याय, अधिकार और सम्मान की जो लड़ाई शुरू की है उसमे हमे जीत मिलेगी। भाटी ने कहा कि हमने डीएनटी पर सभी मांगों को मनवा लेने का संकल्प लिया है।

उद्भव और इंडियन सोसायटी ऑफ ऑथर्स के तत्वावधान में हुआ कविता पाठ

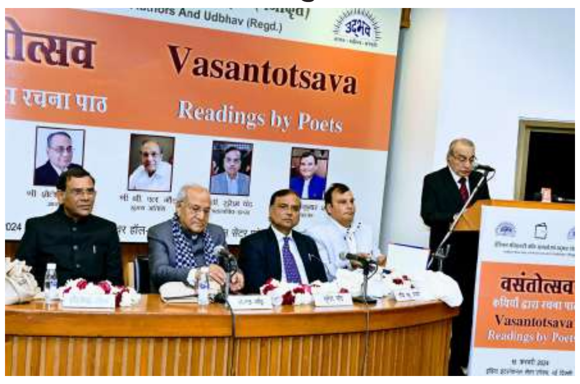

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। विगत दिनों सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था उद्भवह्व तथा इंडियन सोसायटी ऑफ ऑथर्सह्व द्वारा वसंतोत्सव के उपलक्ष्य में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर सभागार में कवियों द्वारा रचना पाठ का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि रहे वरिष्ठ साहित्यकार-पत्रकार बी.एल. गौड़ तथा अध्यक्ष थे सुप्रसिद्ध वरिष्ठ साहित्यकार शैलेंद्र शैल। इस अवसर पर इंसा के महासचिव डॉ. सुरेश चंद तथा उद्भव के अध्यक्ष के डॉ. विवेक गौतम भी मंच पर उपस्थित थे। काव्य संध्या में अनेक कवियों ने रचना पाठ किया। जिनमें वरिष्ठ कवि बी.एल.गौड़, शैलेंद्र शैल, प्रेम बिहारी मिश्र, मंदिरा घोष, नाटिंघम से प्रवासी कवयित्री जय वर्मा, औंकार त्रिपाठी, हर्षवर्धन आर्य, गीतिका चतुवेर्दी, ललिता अध्यापक, अधिवक्ता गगन भारद्वाज, इंजीनियर अमोल प्रचेता और डॉ. विवेक गौतम प्रमुख थे। मंच संचालन किया कवि रवि कुमार शर्मा ने।

दिल्ली के हरि नगर इलाके में शराब की दुकान खोले जाने का लोगों ने किया विरोध

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। वेस्ट दिल्ली के हरी नगर विधानसभा इलाके में एक बार फिर शराब ठेके को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। दरअसल, हरी नगर विधानसभा के बी2सी ब्लॉक के मुख्य द्वार पर एक शराब का ठेका खोला जा रहा है। इसको लेकर स्थानीय लोगों ने मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि ठेका खोले जाने से वहां की कानून व्यवस्था बिगड़ेगी, इसलिए इस ठेके को खुलने नहीं दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार, रविवार को काफी संख्या में कॉलोनी की महिलाएं और पुरुष शराब की दुकान के बाहर धरना प्रदर्शन करने बैठ गए। लोगों का साफ कहना है कि अगर यहां शराब का ठेका खुल गया तो इलाके की कानून व्यवस्था बदहाल हो जाएगी। महिला और लड़कियों का यहां से आना-जाना मुश्किल हो जाएगा। स्थानीय लोग बताते हैं कि यहां से महज 100 मीटर की दूरी पर महिला कॉलेज है। ऐसे में ठेके खुलने के बाद यहां शराब पीने वाले जहां तहां शराब पियेंगे।

दिल्ली में डेढ़ साल की बच्ची की आवारा कुत्तों ने नोच-नोचकर ले ली जान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला तुगलक रोड इलाके से सामने आया है। जहां तीन-चार लावारिस कुत्तों ने एक डेढ़ साल की नन्ही बच्ची पर हमला कर दिया। इस हमले में बच्ची पूरी तरह से घायल हो गई। कड़ी मशकत के बाद बच्ची को छुड़ाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। परिवार वाले उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीड़ित परिवार तुगलक लेन इलाके में धोबी घाट में रहता है। बच्ची के ताऊ रवि ने बताया कि शनिवार देर शाम की घटना है। जब यह घटना घटी तब पास में ही डीजे बज रहा था। इस शोर में बच्ची की चीख सुनाई नहीं दी। जैसे ही इस बात की जानकारी मिली तुरंत बच्ची को कुत्तों के चंगुल से छुड़ाया। लेकिन जब बच्ची को अस्पताल लेकर गए तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजन का कहना है कि एक डॉग लवर महिला बार-बार धमकी देकर जाती है। आज उसकी वजह से एक नन्ही बच्ची की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे परिवार में मातम पसरा है। वहीं स्थानीय लोगों में भी डर का माहौल है। वहीं, बच्ची के पड़ोसी अमित ने बताया कि एक मैडम एनजीओ चलाती है वह इन कुत्तों को खाना पीना खिलाकर जाती है। कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन उल्टा मैडम धमका कर चली जाती है। आज एक छोटी सी नन्ही बच्ची की जान चली गई। अमित ने कहा कि जल्दी से अगर आवारा कुत्ते को पकड़ा नहीं गया, तो आगे यह घटना किसी और के साथ भी हो सकती है।

प्ले स्कूल के मासूम बच्चो की उत्कृष्ट प्रस्तुति ने मोहा सभी का दिल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बशेशर दयाल शांति देवी (पंजी.)के सानिध्य में सनराईज किड्स सेंटर प्ले स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों ने गणेश वंदना, प्रभु श्रीराम की आराधना, देशभक्ति के गीतो और विभिन्न फूलों की महत्ता का सजीव चित्रण कर वहां पर उपस्थित अभिभावकों सहित सैकड़ों लोगों का मन मोह लिया। प्राचीन श्रीराम मंदिर, चांदनी चौक के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार विजय शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे, तो वही मंदिर के पीठाधीश्वर महंत पंडित श्री रामकिशन शर्मा, आरडब्ल्यूए, चांदनी चौक के प्रधान पराग जैन, ब्राह्मण समाज के सचिव दीपक शर्मा, प्रबंधक दुर्गेश माथुर, प्रिंसिपल बरखा माथुर, प्रज्ञा वर्मा, अनिकेत माथुर मंच पर मौजूद थे।

दिल्लीवालों का 15 दिन के अंदर पानी का बिल हो जाएगा माफ सीएम केजरीवाल ने लोगों से की अपील

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

Delhi Jal Board

नई दिल्ली। पानी के गलत बिलों से राहत देने के लिए सरकार द्वारा प्रस्तावित वन टाइम सेटलमेंट स्कीम के रुक जाने को मुद्दा बनाकर अब आम आदमी पार्टी (आप) इसे गर्मा रही है। आप इसे अब लोकसभा चुनाव में हथियार के रूप में उपयोग करने जा रही है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को इसके संकेत भी दे दिए हैं। सरकार द्वारा लाई जा रही इस स्कीम को रोकने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी ने भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी मुख्यालय पर हुए प्रदर्शन में पूरी दिल्ली से आए लोगों ने सीएम केजरीवाल को अपने भारी-भरकम पानी के बिल दिखाए। सीएम ने आश्वासन देते हुए कहा कि दिल्ली में सात लोकसभा की सीटें हैं। उन्होंने कहा कि मेरी अपील है कि इस बार ये सातों सीट आईएनडीआई गठबंधन को दे दो और चुनाव जीतने के 15 दिन के अंदर सबका बिल माफ कर देंगे। उन्होंने कहा कि यह स्कीम कैबिनेट में पास होनी है, लेकिन भाजपा ने एलजी से कहकर रुकवा दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सातों सांसद कभी दिल्ली की बात नहीं करते हैं। अगर ये सातों सीट हमें मिल जाएं तो दिल्ली को सुरक्षा कवच मिलेगा और सारे काम होंगे। उन्होंने कहा कि अगर आपके आसपास कोई भाजपा वाला रह रहा हो तो उसके घर की घंटी बजाना और उसके सामने ही पानी के गलत बिलों को जला देना। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पानी का बिल गलत आया है, वो बिल न भरें। सीएम ने कहा कि दिल्ली में लगभग 11 लाख परिवारों के पानी के गलत बिल आए हुए हैं। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव डॉ. संदीप पाठक, दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय, कई मंत्री और पार्टी उपाध्यक्ष समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सीएम ने कहा कि गत 13 जून को दिल्ली जल बोर्ड ने यह स्कीम पास कर दी है। अब यह स्कीम कैबिनेट में पास करनी है, लेकिन भाजपा वालों ने एलजी से कहकर यह स्कीम रुकवा दी।

राजस्थानी की मुखबरी के बाद बदमाशों ने की थी 25 लाख रुपये की लूट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केशवपुरम इलाके में स्कूटी सवार स्क्रैप कारोबारी और उसके साथी को गोली मारने की धमकी देकर 25 लाख रुपये लूटने वाले तीन बदमाशों को उत्तर-पश्चिम जिला की स्पेशल स्टॉफ ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान प्रभजोत उर्फ साहिब, नितिन कुमार और पुनीत अरोड़ा उर्फ पीनू के रूप में हुई है। लूट की रकम से आरोपी क्रिकेट मैच/घुड़दौड़ पर सट्टा लगाया करते थे। पुलिस अभी कुछ ओर साथियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते 20 फरवरी की शाम पांच बजकर 40 मिनट पर केशवपुरम पुलिस को लॉरेंस रोड पर शाहदरा के रहने वाले योगेश गुप्ता नामक स्क्रैप कारोबारी से गन प्वाइंट पर 25 लाख रुपये लूटने की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची। कॉलर योगेश ने बताया कि वह अपने साथी कर्मचारी आशीष के साथ स्कूटी से लौट रहा था। अचानक दो अलग-अलग बाइक पर सवार चार बाइक सवारों ने उनका रास्ता रोक लिया और गोली मारने की धमकी देकर 25 लाख रुपये लूट लिये। पुलिस ने मामला दर्ज किया। स्थानीय पुलिस और स्पेशल स्टॉफ में तैनात एसीपी रणजीत ढाका की देखरेख में इंस्पेक्टर सोमवीर सिंह के निर्देशन में एसआई अजय, नवीन, अरुण, हेड कांस्टेबल भोलू, सचिन, सुरेंद्र गौड़, कांस्टेबल अंकुशंद का आरोपियों का पकड़े का जिम्मा सौंपा गया। पुलिस टीम को शुरूआत में मुखबरी होने की आशंका थी। पुलिस टीम ने कॉलर से उसके पैसे इक्ट्ठा करने के पूरे रूट की जानकारी ली। वहां से वारदात वाली जगह पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। सीसीटीवी कैमरों से ही बदमाशों के रूट के बारे में पता करने की कोशिश की। बदमाशों की बाइक पर नंबर प्लेट पर नंबर नहीं थे। करीब सात सौ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक जगह पर बदमाश बाइक से उतरकर सिगरेट पीते नजर आए। वहीं आरोपियों तक पहुंचने का सबसे बड़ा सबूत सामने आया। हयूमैन सॉर्से की सहायता से बदमाशों की पहचान की गई। तीनों आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी करके उनको गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से छह लाख 90 हजार रुपये, क्रेडिट कार्ड, जिसमें दो लाख रुपये डाले गए थे, जब्त किये। फरार राजस्थानी के लडके बड़े बाजारों में है सक्रिय, मुखबरी की मिलती है मोटी रकम आरोपियों से पूछताछ करने पर पता चला कि नितिन कई वारदातों में शामिल रहा है। वह गैंगस्टर नवनीत कसाना जैसे गैंगस्टर का साथी रहा है। नवनीत कई लूट में पुलिस को वांछित है। राजस्थानी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

जापानी नागरिक से हुई लूटपाट को पुलिस ने 24 घंटे में सुलझाया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केशवपुरम इलाके में स्कूटी सवार स्क्रैप कारोबारी और उसके साथी को गोली मारने की धमकी देकर 25 लाख रुपये लूटने वाले तीन बदमाशों को उत्तर-पश्चिम जिला की स्पेशल स्टॉफ ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान प्रभजोत उर्फ साहिब, नितिन कुमार और पुनीत अरोड़ा उर्फ पीनू के रूप में हुई है। लूट की रकम से आरोपी क्रिकेट मैच/घुड़दौड़ पर सट्टा लगाया करते थे। पुलिस अभी कुछ ओर साथियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते 20 फरवरी की शाम पांच बजकर 40 मिनट पर केशवपुरम पुलिस को लॉरेंस रोड पर शाहदरा के रहने वाले योगेश गुप्ता नामक स्क्रैप कारोबारी से गन प्वाइंट पर 25 लाख रुपये लूटने की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची। कॉलर योगेश ने बताया कि वह अपने साथी कर्मचारी आशीष के साथ स्कूटी से लौट रहा था। अचानक दो अलग-अलग बाइक पर सवार चार बाइक सवारों ने उनका रास्ता रोक लिया और गोली मारने की धमकी देकर 25 लाख रुपये लूट लिये। पुलिस ने मामला दर्ज किया। स्थानीय पुलिस और स्पेशल स्टॉफ में तैनात एसीपी रणजीत ढाका की देखरेख में इंस्पेक्टर सोमवीर सिंह के निर्देशन में एसआई अजय, नवीन, अरुण, हेड कांस्टेबल भोलू, सचिन, सुरेंद्र गौड़, कांस्टेबल अंकुशंद का आरोपियों का पकड़े का जिम्मा सौंपा गया। पुलिस टीम को शुरूआत में मुखबरी होने की आशंका थी। पुलिस टीम ने कॉलर से उसके पैसे इक्ट्ठा करने के पूरे रूट की जानकारी ली। वहां से वारदात वाली जगह पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। सीसीटीवी कैमरों से ही बदमाशों के रूट के बारे में पता करने की कोशिश की। बदमाशों की बाइक पर नंबर प्लेट पर नंबर नहीं थे। करीब सात सौ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक जगह पर बदमाश बाइक से उतरकर सिगरेट पीते नजर आए। वहीं आरोपियों तक पहुंचने का सबसे बड़ा सबूत सामने आया। हयूमैन सॉर्से की सहायता से बदमाशों की पहचान की गई। तीनों आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी करके उनको गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से छह लाख 90 हजार रुपये, क्रेडिट कार्ड, जिसमें दो लाख रुपये डाले गए थे, जब्त किये। फरार राजस्थानी के लडके बड़े बाजारों में है सक्रिय, मुखबरी की मिलती है मोटी रकम आरोपियों से पूछताछ करने पर पता चला कि नितिन कई वारदातों में शामिल रहा है। वह गैंगस्टर नवनीत कसाना जैसे गैंगस्टर का साथी रहा है। नवनीत कई लूट में पुलिस को वांछित है।

केजरीवाल बोले- सातों सीटें इंडिया गठबंधन को दे दो

● 15 दिन के भीतर सारे बिल जीरो हो जाएंगे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पार्टी मुख्यालय पर दिल्ली के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग हमें प्यार तो करते हैं, लेकिन लोकसभा में वोट भाजपा को दे देते हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में सातों सीटें इंडिया गठबंधन को देना, फिर कोई एलजी आपको परेशान नहीं कर पाएगा। संसद में दिल्ली वालों की आवाज गूंजेगी। लोकसभा चुनाव के सातों सीटें जीतने के बाद 15 दिन के अंदर दिल्ली के सभी लोगों के पानी के बिल माफ कर दिए जाएंगे। संबोधन के बाद भारतीय जनता पार्टी का पुतला फूंकने के साथ आम आदमी पार्टी के नेताओं व मंत्रियों ने पानी के बिल को भी जलाया और भाजपा के विरोध में जमकर नारेबाजी की। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं पानी का बिल भी ठीक करवा कर रहूंगा। चिंता मत करना। आपका बेटा जिंदा है। आप लोग हमें बेटा तो कहते हो, भाई तो कहते हो, परिवार का हिस्सा तो मानते हो लेकिन लोकसभा में जाकर वोट भाजपा को दे आते हो। भाजपा के सांसद कभी दिल्लीवालों की आवाज नहीं उठाते इस बार यदि सातों सांसद इंडिया गठबंधन के जीते तो दिल्ली के चारों तरफ एक सुरक्षा कवच बन जाएगा। फिर किसी उपराज्यपाल की हिम्मत नहीं होगी हमें रोकने की। संसद के अंदर हमारी तूती बोलेगी.. संसद के अंदर दिल्ली की आवाज उठेगी। आप लोगों ने भाजपा के जिन सात सांसदों को चुना है वे कभी दिल्ली के लोगों की आवाज नहीं उठाते हैं। 21 लाख रुपये तक का आया है पानी का बिल सीएम केजरीवाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में 11 लाख लोगों के अनाप-शनाप पानी के बिल आए हुए हैं। लोगों के 21 लाख रुपए तक के बिल आए हुए हैं। सारे बिल गलत हैं। यह सिलसिला कोरोना काल से शुरू हुआ, जब बिना मीटर रीडिंग के ही बंद पड़े मकान का भी साढ़े तीन लाख रुपये तक पानी का बिल बना दिया गया। अगर दिल्ली में बीजेपी की सरकार होती तो सभी लोगों के पानी के कनेक्शन काट दिए जाते। लेकिन जब तक आपका बेटा अरविंद केजरीवाल है, तब तक मजाल नहीं है कि किसी का कनेक्शन कट जाए। जिन लोगों को लगता है कि उनका पानी का बिल गलत है वे पानी का बिल न जमा करें। बीजेपी वालों को हम गुंडागर्दी नहीं करने देंगे। हम एक जिम्मेदार सरकार हैं। यदि 11 लाख लोगों के बिल ठीक किए जाएंगे तो 80 साल लग जाएंगे। सही दो बिल के औसत के आधार पर पानी का बिल बनाया जाएगा ऐसे में हमने स्कीम बनाई थी कि पिछले सालों में कोई भी सही दो बिल के आधार पर औसत निकालकर उसके आधार पर पानी का बिल बनाया जाएगा। दिल्ली जल बोर्ड ने यह स्कीम पास कर दी। बीजेपी वालों ने यह स्कीम रुकवा दी। अफसर को धमकी दी गई। अफसर रो रहे हैं कि यह स्कीम कैबिनेट में लेकर आए तो उनका तबादला कर दिया जाएगा। उन्हें सस्पेंड कर दिया जाएगा। मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन की तरह झूठे केस में ईडी या सीबीआई से जेल में डलवा दिया जाएगा। हम कोई भी अच्छा काम करना चाहते हैं तो बीजेपी अफसर को धमका कर रुकवा देती है। दिल्ली वालों से नफरत करते हैं बीजेपी वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी वाले दिल्ली वालों से नफरत करते हैं। दिल्ली वालों ने तीन बार आम आदमी पार्टी की सरकार बनाई। इसलिए बीजेपी वाले दिल्ली वालों से नफरत करते हैं। वे बदला निकाल रहे हैं कि आम आदमी को कैसे मुख्यमंत्री बना दिया। मैं दीवार बन कर खड़ा हो जाऊंगा आप लोगों पर अत्याचार नहीं होने दूंगा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं आप लोगों से प्यार करता हूं। मैं आप लोगों के लिए कुछ भी कर सकता हूं। मैं आप लोगों का भाई और बेटा हूं। मैं कट जाऊंगा, मर जाऊंगा लेकिन आप लोगों को दुखी नहीं देख सकता। मैं दिल्ली की झुग्गियों में एक एनजीओ के लिए काम किया करता था लेकिन आप लोगों ने मुझे मुख्यमंत्री बना दिया। इतनी बड़ी जिम्मेदारी दे दी। मैं सात जन्म में भी आप लोगों का एहसान नहीं चुका सकता। बीजेपी वाले जितना अत्याचार करेंगे मैं दीवार बनकर आप लोगों के सामने खड़ा हो जाऊंगा। आप लोगों पर अत्याचार नहीं होने दूंगा। केजरीवाल ने भाजपा और उपराज्यपाल पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने गंदी राजनीति करते हुए मोहल्ला क्लीनिक पर बुलडोजर चलवा दिया। पिछले साल मोहल्ला क्लीनिक में दवाई की आपूर्ति रोक दी, लेकिन मैं लड़ा और मोहल्ला क्लीनिक आज चल रहे हैं। हमने सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रयास किया, इन लोगों ने फाइल रोक दी। हमने 10 दिन तक उपराज्यपाल के घर धरना दिया इसके बाद फाइल पास हुई। यदि केंद्र में हमारी सरकार होती और तो जो काम 2 साल में हो रहा है वह 10 दिन में होता। आज पूरी दुनिया के शहरों में सबसे ज्यादा सीसीटीवी कैमरे दिल्ली में लगे हैं। इन्होंने स्कूल बनाने से रोका लेकिन हमने अच्छे स्कूल बनाए। आज प्राइवेट स्कूल से नाम कटवा कर बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ने के लिए आ रहे हैं।

चोरी किए गए 10 दोपहिया वाहन के साथ एक नाबालिग समेत दो आरोपियों को पकड़ा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सराय रोहिल्ला थाना पुलिस टीम ने अलग अलग इलाकों से चोरी किए गए 10 दोपहिया वाहन के साथ एक नाबालिग समेत दो आरोपियों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों में राजन है, इस पर पहले से दिल्ली के सराय रोहिल्ला, गुलाबी बाग, रूप नगर, केशवपुरम और भारत नगर पुलिस स्टेशनों में हत्या, लूट, स्नैचिंग, चोरी और वाहन चोरी के 15 मामले दर्ज हैं। यह इसी साल जेल से बाहर आया है। जब कि दूसरा आरोपी 16 साल का है। इसके कब्जे से चोरी की 2 बाइक और 8 स्कूटी बरामद हुई हैं।उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी मनोज कुमार मीना ने बताया कि ऋषभ वर्मा नाम के युवक ने स्कूटी चोरी होने की ई एफआईआर दर्ज कराई थी। मामले में एसीपी प्रशांत चौधरी थाना अध्यक्ष विकास राणा की देखरेख में, एसआई परवीन एएसआई पुष्कर, हवलदार अमित, संदीप, रामबाबू, संजीव, कॉन्स्टेबल राहुल और दीपक की टीम ने दिल्ली में अलग अलग स्थानों पर ऑपरेशन चलाया। घटनास्थल की ओर जाने वाले सीसीटीवी कैमरों को स्कैन किया गया। पता चला कि दो आरोपी वारदात में हैं। दोनों आरोपियों की फोटो निकाली गईं। पता चला कि इनमें एक नाबालिग है।जांच में पुलिस को पता चला कि वारदात में शामिल दूसरा आरोपी करण उर्फ लांबा की रेल से एक्सीडेंट में मौत हो चुकी है। इस बीच 22 फरवरी को टीम ने शास्त्री नगर रेड लाइट से एक नाबालिग को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि अपने साथी करण उर्फ लांबा के साथ मिलकर रात के समय उसने चोरी की स्कूटी को नागिया पार्क निवासी राजन को सौंप दी थी। जो आमतौर पर चोरी के गाडियों की खरीद फरोख्त करता है। इसकी निशानदेही पर पुलिस ने राजन को पकड़ लिया।

एलजी ने सीएम केजरीवाल से दिल्ली में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना लागू करने को कहा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से दिल्ली में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना लागू करने को कहा। उन्होंने कहा कि इसके क्रियान्वयन न होने से गरीब मरीजों को परेशानी हो रही है। इसके कार्यान्वयन न होने के कारण विशेष रूप से लाखों प्रवासी योजना के तहत लाभ से वंचित हैं। राजनिवास ने कहा है कि एलजी ने 2018 में ऐसा करने के लिए सहमत होने और अपने बजट 2020 में इसके कार्यान्वयन की घोषणा करने के बावजूद फाइल को मंजूरी देने में जीएनसीटीडी की अकर्मण्यता को चिह्नित किया है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 26 फरवरी, 2024

पीएम 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की योजनाओं का बिहार को देंगे तोहफा : सम्राट

भाजपा कार्यालय में उप मुख्यमंत्री ने अन्य नेताओं के साथ सुना प्रधानमंत्री के मन की बात

पटना। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसंवाद कार्यक्रम मन की बात को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत तमाम नेता और कार्यकर्ताओं ने बैठकर सुना। 110 वें मन की बात कार्यक्रम को तमाम भाजपा के कार्यकर्ताओं ने बड़ी शिद्दत के साथ सुना। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि 110 वे संस्करण में प्रधानमंत्री जी ने मन की बात में ड्रोन दीदी के जरिए किसानों की मदद की चर्चा की तो नए वोटरों का उत्साह भी बढ़ाया। पीएम ने विकास की चर्चा की तो नए मतदाताओं से देश के विकास के लिए मतदान करने का आग्रह भी किया। श्री चौधरी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री बिहार के लिए स्वास्थ्य विभाग की करोड़ों रुपए की लागत की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं। सोमवार को रेलवे के द्वारा बिहार में 70 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन वर्चुअली करेंगे। श्री चौधरी ने विरोधियों पर तंज कसते हुए कहा कि वे लोग पूछते है कि भाजपा सरकार ने क्या किया तो उन्होंने कहा कि वे जान लें अगले 10 दिनों में प्रधानमंत्री बिहार में करीब दो लाख करोड़ रुपए की योजनाओ का वर्चुअली या बिहार आकर उद्घाटन या शिलान्यास करेंगे। पत्रकारों के एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दो मार्च को बिहार के औरंगाबाद और बेगूसराय आ रहे हैं और उस दौरान कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी कार्यक्रम है और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का भी दौरा है। इसके बाद लोकसभा चुनाव की घोषणा के पूर्व संभवतः प्रधानमंत्री जी का एक बार और बिहार आने का कार्यक्रम होगा जिसमे योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होगा। मन की बात कार्यक्रम को सुनने वालों में प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी के अलावा, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, नीतीश मिश्रा, ऋतुराज सिन्हा, संगठन महामंत्री भिखूभाई दलसनिया, सिद्धार्थ शंभू, संजय खंडेलिया, जगन्नाथ ठाकुर, ललन मंडल, राकेश कुमार सिंह, अरविंद सिंह, सुरेश रूंगटा, योगेंद्र पासवान, पियूष शर्मा , प्रवीण राय सहित बड़ी संख्या नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे।

किसान कॉल सेन्टर की शुरूआत की जायेगी : विजय

उप मुख्यमंत्री ने की कृषि विभाग की समीक्षा, ड्रोन का जीवंत प्रत्यक्षण देखा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

- कृषि मंत्री बोलें-किसान से बड़ा शोधकता कोई भी नहीं है

उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने रविवार को कृषि भवन मीठापुर में कृषि विभाग की योजनाओं तथा सभी संभाग के पदाधिकारियों से योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। साथ ही, उनके द्वारा औषधीय गुणों से भरपुर मौलश्री के पौधे का रोपण कृषि भवन परिसर में किया गया। सचिव, कृषि विभाग संजय कुमार अग्रवाल ने मंत्री को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। सर्वप्रथम कृषि मंत्री ने आधुनिक तकनीक विशेषकर कृषि में ड्रोन के उपयोग का जीवन्त प्रत्यक्षण देखा। ड्रोन के माध्यम से किसानों के खेतों की चैहद्दी में किये जा रहे छिड़काव में उपयोग होने वाले कीटनाशी की मात्रा का पौधों में प्रभाव की विशेषता की जानकारी ली। विभाग की योजना में ड्रोन के उपयोग किसानों के खेतों की आंक्षाश एवं देशान्तर की जानकारी के साथ ही, पारदर्शिता से उपयोग की जानकारी ली। मंत्री ने कहा कि राज्य के दो तिहाई नौजवानों को कृषि के तरफ आकर्षित किया जा सकता है। नवयुवकों को कृषि के तरफ आकर्षित करने के लिए लागत से ज्यादा आमद के बारे में विस्तार से उन्हें बताना पड़ेगा। चैथे कृषि रोड मैप को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने की एक बड़ी चुनौती है। हमारे राज्य में उर्वर मिट्टी, सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी तथा मेहनतकश किसान हमारी शक्ति है। किसान से बड़ा शोधकता कोई भी नहीं है। हमें आईटी/सोशल मीडिया के माध्यम से कृषि के नई तकनीकों तथा कृषि एक लाभकारी व्यवसाय है, यह नवयुवकों को बताना होगा। उन्होंने कहा कि विभागीय प्रशिक्षण में युवा किसानों को प्राथमिकता दी जाये। साथ ही, विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार पाने वाले किसानों की सफलता की कहानी का सरल भाषा में प्रकाशित कर दुसरे किसानों को प्रेरित किया जाये। मंत्री ने पदाधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि असंभव कुछ भी नहीं है। सामुहिक मेहनत तथा विश्वास से हमें किसानों के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि किसानों की किसी भी तरह की समस्या का निदान के लिए कृषि भवन, मीठापुर में किसान कॉल सेन्टर की स्थापना की जायेगी, ताकि किसानों की समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके। सचिव कृषि विभाग संजय कुमार अग्रवाल द्वारा मंत्री को विभाग की गतिविधियों तथा संगठनात्मक स्वरूप के बारे में बताया गया। साथ ही, विभिन्न संभागों में किसानों को ऑन लाईन करने की सुविधा से संबंधित विभिन्न ऐप तथा पोर्टल यथा-डीबीटी, बिहार राज्य बीज निगम, उद्यान, बिहान ऐप, बिहार कृषि ऐप तथा पंचायत स्तर के पदाधिकारियों की उपस्थिति रियल टाईम में दर्ज करने वाले बिकास ऐप के बारे में जानकारी दी। जलछाजन विकास के विभिन्न अवयवों का ऑन-लाईन प्रत्यक्षण प्रस्तुत किया गया। उद्यान निदेशालय की विभिन्न योजनाओं की अनुश्रवण सीधा किसानों के खेतों से जीवन्त प्रत्यक्षण ऑन-लाईन के माध्यम से अररिया में मशरूम, गड़हनी, भोजपुर में पॉलीहाउस में जरबेरा फूल उत्पादन, लखीसराय में मधुमक्खीपालन से 12 किसानों का समूह शहद उत्पादन तथा मुंगेर में पपीता की खेती को दिखाया गया। इस अवसर पर कृषि निदेशक डॉ आलोक रंजन घोष, निदेशक उद्यान अभिषेक कुमार, सहित मुख्यालय के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

जदयू के बदौलत राजद का राजनीतिक पुनर्जन्म हुआ : उमेश

- बोलें-2025 के अंत तक राजद पार्टी बिहार से पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा जदयू को तीसरे नंबर की पार्टी कहे जाने पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने पलटवार किया है। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि 2010 विधानसभा चुनाव में राजद का राजनीतिक खात्मा हो चुका था। एनडीए गठबंधन के खिलाफ बिहार की 168 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़कर राजद महज 22 सीटों पर सिमट गई थी। उन्होंने कहा कि राजद अगर आज राजनीतिक रूप से अस्तित्व में है तो इसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एहसानमंद होना चाहिये। इसमें कहीं कोई दो राय नहीं है कि 2015 में जदयू के बदौलत ही राजद का राजनीतिक पुनर्जन्म हुआ था और एक अनुभवहीन युवा को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने सानिध्या राजनीति का ककहरा सिखाया। आज तेजस्वी यादव की राजनीतिक पहचान नीतीश कुमार की देन है। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि राजद के लोग भी अंदरूनी तौर पर इस बात को स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं करते हैं कि अगर श्री नीतीश कुमार की कृपादृष्टि न होती तो आज राजद बिहार की राजनीति का एक बीता हुआ इतिहास बन चुका होता। लिहाजा राजद नेताओं को हमारे दल के विषय में अनर्गल प्रलाप करने से पूर्व अपनी स्थिति का भी आंकलन अवश्य कर लेना चाहिए। उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा कि तेजस्वी यादव यह भी बताएं कि लोकसभा में शून्य सीट के साथ राजद कितने नंबर की पार्टी है? यह अजीब विडम्बना है कि शून्य पर सिमटने वाले लोग भी जदयू के नंबर पर तंज कर रहे है। राजद का अब कोई भविष्य नहीं है, 2025 के अंत तक राजद पार्टी बिहार से पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। प्रदेश की जनता अब परिवारवाद को सहन करने के मूड में नहीं है।

ग्राम परिक्रमा रथ को झंडी दिखाकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया रवाना

- लाभकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करेगा ग्राम परिक्रमा रथ : सम्राट

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा किसान मोर्चा के ग्राम परिक्रमा रथ को भाजपा प्रदेश कार्यालय से रवाना किया गया। यह रथ केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा किसानो के लिए चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं का प्रचार और प्रसार करेगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा एवं किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने ग्राम परिक्रमा रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने किसानों की उन्नति और प्रगति के लिए कई योजनाएं चला रही हैं। उन्होंने कहा कि यह रथ पूरे प्रदेश में घूम घूमकर केंद्र सरकार व राज्य सरकार की किसान के हेतु चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं का प्रचार और प्रसार करेगा। उन्होंने कहा कि इस रथ के जरिए किसान उन योजनाओं को भी जान सकेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार हो या राज्य की सरकार हो किसान उनकी प्राथमिकता हैं। श्री चौधरी ने कहा कि कृषि में तकनीक का उपयोग कर किसान अपनी उत्पादकता बढ़ा सकते हैं, लेकिन कई किसान ऐसे है जिन्हें इन नई तकनीको की जानकारी नहीं है। इसके लिए सरकार किसानों को मदद भी कर रही है।

हर जाति, धर्म व समुदाय के लोगों का मिल रहा समर्थन : तेजस्वी

- बोलें-दूसरे चरण की यात्रा में कोई जनसभा नहीं होगी

पटना। बिहार विधानसभा मं नेता प्रतिक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव की जन विश्वास यात्रा का दूसरा चरण रविवार से शुरू हो गया है। समापन 28 फरवरी को होगा। यात्रा पर रवाना होने से पहले तेजस्वी ने जोरदार हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पिछले 5 दिनों में हमने 1500 किलोमीटर की यात्रा पुरी की है। हर जाति, वर्ग, धर्म, समुदाय के लोगों का समर्थन अब तक मिलता रहा है। आज से दूसरे चरण की यात्रा शुरू होगी। तेजस्वी ने कहा कि दूसरे चरण की यात्रा में कहीं भी कोई जनसभा नहीं होगी बल्कि सिर्फ नुक्कड़ शो और रोड शो किया जाएगा। इसकी वजह पटना में होने वाली आगामी 3 मार्च की रैली है, हम चाहते हैं कि इसमें अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें और उससे पहले पूरे बिहार का भ्रमण कर लें। इसलिए इसमें थोड़ा बदलाव किया गया है। वहीं, दूसरे चरण के जन विश्वास यात्रा पर निकलने से पहले पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री बिल्कुल थक चुके हैं। पहले उन्होंने भाजपा को छोड़ा फिर हमारे पास आए फिर हमको छोड़ भाजपा के पास गए फिर हमारे पास आए और हमको छोड़कर फिर भाजपा के पास चले गए तो इनका तो यही काम रह गया है। इसके आगे तेजस्वी ने कहा कि मांझी जो बातें कह रहे हैं वो ठीक कहा है कि- अगर उनके चार विधायक नहीं होते तो सरकार चली जाती। उन्होंने कहा तेजस्वी ने कहा कि मांझी जी कल कह रहे थे की नीतीश कुमार की पार्टी में तीन कैकेयी है। लेकिन, हम कहते हैं कि न सिर्फ तीन कैकेयी बल्कि एक मंथरा भी उनकी पार्टी में हैं और समय आने पर इसका भी हम लोग खुलासा करेंगे। उधर, तेजस्वी यादव ने कैबिनेट विस्तार को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि - आखिर एक महीने होने के बाद भी अब तक कैबिनेट का विस्तार कहीं क्यों नहीं हो पा रहा है। यह तो उनको बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के विकास में सीधा असर पड़ रहा है और इससे बहुत कुछ रूका हुआ है।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री किसानों के लिए ला रहें कई योजनाएं : डिप्टी सीएम

बोलें-किसानों का अधिक से अधिक धान खरीदा जाएगा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार स्टेट रॉयल मिल एसोसिएशन की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राइस मिल एक्सपो का हुआ समापन हुआ। मौके पर प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत किसानों का देश है। यहां की 80 फीसदी आबादी कृषि पर आधारित है इसलिए प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री किसानों के लिए कई योजनाएं ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राइस मिल से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। रोजगार प्रेरक मिलरों के लिए सरकार चिंतित है और उसपर सम्मन पूर्वक विचार करेगी। उन्होंने कहा कि बिहार बदल रहा है और यहां पीएम की सोच के साथ तेजी से बदलाव होगा। अन्नदाता वह अन्य का सम्मान में राइस मिल की बड़ी भूमिका है जिन्होंने किसानों को मिल तक पहुंचाने का काम किया। सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार में उपभोक्ता को देखते हुए पूछना चावल मिल को प्रोत्साहित किया जाएगा और अधिक से अधिक आधुनिक तकनीक से जुड़ी मशीन लगाई जाएगी किसानों का अधिक से अधिक धन अधिक प्रति कर उन्हें समर्थन मूल्य दिलाया जाएगा। मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बिहार स्टेट राइस मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सह भाजपा व्यवसाय प्रकोष्ठ के संयोजक राजीव रंजन कुमार उर्फ राजू गुप्ता ने कहा कि किस को समर्थन मूल्य प्राप्त हो और गुणवत्ता पूर्ण चावल का वितरण हो इसके लिए यहां विदेश से कंपनियां आई हुई है। कहां बिहार में एक करोड़ 30 लाख एम्टी धान का उत्पादन हो रहा है और सरकार महज 30 मत ही खरीद पा रही है और उसमें से खरीदे हुए धन से महज 20 मत चावल ही बन पाता है जबकि बिहार में पीडीएस के माध्यम से 50 लाख एमटी धान की खपत है इसलिए सरकार को ज्यादा से ज्यादा समर्थन मूल्य पर धान खरीद करना चाहिए ताकि बिहार से धन दूसरे प्रदेश में ना जा सके।

मोदी सरकार में खेत मजदूरों पर हो रहे हैं लगातार हमले : भाकपा

- तीन मार्च की जन विश्वास रैली की तैयारी में जुट जाये कार्यकर्ता

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार राज्य खेत मजदूर यूनियन की बिहार राज्य परिषद की बैठक रविवार को जनशक्ति भवन में हुई। बैठक में महागठबंधन के द्वारा तीन मार्च को गांधी मैदान, पटना में आयोजित जन विश्वास रैली को समर्थन देने और खेत मजदूरों के सवालों को लेकर संघर्ष तेज करने का निर्णय लिया गया। रैली में पूरे बिहार से एक लाख से अधिक खेत मजूदर यूनियन के कार्यकर्ता भाग लेंगे। बैठक में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने बीकेएमयू की राष्ट्रीय परिषद की बैठक रिपोटिंग की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में लगातार खेत मजदूरों पर हमले हो रहे हैं। पिछले चार वर्षो से गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। मनरेगा के बजट में लगातार कटौती की जा रही है पिछले दस वर्षों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि नहीं गई है। मोदी सरकार में दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यक, महिलाओं और खेत मजदूरों पर हमले बढ़े हैं। आगामी लोकसभा चुनाव में केंद्र की सत्ता से हटाना है। इसकी तैयारी में कार्यकर्ता जुट जाएं। उन्होंने कहा कि तीन मार्च 2024 को गांधी मैदान में दस लाख से ज्यादा की रैली होगी। रैली की तैयारी में एक एक कार्यकर्ता जुट जाएं। रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए हर कार्यकर्ता को लगना होगा। दो मार्च तक कार्यकर्ताओं को पटना पहुँच जाना है। उन्होंने कहा कि हमारी पहली प्रथमिकता केंद्र की सत्ता से भाजपा को हटाना है। बैठक को रमाकांत अकेला, रामपुकार मुखिया, लालती देवी सहित दर्जनों नेताओं ने संबोधित किया।

भ्रष्टाचार और अपराध राजद के रग-रग में बसा है : राजीव

पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने आज कहा कि राजद के युवराज हर दिन नीतीश सरकार के कामों को अपना बता रहे हैं। लेकिन बिना काम धंधे के कच्ची उम्र में वह करोड़पति कैसे बन गये, इस पर उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकलता। उनसे अनुरोध है कि वह जिस नुस्खे से स्कूली जीवन में ही अकूत संपत्ति के मालिक बन गये, उसे वह बिहार के युवाओं को भी बता दें। उन्हें बताना चाहिय कि आखिर वह कौन सी जादू की छड़ी घुमाते थे कि लोग अपने पुरखों की जमीन उनके नाम कर जाते थे। उन्हें वह कला भी बतानी चाहिए जिससे दिल्ली में करोड़ों का फ़्लैट उन्हें कौड़ियों के भाव मिल जाता है। अगर तेजस्वी जी बिहार के युवाओं का दिल से भला करना चाहते हैं तो उन्हें प्रेस कांफ्रेंस कर के अपनी इस कला का खुलासा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी चाह कर भी इस मामले पर कुछ नहीं बोल सकते, लेकिन जनता उनकी हकीकत जानती है। जनता को पता है कि उन्होंने कैसे बिहार की जनता की खून-पसीने की कमाई को लूटकर अपने महल बनवाए हैं। कैसे चंद रुपयों की सरकारी नौकरियों का झांसा देकर जबरन लोगों से उनकी जमीनें हड़पी गयी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निश्चयों के तहत की गयी शिक्षकों की नियुक्ति के मामले में भी वह यही सब दोहराना चाहते थे। लेकिन नीतीश सरकार ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। राजद नेताओं का अरबों की संपत्ति हथियाने का सपना धरा का धरा रह गया। जदयू प्रवक्ता ने कहा कि भ्रष्टाचार और अपराध राजद के रग-रग में बसा है।

कांग्रेस पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा विभाग की प्रदेश कार्यकारणी की बैठक

- जन विकास रैली सहित अन्य बिंदुओं पर हुई चर्चा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

कांग्रेस पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग चंदन ने सदाकत आश्रम पटना में प्रदेश के सभी पदाधिकारी एवं जिलाध्यक्षों के साथ बैठक किया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रभारी अरुण यादव शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी डॉ गौतम कुमार ने किया। प्रभारी श्री यादव ने लोकसभा एवं विधानसभा के चुनावो पर चर्चा किया। प्रदेश अध्यक्ष श्री अनुराग ने कांग्रेस के संगठन के मजबूती पर चर्चा किया। वही डॉ गौतम कुमार ने 3 मार्च को गांधी मैदान में होने वाले महागठबंधन में शामिल होकर सफल बनाने के लिए दिशा निर्देश दिया। पटना महानगर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष शशि रंजन ने मांग किया कि बिहार विधान परिषद के होने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी से किसी पिछड़ा एवं अति पिछड़ा को उम्मीदवार बनाया जाय। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष रवि गोल्डन , पटना महानगर अध्यक्ष शशि यादव, राजीव मेहता, डॉ मनोज कुमार राजेश रंजन, मुद्रिका यादव, आलोक रंजन, शंभू यादव, भास्कर यादव,नदीम अंसारी, संतोष सौरव, राजनन्दन कुमार, रामप्रीत रॉय, प्रतिमा देवी, भानु यादव, मुकेश कुमार, संजय कुमार, डॉ पंकज कुमार, संजय कुमार, प्रभा सिंह यादव, आदि लोग उपस्थित हुए।

मेगा हेल्थ कैम्प में 400 से अधिक की निशुल्क जांच

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी राजेंद्र नगर रोड नंबर 7 के द्वारा एक निशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन सोसाइटी के अस्पताल प्रांगण में प्रातः 10 बजे से किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष रमेश गुप्ता ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की निःशुल्क जांच कराना तथा दवा उपलब्ध कराना था। जांच शिविर में 16 विशेषज्ञ चिकित्सको मरीजों की जांच की। शिविर में 175 से अधिक मरीज ने अपनी आंखों की जाँच कराई। इनमे 25 मरीजों में मोतियाबिंद काफी अधिक बढ़ा हुआ मिला। 30 मरीजों को पढ़ने का चश्मा दिया गया। पेट रोग विशेषज्ञ डॉ अमित बंका ने करीब 75 से अधिक मरीजों की जांच की। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ विकास सिंह ने 40 से अधिक मरीजों की जांच की। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ श्रवण कुमार ने 45 बच्चों की जांच की। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ हर्षिता एवं डॉ कोमल ने 55 से अधिक के दांतों की जांच की। इसके साथ हीं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अभिनव, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ चारु मोदी एवं उषा अग्रवाल, मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ अंगद कुमार, एलर्जी रोग विशेषज्ञ डॉ गौतम मोदी, जेनेरल फिजिशियन डॉ पूनम नंदन आदि ने मिलकर करीब 400 से अधिक मरीजों की जांच की। करीब सौ से अधिक मरीजो के खून की जांच की गई। सोसाइटी अध्यक्ष रमेश गुप्ता ने बताया कि सभी मरीजों को खाने का पैकेट भी दिया गया। एमपीजैन ने बताया कि शिविर को सफल बनाने में सोसायटी के सचिव पुषोत्तम अग्रवाल, संस्थापक अध्यक्ष महावीर अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष विजय किशोरपुरिया, उपाध्यक्ष राधेश्याम बंसल, गणेश खेतड़ीवाल, अरुण रुंगटा, सुबोध गोयल, प्रशांत बंका, सह सचिव दिनेश अग्रवाल, बिनोद अग्रवाल, गोपाल मोदी, हरि कृष्ण अग्रवाल, अनिल गुप्ता, गोपाल झुनझुनवाला, शंकर अग्रवाल, सहित दर्जनों सदस्य लगे हुए थे।

धूमधाम से मना मां ब्लड सेंटर का स्थापना दिवस

पटना। माँ ब्लड सेंटर के द्वितीय स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन दरियापुर पटना स्थित ब्लड सेंटर परिसर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजय कुमार अग्रवाल, भाप्रसे सचिव, कृषि एवं परिवहन विभाग, विशिष्ट अतिथि के रुप में कुमार रवि, भाप्रसे सचिव, भवन निर्माण विभाग ने भाग लिया कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकारिता विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, भाप्रसे तथा औषधि नियंत्रक उदय शंकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में निरंतर रक्तदान करने वाले रक्तवीरों, रक्त वीरांगनाओं तथा बड़ी संख्या में समाज सेवियों के साथ साथमाँ वैष्णो देवी सेवा समिति के पदाधिकारियों व कर्मियों तथा मीडिया के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विगत दो वर्षों में निरंतर रक्तदान करने वाले रक्तवीरों, रक्त वीरांगनाओं के साथ साथ ब्लड सेंटर के संचालन में अभिन्न योगदान करने वाली को सम्मानित किया गया। माँ वैष्णो देवी सेवा समिति परिवार द्वारा बताया कि इन दो वर्षों में ब्लड सेंटर द्वारा 7959 रक्तदाताओं के सहयोग से कुल 10,598 यूनिट रक्त प्राप्त किया गया तथा कुल 7,376 लाभार्थियों तक इस रक्त को पहुँचाया गया।

रोजगार की चुनौतियां वैकल्पिक शिक्षा और नए कौशल से हल होगी : आईजी

सशक्त एवं समृद्ध बिहार के निर्माण की प्रतिबद्धता के साथ जीटीआरआई 4.0 में विविध मुद्दों पर मंथन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

अगर भारत को एक विकसित राष्ट्र बनना है, तो बिहार को एक विकसित राज्य बनना होगा। एनईपी 2020 का एक मुख्य उद्देश्य न केवल नौकरी योग्य आबादी बल्कि नौकरी प्रदाताओं को भी तैयार करना है। वैकल्पिक शिक्षण मॉडल बढ़ती युवा आबादी की रोजगार आवश्यकताओं को पूरा करने की कुंजी है। इस संदर्भ में सीखने के पारंपरिक तरीकों के अलावा, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की शुरूआत और योग, कला व शिल्प जैसे कौशलों का प्रमाणीकरण शुरू किया जा सकता है। हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। चाहे उद्योगपति उद्योग स्थापित करने के इच्छुक हों, लेकिन उन्हें कुशल कर्मचारियों की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार, शिक्षण संस्थानों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों की आवश्यकता होती है। इसे देखते हुए, वैकल्पिक शिक्षा ही भविष्य का रास्ता है। उक्त बातें श्री विकास वैभव, आईजी, बिहार पुलिस ने पटना में 24 और 25 फरवरी को आयोजित जीटीआरआई शिखर सम्मेलन के दौरान कहीं। कहा कि जीटीआरआई एक ऐसा मंच है जो बिहार के साथ-साथ बिहारी मूल के सफल व प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा विकसित और समृद्ध बिहार के सपने को साकार करने की दिशा में मिलजुल कर काम करने के लिए स्थापित किया गया है। जीटीआरआई क्यूरेटर अदिति नंदन ने बताया कि वि दो दिनों के दौरान विविध विषयों पर हुई चचाओं से मिली व्यावहारिक सीख के आधार पर भविष्य की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। नीति आयोग के सलाहकार सुधेंदु ज्योति सिन्हा ने कहा कि भारत 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। बिहार और झारखंड स्टेट मैनेजर हरिओम मिश्रा ने ऊर्जा खपत के संदर्भ में व्यवहार परिवर्तन की आवश्यकता पर जोर डाला। इस अवसर पर विवेक सिंह, पूर्व ओएसडी, वित्त मंत्री, भारत सरकार ने कहा कि प्रधान मंत्री मुद्रा योजना समेत अन्य कार्यक्रमों ने हाशिए पर रहने वाले वर्गों के वित्तीय समावेशन को सुविधाजनक बनाया है। अल्पना सिंह, वरिष्ठ अध्यक्ष, बैंकएश्योरेंस ने कहा कि प्रौद्योगिकी संचालित समाधानों के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग बीमा के दायरे में आ रहे हैं। इस अवसर पर ट्रैवलिंग ब्लॉगर हरीश बाली, फूड ब्लॉगर अनुभव सपरा, स्टार्टअप लीडर अरुणाभ सिन्हा, पीयूष कुमार ने कहा कि प्रौद्योगिकी विकास और इंटरनेट की बढ़ती पैठ की वजह से छोटे-छोटे शहरों में रहने वाले लोग भी स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री 2 हजार से अधिक रेल अवसंरचना परियोजनाओं का आज करेंगे शिलान्यास व उद्घाटन

- रोड ओवर ब्रिज व अंडरपास के निर्माण का कार्य तेजी से किया जा रहा है : महाप्रबंधक

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लगभग 2 हजार रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री ने लगातार रेलवे स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया है। इस प्रयास के तहत एक बड़े कदम के रूप में प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 553 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास करेंगे। 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित इन स्टेशनों का 19,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकास किया जाएगा। ये स्टेशन शहर के दोनों किनारों को एक साथ मिलाते हुए शहर के केंद्र के रूप में कार्य करेंगे। इन स्टेशनों पर आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध होगी। इनमें छत प्लाजा, सुंदर भूदृश्य, इंटर मॉडल कनेक्टिविटी, बेहतर आधुनिक फसाड, बच्चों के खेलने का क्षेत्र, कियोस्क, फूड कोर्ट आदि शामिल हैं। साथ ही, इन्हें पर्यावरण और दिव्यांगों के अनुकूल पुनर्विकसित किया जाएगा। इन स्टेशन भवनों का डिजाइन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश में गोमती नगर स्टेशन का उद्घाटन करेंगे, जिसका लगभग 385 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया गया है। भविष्य में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान सुविधाओं को अलग कर दिया गया है। यह शहर के दोनों हिस्सों को जोड़ता है। इस केंद्रीय वातानुकूलित स्टेशन में आधुनिक यात्री सुविधाएं जैसे कि एयर कॉनकोर्स, कंजेशन फ्री सकुर्लेशन, फूड कोर्ट और ऊपरी व निचले बेसमेंट में पर्याप्त पार्किंग स्थान है।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री 1500 रोड ओवरब्रिज और अंडरपास का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित भी करेंगे। ये रोड ओवरब्रिज और अंडरपास 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित हैं। लगभग 21,520 करोड़ रुपये की लागत से इन परियोजनाओं का निर्माण किया गया है। इन परियोजनाओं से भीड़ कम होगी, सुरक्षा व कनेक्टिविटी बढ़ेगी औररेल यात्रा की क्षमता व दक्षता में सुधार होगा। इस संबंध में पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा यात्री सुविधा एवं रेल विकास से जुड़ी रेल परियोजनाओं के शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी । महाप्रबंधक ने कहा कि भारतीय रेल द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों पर विश्वस्तरीय यात्री सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु उनके पुनर्विकास का कार्य तथा समपारों पर संरक्षा के दृश्टिकोण से रोड ओवर ब्रिज व अंडरपास के निर्माण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उक्त जानकारी पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार द्वारा दी गई है।

लालू, राबड़ी और तेजस्वी ने शबे- बरात की दी मुबारकबाद

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव, सांसद डॉ मीसा भारती, प्रो मनोज कुमार झा, प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, नवनिर्वाचित सांसद संजय यादव , प्रदेश राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव एवं प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने शब ए बरात के मौके पर सूबा बिहार और मुल्क के लोगों के साथ-साथ मुस्लिम- भाई बहनों को खास तौर से मुबारकबाद दी है। नेताओं ने कहा कि शबे -बरात का त्यौहार काफी अहमियत और विशेष इबादत वाली रात है। इस मौके पर लोग पूरी रात जाग कर अल्लाह की रजा.के लिए इबादत करते हैं और अपने पूर्वजों और आबो -वाजदाद को याद करते हैं । शबे -बरात में की गई दुआओं को अल्लाह कबूल करते हैं। इस रात को हम मुल्क के खैर सागली मोहब्बत के जज्बे को बढ़ावा देने के साथ-साथ इंसान और इंसानियत की बका के लिए दुआ करें और एक दूसरे के गम और खुशी में बराबर के शरीक रहें ऐसी सोच को बढ़ावा के लिए सभी मिलकर काम करें।

सम्पादकीय

मोदी जी क्यों महान हैं?

अजय दीक्षितलोगों ने समाचारों में देखा और पढ़ा होगा की कतर में आधा दर्जन से अधिक पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारियों को पिछले दो-तीन साल से एकांतवास में मृत्यु दण्ड की सजा सुनाई गई थी। उन पर कतर के खिलाफ जासूसी का आरोप था। उन्हें एकांतवास में अलग-अलग रखा गया था। इसे सोलिटरी कन्फ़ाइनमेंट कहते हैं। आपको यदि आधा दिन भी बिल्कुल अंधेरे में बन्द कमरे में रखा जाये, न रोशनी, न भोजन, न टी.वी., न देख सुन सकते हो, तो कैसा लगेगा। इन्हें तो कई साल तक ऐसे ही रखा गया था। न तो भारत सरकार को, न ही भारतीय दूतावास को कोई खबर रही। न ही इन्हें इनके परिवार को इनके बारे में कुछ मालूम था। जब खबर लीक हुई तो भारत के विदेश मंत्रालय ने और कतर के भारतीय दूतावास ने कतर के अधिकारियों से सम्पर्क साधा। बाद में अपील करने पर इन्हें मौत की सजा से आजीवन कारावास में बदल दिया गया। इन्हें काउंसलर ऐसस भी दिया गया। फिर इन्हें सोलिटरी कन्फ़ाइनमेंट से साधारण जेल में रखा गया और परिवार वालों को भी इनसे सम्पर्क की इजाजत दे दी गई। माननीय प्रधानमंत्री 14.02.2024 को कतर और यू.ए.ई. के दौरे पर हैं। यू.ए.ई. में उन्होंने एक मन्दिर का उद्घाटन भी किया। 13 फरवरी की अल सुबह इनके पूर्व नौ सेना अधिकारियों में से छः चुपचाप भारत लौट आये। इनके परिवार वालों को भी कोई सूचना नहीं थी। एक नौ सैनिक अभी कतार में ही है। पर वह भी आजाद है। आप क्या सोचते हैं? ये कैसे आजाद हुए? यह सब असल में मोदी जी के कतर के शेख से सीधे बातचीत से संभव हुआ है। कितने प्रधानमंत्री होंगे जो अपने किसी साधारण नागरिक के लिए ऐसा प्रयास करेंगे? एक नौ सैनिक की पत्नी तो अभी कतर में ही है। भारत लौट कर आने के बाद इस नौ सैनिक अधिकारी ने अपनी पत्नी को फोन कर भारत वापस आने के लिए कहा। पूरे देश को इस प्रयास के लिए मोदी जी का आभारी होना चाहिए चाहे पक्ष हो या विपक्ष। जब सुषमा स्वराज विदेश मंत्री थी तब वास्तव में विदेश से सम्पर्क का काम तो स्वयं प्रधानमंत्री मोदी जी करते थे, परन्तु सुषमा स्वराज भी इसी प्रकार संकट में फंसे भारती की सदा मदद करती थी जो विदेशों में फंस गये हैं। शुद्ध राजनीति में पक्ष और विपक्ष को एक दूसरे के अच्छे कामों की जी खोलकर तारीफ करनी चाहिए। पंजाब में वहां के मुख्यमंत्री ने सड़क पर गश्त करने के लिए विशेष पुलिस बल बनाया है। यह पुलिस वाले सड़कों पर कार में घूमते रहते हैं ताकि एक्सीडेंट या गाड़ी खराब होने पर तत्काल सहायता मिल जाये। पंजाब ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है। इसी प्रकार दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक भी अच्छी फेल है। असल में घर में बाई का काम करने वाली, या गरीब या वृद्ध या सड़कों पर ठेला लगाने वाले यदि सरकारी अस्पताल जाएंगे तो पूरा दिन बर्बाद होगा। तो उनकी नौकरी या रोजगार पर प्रभाव पड़ेगा। मोहल्ला क्लीनिक में घर के पास ही तुरन्त जांच डॉक्टरी सलाह मिलने से इस प्रकार के लोगों को बहुत फायदा होगा। यह अच्छा काम है। सभी को इसकी तारीफ करनी चाहिए। दिल्ली में रूफटॉप सूर्य किरण की गर्मी से बिजली पैदा करना भी अच्छी पहल है। अब उत्तर प्रदेश में योगी जी को भी ऐसी ही घोषणा करनी चाहिए। अब कई और राज्य भी बिजली मुख्य देने की घोषणा कर रहे हैं। अच्छा काम, अनुकरणीय काम, चाहे पक्ष का हो या विपक्ष का, सभी को उसकी तारीफ करनी चाहिए।

भारत में बढ़ते भ्रष्टाचार के मध्य निशाने पर व्हिसिल ब्लोअर्स

भ्रष्टाचार में संलिप्त लोग सत्ता के संरक्षण में स्वयं को सुरक्षित कर रहे हैं। देश के लाखों करोड़ रुपए लेकर तमाम ठग व भगौड़े विदेशों में पनाह ले चुके हैं। बड़े व्यवसाय व ठेकों पर उद्योगपतियों के नेटवर्क का लगभग पूर्ण नियंत्रण हो चुका है। यहाँ तक कि बड़े उद्योगपतियों द्वारा छोटे व्यवसायियों को निगलने का खेल भी खेला जा रहा है। एक तरफ जहाँ भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने और उन्हें गले लगाने के कई उदाहरण सामने हैं वहीं दुर्भाग्यवश ऐसे भ्रष्टाचारियों की पोल खोलने व उन्हें बेनकाब करने वाले व्हिसिल ब्लोअर्स की सुरक्षा भी एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। हमारे देश में व्हिसिल ब्लोअर्स की हत्या से लेकर उनपर हमलों व मुकदमों जैसी अनेक घटनाएं हो चुकी हैं। अनेक आर टी आई कार्यकर्ताओं की हत्या व उन पर हमले हो चुके हैं। जबकि हमारे देश में व्हिसल ब्लोअर को व्हिसलब्लोअर्स संरक्षण अधिनियम, 2014 द्वारा संरक्षित भी किया जाता है। कानून में उनकी पहचान की सुरक्षा के साथ-साथ उनके उत्पीड़न को रोकने के लिये कठोर मानदंडों को भी शामिल किया गया है। परन्तु पिछले दिनों जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मालिक मालिक जैसे वरिष्ठ नेता के करीब 30 ठिकानों पर सी बी आई द्वारा की गयी छापेमारी के बाद एक बार यह सवाल फिर उठने लगा है कि सरकार आखिर किसके साथ है?

तनवीर जाफरी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

हमारे देश में भ्रष्टाचार मिटाने, भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने जैसे दावे तो लगभग सभी सरकारों द्वारा बड़े ही जोर शोर से किये जाते रहे हैं। परन्तु हकीकत शायद इससे कुछ अलग ही है। दिन प्रतिदिन भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर फलफूल रहा है। भ्रष्टाचार में संलिप्त लोग सत्ता के संरक्षण में स्वयं को सुरक्षित कर रहे हैं। देश के लाखों करोड़ रुपए लेकर तमाम ठग व भगौड़े विदेशों में पनाह ले चुके हैं। बड़े व्यवसाय व ठेकों पर उद्योगपतियों के नेटवर्क का लगभग पूर्ण नियंत्रण हो चुका है। यहाँ तक कि बड़े उद्योगपतियों द्वारा छोटे व्यवसायियों को निगलने का खेल भी खेला जा रहा है। एक तरफ जहाँ भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने और उन्हें गले लगाने के कई उदाहरण सामने हैं वहीं दुर्भाग्यवश ऐसे भ्रष्टाचारियों की पोल खोलने व उन्हें बेनकाब करने वाले ह्यव्हिसिल ब्लोअर्सह्ल की सुरक्षा भी एक बड़ी चिंता का विषय बानी हुई है। हमारे देश में ह्यव्हिसिल ब्लोअर्सह्ल की हत्या से लेकर उनपर हमलों व मुकदमों जैसी अनेक घटनाएं हो चुकी हैं। अनेक आर टी आई कार्यकर्ताओं की हत्या व उन पर हमले हो चुके हैं। जबकि हमारे देश में व्हिसल ब्लोअर को व्हिसलब्लोअर्स संरक्षण अधिनियम, 2014 द्वारा संरक्षित भी किया जाता है। कानून में उनकी पहचान की सुरक्षा के साथ-साथ उनके उत्पीड़न को रोकने के लिये कठोर मानदंडों को भी शामिल किया गया है। परन्तु पिछले दिनों जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मालिक मालिक जैसे वरिष्ठ नेता के करीब 30 ठिकानों पर सी बी आई द्वारा की गयी छापेमारी के बाद एक बार यह सवाल फिर उठने लगा है कि सरकार आखिर किसके साथ है? भ्रष्टाचारियों या रिश्वतखोरों के साथ या ह्यव्हिसलब्लोअर्सह्ल के साथ? सत्यपाल मलिक ने कहा कि उनके घर पर सीबीआई ने जो छापा मारा है वो नहीं होना चाहिए था क्योंकि जिस किरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के सिलसिले में उनके घर पर छापा डाला गया है उसमें वो असल में ह्लव्हिसल ब्लोअर और शिकायतकर्ताह्व थे। इस छापेमारी के बाद उन्होंने फिर दोहराया कि ये वही किरु मामला है जिसमें मैंने कहा था कि मुझे 150 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश की गई थी लेकिन मैंने फाइल पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। लेकिन मैंने जिन गुनहगारों के नाम लिए थे उनके खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय सीबीआई ने ह्यव्हिसलब्लोअर के खिलाफ ही कार्रवाई करने का फैसला किया। मालिक ने यह भी आरोप लगाया कि ह्लसरकार अपने आलोचकों को चुप कराना चाहती है। विपक्षी दल भी पूर्व राज्यपाल के ठिकानों पर की गयी सी बी आई छापेमारी को असंतोष की आवाजों को दबाने वाला कदम बता रहे हैं। इसे भारतीय किसानों के गुस्से से ध्यान भटकाने की कोशिश भी बताया जा रहा है। राहुल गांधी ने तो इस प्रकरण पर अपने ही अंदाज में लिखा है कि-ह्वकिसान एमएसपी मांगें, तो उन्हें गोली मारो-ये है मदर ऑफ डेमोक्रेसी? जवान नियुक्ति मांगें, तो उनकी बातें तक सुनने से इनकार कर दो-ये है मदर ऑफ डेमोक्रेसी? पूर्व गवर्नर सच बोलें, तो उनके घर सीबीआई भेज दो-ये है मदर ऑफ डेमोक्रेसी? सबसे प्रमुख विपक्षी दल का बैंक अकाउंट फ्रीज कर दो-ये है मदर ऑफ डेमोक्रेसी? धारा 144, इंटरनेट बैन, नुकीली तारें, आंसू गैस के गोले-ये है मदर ऑफ डेमोक्रेसी? मीडिया हो या सोशल मीडिया, सच की हर आवाज को दबा देना-ये है मदर ऑफ डेमोक्रेसी?

तो क्या जिसे मदर ऑफ डेमोक्रेसी बताया जा रहा है उस देश की वास्तविक हकीकत ही यही है कि यहाँ भ्रष्टाचारियों व आर्थिक व व्यवसायिक अनियमितता बरतने वालों को नहीं बल्कि आर टी आई एक्टिविस्ट या ह्यव्हिसलब्लोअर्सह्ल अथवा भ्रष्टाचार पर उंगली उठाने वालों को ही परेशानी उठानी पड़ सकती है? गौर तलब है कि पूर्व राजयपाल सत्यपाल मलिक द्वारा गत वर्ष अप्रैल-मई महीने में कई प्रमुख पत्रकारों, टी वी चैनल्स व यू ट्यूब मीडिया चैनल्स को साक्षात्कार दिये गए थे जिसमें मलिक ने पुलवामा हमले को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्हीं साक्षात्कारों में सतपाल मालिक यह भी कह चुके हैं कि कश्मीर का राज्यपाल रहते उनके पास दो फाइलें आई थीं। एक प्रोजेक्ट से आरएसएस के एक बड़े व्यक्ति जुड़े थे और एक प्रोजेक्ट से उद्योगपति मुकेश अंबानी। वे आरएसएस के उस बड़े व्यक्ति का नाम (राम माधव) भी ले चुके हैं। परन्तु छापेमारी न तो अंबानी के किसी परिसर में हुई न ही राम माधव के किसी ठिकाने पर? इसी तरह याद कीजिये दो वर्ष पूर्व अयोध्या में कथित जमीन घोटाले को लेकर आप सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई दस्तावेजी सुबूत पेश करते हुये विश्व हिन्दू परिषद् नेता चम्पत राय पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाये थे। परन्तु आज, सांसद संजय सिंह तो किसी दूसरे मामले में जेल में हैं जबकि चम्पत राय राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मुख्य मेजबान रहे हैं। यहाँ तक कि 22 जनवरी को अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहला निमंत्रण देने का भी सौभाग्य उन्हीं को हासिल है?

राहुल गांधी अडानी के व्यवसाय सम्बंधित अनेक अनियमितताओं पर मुखरित होकर बोलने वाले देश के इकलौते साहसी नेता हैं। परन्तु उन की न केवल सांसदी छीनने की कोशिश की जा चुकी बल्कि और भी अनेक

विश्वास के सिंहासनों से षडयंत्रों का शंखनाद

डा. रवीन्द्र अरजरिया

देश को धर्म के नाम पर बांटकर स्वार्थ पूर्ति के प्रयास निरंतर तेज होते जा रहें। लोकसभा के चुनावों की बयार चलते ही विश्वास के सिंहासनों से षडयंत्रों का शंखनाद होने लगा है। कहीं कल्कि पीठ के पीठाधीश्वर कलयुग की काल गणना करके परमात्मा के अवतरण की घोषणा कर रहे हैं तो कहीं कर्नाटक की कांग्रेस सरकार मंदिरों पर टैक्स लगाने के लिए कर्नाटक हिन्दू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती संशोधन विधेयक 2024 को विधान सभा में पास करती है। कहीं असम की भाजपा सरकार मुस्लिम मैरिज एण्ड डिवोर्स एक्ट 1935 को समाप्त करती है तो वहां के मुस्लिम नेता शरीयत कानून के अनुसार ही सामाजिक व्यवस्था मानने की घोषणा करते हैं। कहीं मुस्लिम लीग के फरमान जारी होते हैं तो कहीं खुलेआम गजवा-ए-हिन्द को इस्लाम का अभिन्न अंग मानने के फतवे जारी होते हैं। कहीं हिन्दू राष्ट्र की मंचीय घोषणा होती है तो कहीं मिशनरी के व्दारा लालच के सब्जबाग दिखाये जाते हैं। चौराहों से लेकर चौपालों तक चचाओं का बाजार गर्म है। कर्नाटक की राजधानी बैंगलुरु में बैठकर मुख्यमंत्री सिध्दारमैया ने कांग्रेस के आलाकमान के इशारे पर हिन्दू मंदिरों को मुगुलकालीन जरिया कर जैसे चाबुकों से लहूलुहान करने हेतु विधान सभा में विधेयक पेश किया और संख्या बल के आधार पर पास भी कर लिया परन्तु विधान परिषद में भाजपा के पास अधिक सदस्य होने के कारण उसे अन्तिम रूप नहीं दिया जा सका। यह वही पार्टी है जिसके आलाकमान राहुल, सोनिया, प्रियंका गांधी चुनावी काल में दर-दर गली-गली मंदिरों में माथा टेककर हिन्दू मतदाताओं के वोट बटोने के लिए प्रयास कर रहे हैं। वहीं असम की राजधानी दिसपुर में आसन जमाये मुख्यमंत्री डा. हेमंत विस्वा ने अपनी पार्टी के मुखिया के संकेत पर मुसलमानों के विवाह और तलाक की परम्परागत व्यवस्था की कानूनी मान्यता समाप्त कर दी। इस हेतु वहां के मंत्री जयंत मल्लाबरुआ ने घोषणा करते हुए कहा कि अब मुस्लिम विवाह और डिवोर्स से जुडे सभी मामले स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत सुलझाये जायेंगे। दूसरी ओर इसका विरोध करते हुए असम में आल इण्डिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के मुखिया बदरुद्दीन अजमल ने मोर्चा खोल दिया जिसे आगे बढाते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने कहा कि मुस्लिम सिर्फ शरीयत कानून को ही मानेगा। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के देवबंद शहर में स्थापित दारुल उलूम मदरसा ने गजवा-ए-हिन्द को डंके की चोट पर मान्यता देते हुए फतवा जारी किया है। फतवे में कहा गया है कि भारत पर आक्रमण करने के दौरान मरने वाले महान शहीद कहलाए जायेंगे और उन्हें जन्नत नसीब होगी। यह सब कुछ देश के अन्दर बैठकर दबंगी से सोशल मीडिया की साइट पर किया जा रहा है ताकि मुसलमानों के अन्दर धार्मिक उन्माद भडकाया जा सके। इस हेतु सुन्न-अल-नसा नामक पुस्तक का जिक्र करते हुए हजरत अबू हुरैरा की हदीस का हवाला दिया गया। उसमें कहा गया कि अल्लाह के संदशवाहक ने भारत पर हमले का वायदा किया था। उन्होंने कहा था कि अगर मैं जिन्दा रहा तो इसके लिए अपनी खुद की और अपनी संपत्ति की कुबार्नी दे दूंगा। मैं सबसे महान शहीद बनूंगा। वहीं अनेक स्वयं भू हिन्दू धर्मगुरुओं के व्दारा भी हिन्दू राष्ट्र की घोषणा खुले मंचों से की जा रही है। लोगों की निजिता को सार्वजनिक करके हाल ही में लोकप्रियता की ऊंचाइयों पर पहुंचने वाले ऐसे धर्मगुरु अक्सर अपने विवादास्पद कृत्यों, वक्तव्यों और संवादों से विष पौध ही रोपते रहते हैं। हिन्दू राष्ट्र का प्रचार भी गजव-ए-हिन्द की तरह ही माना जा रहा है। अन्तर केवल सोच का है। हिन्दुओं की आस्था केवल समस्या के समाधान तक ही सीमित होती है जिसे अस्थाई कहा जा सकता है परन्तु मुस्लिम आस्था को कट्टरता के रूप मे स्थापित करने के निरंतर प्रयास होते रहते हैं। नेटवर्किंग की चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था के कारण ही हल्व्दानी काण्ड के मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक को लम्बे समय तक हथकडी पहनाना सम्भव नहीं हुआ। वह सुरक्षित इस्लामिक नेटवर्क के कारण ही अनेक राज्यों में अपने लोगों के घरों में न केवल ठहरा बल्कि पैसे, वाहन और अन्य संसाधन प्राप्त करता रहा। ऐसा ही कृत्य एक हिन्दू गायक ने विवादास्पद बयान देने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए बुंदेलखण्ड में नव प्रचारित धार्मिक स्थान के समीप आश्रय लेकर किया था। देश के गरीब इलाकों में मिशनरी व्दारा लालच का सहारा लेकर निर्धन परिवारों को धर्म परिवर्तन की ओर बढाया जा रहा है। गोरों के शासनकाल के मनमाने आवंटन आज तक यथावत मालिकाना हक के रूप में स्थापित हैं जिन्हें स्वाधीनता के अनुबंध के आधार पर तत्कालीन कथित नेताओं ने मूर्त रूप देने का काम किया था। अनेक स्थानों पर तो चिकित्सालय, शिक्षालय जैसी संस्थायें आज भी आम लोगों पर लागू होने वाले कानून नहीं मानतीं हैं। विशेषाधिकारों की दुहाई पर काम करने वाले कभी मानवाधिकरों की ढाल खडी कर देते हैं तो कभी अभिव्यक्त की आजादी पर संसद में बाबरी मस्जिद जिन्दाबाद के नारे बुलंद करते हैं। यह कारक लोक सभा के चुनाव काल में सुनामी की तरह ज्यादा आक्रामक हो जाते हैं ताकि अंध श्रध्दा को प्रचारित करके वोट बैंक पर डाका डाला जा सके। इन प्रयासों को असफल करने के लिए आम आवाम को स्वयं आगे आना पडेगा अन्यथा आस्था के मनगडन्त मायनों को सत्ता की परिभाषा बनाने वाले अपने षडयंत्र से भाई-भाई के बीच खूनी जंग छिडवाने का मंसूबा पूरा कर लेंगे। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

विपक्ष क्या भ्रष्टाचार का मुद्दा बना पाएगा?

अच्छे की उम्मीद में या ज्यादा विकास की उम्मीद में मतदान करके सत्ता परिवर्तन की मिसाल नहीं है। राज्यों के स्तर पर जरूर ऐसी कुछ मिसालें हैं लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर संभवत: एक बार भी ऐसा नहीं हुआ। लगभग हर बार सत्ता परिवर्तन के लिए किए गए मतदान के पीछे भ्रष्टाचार सबसे कॉमन कारण रहा। उसके बाद महंगाई और फिर सत्ता का दुरुपयोग ये दो कारण रहे। 1977 में इंदिरा गांधी सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों के कारण हारी थीं। लोगों ने संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करके देश में इमरजेंसी लगाने, विपक्षी नेताओं को जेल में डालने, मीडिया पर सेंसरशिप लागू करने जैसी ज्यादतियों के लिए उनको सजा दी थी। एक बार सजा देने के बाद लोगों ने तीन साल में ही फिर उनकी सत्ता में वापसी भी कराई थी। इसके अलावा बाकी सत्ता परिवर्तन चाहे वह 1989 का हो या 2014 का वह भ्रष्टाचार और महंगाई के मुद्दे पर हुए थे। 1996 या 1998 में हुए बदलाव को सत्ता परिवर्तन की बजाय सत्ता हस्तांतरण कह सकते हैं। क्योंकि सारी पार्टियां और गठबंधन सीटों की संख्या के लिहाज से आसपास ही थे, जिसने बेहतर गठबंधन किया उसने सरकार बना ली। सत्ता परिवर्तन से उलट सत्ता की निरंतरता हमेशा सकारात्मक रही है। लोग बेहतर की उम्मीद में सत्तारूढ़ गठबंधन की वापसी कराते रहे हैं। अटल बिहारी वाजपेयी को भी 13 महीने सरकार चलाने के बाद दूसरा मौका मिला था। मनमोहन सिंह को भी पांच साल के बाद दूसरा मौका मिला और नरेंद्र मोदी को भी पांच साल के बाद दूसरा मौका मिला है। लगातार तीसरा मौका इस देश में सिर्फ पंडित जवाहरलाल नेहरू को मिला था।

अजीत द्विवेदी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

भारत में आजादी के बाद से अब तक हुए सत्ता परिवर्तनों में कुछ बातें बहुत कॉमन रही हैं। ऐसा शायद कभी नहीं हुआ है, कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर, कि देश के मतदाताओं ने सकारात्मक रूप से सत्ता परिवर्तन के लिए मतदान किया हो। अच्छे की उम्मीद में या ज्यादा विकास की उम्मीद में मतदान करके सत्ता परिवर्तन की मिसाल नहीं है। राज्यों के स्तर पर जरूर ऐसी कुछ मिसालें हैं लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर संभवतः एक बार भी ऐसा नहीं हुआ। लगभग हर बार सत्ता परिवर्तन के लिए किए गए मतदान के पीछे भ्रष्टाचार सबसे कॉमन कारण रहा। उसके बाद महंगाई और फिर सत्ता का दुरुपयोग ये दो कारण रहे। 1977 में इंदिरा गांधी सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों के कारण हारी थीं। लोगों ने संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करके देश में इमरजेंसी लगाने, विपक्षी नेताओं को जेल में डालने, मीडिया पर सेंसरशिप लागू करने जैसी ज्यादतियों के लिए उनको सजा दी थी। एक बार सजा देने के बाद लोगों ने तीन साल में ही फिर उनकी सत्ता में वापसी भी कराई थी। इसके अलावा बाकी सत्ता परिवर्तन चाहे वह 1989 का हो या 2014 का वह भ्रष्टाचार और महंगाई के मुद्दे पर हुए थे। 1996 या 1998 में हुए बदलाव को सत्ता परिवर्तन की बजाय सत्ता हस्तांतरण कह सकते हैं। क्योंकि सारी पार्टियां और गठबंधन सीटों की संख्या के लिहाज से आसपास ही थे, जिसने बेहतर गठबंधन किया उसने सरकार बना ली। सत्ता परिवर्तन से उलट सत्ता की निरंतरता हमेशा सकारात्मक रही है। लोग बेहतर की उम्मीद में सत्तारूढ़ गठबंधन की वापसी कराते रहे हैं। अटल बिहारी वाजपेयी को भी 13 महीने सरकार चलाने के बाद दूसरा मौका मिला था। मनमोहन सिंह को भी पांच साल के बाद दूसरा मौका मिला और नरेंद्र मोदी को भी पांच साल के बाद दूसरा मौका मिला है। लगातार तीसरा मौका इस देश में सिर्फ पंडित जवाहरलाल नेहरू को मिला था। तभी यह यक्ष प्रश्न है कि क्या नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे या उन्हें रोकने के लिए कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां भ्रष्टाचार, महंगाई और सत्ता के दुरुपयोग का मुद्दा बना पाएंगी? इस समय देश में ऐसी स्थितियां मौजूद हैं या ऐसे घटनाक्रम हुए हैं, जिनसे विपक्ष भ्रष्टाचार, महंगाई और सत्ता के दुरुपयोग यानी तीनों का मुद्दा बना सकता है। ध्यान रहे 1975 में इंदिरा गांधी का चुनाव इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस आधार पर खारिज किया था कि उनके निजी सहायक यशपाल कपूर ने अपना इस्तीफा स्वीकार होने से पहले इंदिरा गांधी का चुनाव प्रचार संभाला था। सोचें, यशपाल कपूर ने इस्तीफा दे दिया था और स्वीकार होने से पहले इंदिरा गांधी के चुनाव क्षेत्र में चले गए थे तो इस आधार पर इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द हो गया था! अभी भाजपा के एक नेता ने, जिसे चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में पीठासीन अधिकारी बनाया गया था उसने विपक्ष के आठ वोट अवैध घोषित करके भाजपा को चार वोट से जीत दिला दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने न सिर्फ गिनती रद्द करके वापस आम आदमी पार्टी का मेयर बनाया है, बल्कि भाजपा के नेता अनिल मसीह पर मुकदमा दर्ज करने को कहा है। यह सत्ता के दुरुपयोग का प्रत्यक्ष उदाहरण है। ऐसे कई उदाहरण विपक्ष को मिल जाएंगे। विपक्षी नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी, राज्यपालों का मनमाना रवैया, मीडिया पर अघोषित पाबंदी जैसे कई मुद्दे हैं, जिन्हें विपक्ष गाहे-बगाहे उठाता रहता है। जहां तक भ्रष्टाचार की बात है तो चुनावी बॉन्ड पर आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला एक नजीर है। सरकार ने चुनावी चंदे के लिए एक ऐसी योजना लागू की थी, जिसमें शून्य पारदर्शिता थी। चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदा देने की योजना में इतनी गोपनीयता थी कि किसी को पता नहीं चल पाता कि किसने बॉन्ड खरीदा, कितने का खरीदा और किसको कितनी राशि दी। इसे धन विधेयक की तरह सिर्फ लोकसभा से पास करके कानून बनाया गया था और सूचना के अधिकार कानून का दायरे से बाहर रखा गया था। छह साल से यह योजना चल रही थी और इसके जरिए दिए गए 11 हजार करोड़ रुपए के चंदे में से साढ़े छह हजार करोड़ रुपया अकेले भाजपा को मिला था। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संविधान पीठ ने इस कानून को अवैध बताते हुए इसे रद्द कर दिया और इस पर रोक लगा दी। अभी सात जजों की एक पीठ इसे धन विधेयक की तरह पेश किए जाने के मामले की सुनवाई कर रही है। चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करने के साथ अदालत ने इसमें क्विड प्रो कोइ मिलीभगत की आशंका भी जताई। अगर महंगाई की बात करें तो वह 2014 के मुकाबले कई गुना बढ़ गई है। महंगाई कई रूपों में आम लोगों का जीना मुहाल किए हुए है। पेट्रोल की कीमत देश के अनेक हिस्सों में एक सौ रुपए प्रति लीटर से ऊपर है। डीजल की कीमत भी 90 रुपए लीटर के आसपास है। रसोई गैस के सिलिंडर की कीमत जो 2014 में चार सौ रुपए थी, वह नौ सौ रुपए है, जो थोड़े दिन पहले तक 11 सौ रुपए हो गई थी। यह तब है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बहुत कम हो गई है। खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी बहुत बढ़ी हुई है। एक तरफ कीमतें बढ़ रही हैं तो दूसरी ओर कंपनियां डब्बाबंद वस्तुओं का वजन कम करती जा रही हैं, जिसे स्रिंकफ्लेशन नाम दिया गया है। हर महीने जीएसटी की वसूली का नया रिकॉर्ड इसलिए नहीं बन रहा है कि उपभोग बढ़ रहा है। वह तो सरकार के आंकड़ों से ही पता कि जीडीपी की विकास दर अगर सात फीसदी है तो उसमें उपभोक्ता खर्च की बढ़ोतरी चार फीसदी के आसपास है। जीएसटी का रिकॉर्ड महंगाई बढे की वजह से बन रहा है। इस तरह कह सकते हैं कि देश में सत्ता के दुरुपयोग, भ्रष्टाचार और महंगाई तीनों की स्थितियां मौजूद हैं। लेकिन क्या विपक्ष इसे चुनावी मुद्दा बना पाएगा? क्या विपक्ष के पास इसकी सलाहियात है कि वह एकजुट होकर साझा तौर पर इन तीनों का मुद्दा बनाए और अगर विपक्ष ऐसा कर भी लेता है तो क्या जनता इस पर यकीन करेगी? यह बड़ा सवाल है क्योंकि यह विपक्षी पार्टियों की अपनी साख से जुड़ा मामला भी है। उनकी अपनी साख इतनी बिगड़ी हुई है कि लोग उनकी बातों पर यकीन नहीं करते हैं। भाजपा ने 10 साल की सत्ता का इस्तेमाल करके सुनियोजित तरीके से विपक्ष की साख खराब की है। विपक्षी पार्टियों को भ्रष्ट और परिवारवादी साबित किया गया है। कांग्रेस के इमरजेंसी की हमेशा याद दिलाई जाती रही है। परिवारवादी प्रादेशिक पार्टियों के शासन के दौरान की मनमानियों की भी लोगों को याद दिलाई जाती है। इसके साथ साथ भाजपा की केंद्र सरकार ने अपने संसाधनों के दम पर लाभार्थी मतदाताओं का एक ऐसा वर्ग तैयार किया है, जिसे सत्ता के दुरुपयोग, भ्रष्टाचार या महंगाई से मतलब नहीं है। उसे पांच किलो अनाज मुफ्त में मिल रहा है, किसान सम्मान निधि के नाम पर पांच सौ रुपया महीना मिल रहा है, कहीं पीएम जनमन के तहत आदिवासियों को कुछ लाभ मिल रहे हैं तो कहीं शहरी व ग्रामीण आवास योजना के तहत मकान मिल रहे हैं, शौचालय बन रहे हैं, लखपति दीदी बनाई जा रही हैं तो लाड़ली बहनों को नकद पैसे मिल रहे हैं। भाजपा को चुनाव जीतने लायक वोट इन लाभार्थियों से मिल जाते हैं, जबकि भ्रष्टाचार और महंगाई से सबसे ज्यादा आहत होने वाला मध्य वर्ग हिंदू पुनर्जागरण के सपने में खोया हुआ है। यही कारण है कि कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों का कोई राजनीतिक अभियान कामयाब नहीं हो पा रहा है। ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी ने कोई कसर छोड़ी हो। उन्होंने मोदी राज के पांच साल बाद ही यानी 2019 में भ्रष्टाचार का मुद्दा बनाया था। चौकीदार चोर हैझ का नारा देकर उन्होंने चुनाव लड़ा था। राफेल का मुद्दा भी बड़े जोर-शोर से उठाया गया था। सत्ता के दुरुपयोग का आरोप तो लगभग सभी विपक्षी पार्टियां किसी न किसी रूप में लगाती ही रहती हैं और गाहे बगाहे महंगाई का मुद्दा भी उठता रहता है। लेकिन मोदी सरकार ने अपने ईर्द-गिर्द ऐसा सुरक्षा कवच बनाया है

राजद्रोह बना अब देशद्रोह, अदालतों के अधिकार सीमित, सरकार के असीमित

सनत जैन

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 1 जुलाई से नए आपराधिक कानून लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के नए प्रावधान 1 जुलाई से लागू हो जाएंगे। यह तीनों कानून अंग्रेजों के बनाए गए कानून का स्थान लेंगे। भारत सरकार ने अंग्रेजों के बनाये हुए कानून के स्थान पर जो नए कानून बनाए हैं। उसको वर्तमान परिपेक्षय में कानून की कुछ धाराएं खत्म कर दी गई हैं। कुछ नई धाराएं जोड़ी गई हैं। अंग्रेजों की बनाए गए कानून और भारतीय कानून के यदि अंतर को हम समझना चाहें, तो अंग्रेजों के बनाये हुए कानून में नैतिकता थी, जिम्मेदारी थी। अदालत के अधिकार असीमित थे। जांच एजेंसियों और सरकार के ऊपर अदालतों का नियंत्रण होता था। जो कानून लागू होंगे, उसमें सरकार अंग्रेजों से ज्यादा निरंकुश हो सकती है। अंग्रेजों के बनाए गए राजद्रोह कानून को खत्म कर दिया गया है। उसके स्थान पर अब देशद्रोह को शामिल किया गया है। लोकतांत्रिक देश में सरकार की आलोचना कोई भी नागरिक कर सकता है। भारत सरकार ने जो नया कानून बनाया है। उसमें देश की सुरक्षा, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की आशंका होने पर भी सरकार देशद्रोह के तहत कार्रवाई कर सकेगी। केवल आशंका होने पर किसी भी नागरिक को जेल भेजा जा सकेगा। सरकार उसे लंबे समय तक जेल में बंद रख सकेगी। आतंकवादी गतिविधियों के लिए भी कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। इसमें न्यायालय की जमानत देने की शक्ति को सीमित किया गया है। जिसके कारण सरकार की शक्तियां पिछले कानून की तुलना में ज्यादा बढ़ गई है। सरकार और जांच एजेंसियां इसमें निरंकुश हो सकती हैं। जैसा कि अभी पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा है। आरोपों के आधार पर लंबे समय तक नागरिकों को जेल में बंद रखा जाता है। जब अदालत से उनका फैसला आता है। वह निरपराध साबित होते हैं। जांच अधिकारी या सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होती है। जिसके कारण नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन होता है। जो नए कानून बनाए गए हैं, उसकी जांच प्रक्रिया में तकनीकी का इस्तेमाल भी किया गया है। भारत जैसे देश में जहां इंटरनेट की उपलब्धता आज भी नहीं है। वहां पर कानून के नए प्रावधान न्याय व्यवस्था को प्रभावित करने वाले साबित हो सकते हैं। भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(2)को फिलहाल गृह मंत्रालय ने स्थगित करके रखा है। हिट एंड रन के इस कानून का भारी विरोध हुआ था। जिसके कारण सरकार ने इसे लागू नही करने का निर्णय लिया है। 1 जुलाई से यह लागू नहीं होगा। गवाहों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की जो सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसे नागरिकों तथा न्याय व्यवस्था के लिए बेहतर माना जा रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से गवाही देने की सुविधा होने से अब गवाहों को डराने धमकाने या रास्ते में उनके ऊपर हमला करने जैसी घटनाएं नहीं होगी। लोग बिना किसी डर भय के गवाही, दे पाएंगे। इससे न्याय प्रक्रिया में निश्चित रूप से सुधार आएगा। अंग्रेजों के बने हुए कानून में आरोपी पर तभी मुकदमा चलाया जा सकता था। आरोपी का अदालत में हाजिर होना जरूरी था। जो नए संशोधन किए गए हैं। उसके अनुसार यदि 90 दिन तक जांच एजेंसियां आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाती हैं। आरोपी अदालत में उपस्थित नहीं होता है। ऐसी स्थिति में उसकी गैर मौजूदगी में भी मुकदमा चलाया जा सकता है। उसकी संपत्ति जप्त की जा सकती है। नए संशोधन में समय सीमा के अंदर मुकदमों की सुनवाई हो। इसका भी प्रावधान किया गया है। यह प्रावधान अंग्रेजों के बनाये हुए कानून में भी थे। जिनका कुछ वर्षों पहले तक जांच एजेंसियों और अदालतों में पालन होता था। अब वह स्थिति नहीं है। जिस तरह से सरकार रोजाना नित्य नए कानून बना रही हैं। बार-बार कानून और नियमों को संशोधित किया जा रहा है। सरकार जल्दबाजी में नियम कानून बना देती है।

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रधानों को किया सम्मानित

स्थानीय क्षेत्र पंचायत के बिभिन्न ग्राम पंचायतों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले क्षेत्र पंचायत की सबसे बड़ी पंचायत शेरपुर सहित कुल 12 ग्राम प्रधानों को आज रविवार को जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने एक कार्यक्रम में पशस्ती पत.देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने शासन द्वारा संचालित बिकास कार्यों के पार्दर्शिता से क्रियान्वयन के लिए उनकी हौसला अफजाई की। सम्मानित होने वालों में शेरपुर की ग्राम प्रधान अंजलि राय, मसोन- आकाश राय उर्फ राजन, वीरपुर -जड़ावती राय, कनुवान- जितेंद्र नाथ राय, तरका- राजेश कुमार राय, लौवाडीह- रविशंकर राय, मिजार्बाद झ्र फैसल अंसारी, मुर्तजीपुर झ्र सुनीता राय, मनिया झ्र गोपाल एवं मिश्रवलिया,- ममता मिश्र शामिल रहीं।

बलिया : कार की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत

बलिया जिले के गड़वार थाना क्षेत्र के कुरेजी गांव में एक कार की चपेट में आने से साइकिल सवार दो मजदूरों की मौत हो गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार गड़वार थाना क्षेत्र के कुरेजी गांव में शनिवार की देर रात लगभग एक बजे एक स्विफ्ट डिजायर कार साइकिल सवार दो मजदूरों को टक्कर मारते हुए पलट गई जिससे मंटू गुप्ता (24) और अखिलेश राजभर (19) की मौत हो गयी। गड़वार के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संजय शुक्ला ने रविवार को बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। उन्होंने बताया कि घटना के समय दोनों साइकिल सवार मजदूर एक मांगलिक कार्यक्रम में मजदूरी का कार्य करके लौट रहे थे। एसएचओ ने बताया कि पुलिस ने स्विफ्ट डिजायर कार को अपने कब्जे में ले लिया है तथा अज्ञात कार चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

उप्र के सहारनपुर में फंदे से लटक कर व्यक्ति ने आत्महत्या की

सहारनपुर जिले के सरसावा थाना क्षेत्र में गृह क्लेश के चलते एक व्यक्ति ने अपनी दुकान में फंदे से लटक कर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि दीपक जैन (45) नाम के व्यक्ति ने अंबाला रोड स्थित वीर सेवा मंदिर के निकट टेलीविजन और कंप्यूटर की अपनी दुकान के अंदर शनिवार को फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही सरसावा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जैन ने बताया कि मृतक का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था, जिसके चलते उसकी पत्नी अपने मायके मे ही रह रही थी। मामले की जांच की जा रही है।

कौशांबी:पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, चार की मौत

उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र में रविवार को एक मकान में चल रही पटाखा फैक्ट्री में अचानक आग लग जाने से हुए भयानक विस्फोट से पूरा मकान ध्वस्त हो गया। इस हादसे में फैक्ट्री के अंदर 4 व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी जबकि कई अन्य मजदूर घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार कोखराज थानाक्षेत्र में नगर पालिका परिषद भरवारी के वार्ड नंबर 17 खल्लाबाद मोहल्ले में यह हादसा हुआ। यहां का निवासी शराफत अतिशबाजी का धंधा करता है। कई वर्षों से गांव के किनारे पटाखा फैक्ट्री संचालित कर रहा है। आज लगभग मजदूर फैक्ट्री के अंदर 24 से 25 मजदूर पटाखे तैयार कर रहे थे इसी दौरान अचानक फैक्ट्री के अंदर आग लग गई और झुलस कर चार लोगों की मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि विस्फोट इतना जबरदस्त था कि फैक्ट्री के आसपास के मकानों की दीवारें हिल गयीं और अफरातफरी मच गयी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की गाडियां मौके पर पहुंची। खबर लिखे जाने तक दमकमकर्मी आग पर काबू पाने के लिए मशक्कत कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव जिलाधिकारी राजेश राय सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को सबक सिखाया जाएगा : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यआमंत्री योगी आदित्य नाथ ने पुलिस भर्ती परीक्षा प्रश्न पत्र लीक मामले पर रविवार को कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना ह्यराष्ट्रीय पापह्ल है और इसमें लिप्त लोगों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा, जो भविष्य के लिए नजीर बनेगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के लिए करीब 1800 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को यहां लोकभवन में नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए यह कहा। आदित्यनाथ ने कहा, अगर युवाओं के साथ अन्याय होता है तो यह राष्ट्रीय पाप है। पहले दिन से ही हमने तय किया है कि युवाओं के जीवन और भविष्य के साथ जो कोई भी खिलवाड़ करेगा हम उसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे और उन तत्वों से सख्ती से निपटेंगे। हमारे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सरकार पहले भी कार्रवाई करती रही है और एक बार फिर कड़ी कार्रवाई करने जा रही है। ह्यपेपर लीकह्ल के मुद्दे पर अभ्यर्थियों के विरोध-प्रदर्शन के बाद, राज्य सरकार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में 17 और 18 फरवरी को हुई पुलिस भर्ती परीक्षा को शनिवार को निरस्त कर दिया था और छह माह के भीतर पुनः परीक्षा कराने का आदेश दिया। आदित्यनाथ ने कहा,ह्लनियुक्ति की प्रक्रिया अगर ईमानदारी से आगे नहीं बढ़ पा रही है तो यह युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है और उनकी प्रतिभा को पलायन के लिए मजबूर करता है। मुख्यमंत्री ने कहा, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना राष्ट्रीय पाप है और इसमें लिप्त लोगों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वे ना घर के रहेंगे न घाट के। ऐसे तत्वों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई भविष्य के लिए नजीर के रूप में याद रखी जाएगी। मुख्यमंत्री ने अलग-अलग विभागों में चयनित युवाओं को प्रदेश की सेवाओं में आने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्रा मोदी की दृष्टि ह्यडबल इंजनह्ल सरकार का मिशन भी है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हर नौजवान को उसका अधिकार प्राप्त होने को सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है, उसी का परिणाम है कि पिछले 7 साल में 6 लाख से अधिक युवाओं को अब तक प्रदेश के शासकीय विभागों में नौकरियां प्रदान की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्ति की प्रक्रिया सभी भर्ती आयोगों और विभिन्न बोर्ड के माध्यम से निरंतर जारी है। बयान के अनुसार, उन्होंने यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के दौरान मिले निवेशों से प्रदेश के 34 लाख नौजवानों को नौकरी और रोजगार के अवसर उपलब्ध होने की भी बात कही। मुख्यकमंत्री ने नव चयनित अभ्यर्थियों से गरीबों के प्रति संवेदनशील व्यवहार के साथ जवाबदेही व जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की अपील की। बयान के अनुसार, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग और विद्युत सेवा आयोग द्वारा संचालित भर्ती प्रक्रिया के तहत 1782 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया।

मन की बात : जिला अस्पताल में हुआ पीएम मोदी के मन की बात का सीधा प्रसारण, फर्स्ट वोटर से की खास अपीलङ्घ

चंदौली, एजेंसी

मुख्यालय स्थित पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय के सभागार में रविवार को प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी के मन के बात का सीधा प्रसारण किया गया। जहां प्रधानमंत्री ने चिकित्सकों, कर्मचारियों के साथ मरीजों के तीमारदारों को मन की बात सुनाई। कहा कि मन के बात का 110 एपीसोड का प्रसारण है, लेकिन तीन माह बाद फिर 111 एपीसोड में शुभ मुर्हुत में बात होगी। इसके लिए युवाओं कोदेश के विकास के लिए मनोयोग के बढ़चढ़ कर मतदान भारीदारी निभानी होगी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने में काफी मेहनत करना होगा। सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म अलग-अलग विषय पर अलग-अलग कंटेंट के साथ युवा साथी मिल जाएंगे। जीवन यात्रा से संबंधित तमाम लोगों को प्रेरित करें और उनकी प्रतिभा को सम्मान देने में सरकार सहयोग करेंगी। आप भी अगर नेशनल क्रिएटर अवार्ड लिए प्रयास कर सकते है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सोचना चाहिए कि मेरा पहला वोट देश के लिए होगा। युवा शक्ति जितनी अधिक भागीदारी करेंगी उतने ही नतीजे अच्छे होंगे। पहली बार 18 वर्षों के बाद मतदाता बने है वे 18वीं लोकसभा की चुनने का मौका मिलेगा। इसलिए आपके वोट का महत्व अधिक है। आप किसी क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं इस अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें और फर्स्ट टाइम वोटो के लिए प्रेरित करें। जल्द ही आचार संहिता लग जाएगी। यह मेरे मन की बात का जनता के लिए 110 एपिसोड है। 111 एपिसोड तीन.महीने बाद शुभ अंक के साथ शुरू होगा। इस दौरान सीएमएस डा.जीपी सिंह, डॉक्टर संजय कुमार,डॉ अजय वर्मा, सतीश सिंह, ओपी सिंह, दिलीप सोनकर, राजन सिंह, विजय मौर्या, मनोज कुमार उपस्थित रहे।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में स्योहारा से भारी संख्या में शामिल हुए कांग्रेसी

प्रात : किरण संवाददाता नादिर त्यागी

स्योहारा। शनिवार को मुरादाबाद में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की भव्य और विशाल भारत जोड़ो न्याय यात्रा हुई यह यात्रा मंडल मुरादाबाद के कांग्रेसियों में पार्टी संघर्ष के लिए नया संचार उत्पन्न कर गई जिसमें बिजनौर जनपद से जिला अध्यक्ष शेरबाज पठान के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं ने पहुँच कर यात्रा का जबरदस्त स्वागत किया।स्योहारा नगर से भी समस्त कांग्रेसी शामिल हुए। मुरादाबाद पहुँचने वालो में कांग्रेस विचार विभाग के प्रदेश महासचिव अहसन जमील , नासिर चौधरी उर्फ आदिल प्रदेश महासचिव अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ कांग्रेस, शेरबाज पठान जिला अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष कांग्रेस, खलीक चौधरी स्योहारा नगर अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चौधरी फईम उर रहमान,वली उर रहमान, जिला उपाध्यक्ष मुनीश त्यागी,जिला महासचिव नजाकत अल्वी, सुधीर पाराशर,कमलेश भुईयार,मीनाक्षी सिंह,वरिष्ठ नेता मो०अकबर,मुब्सशिर जमा खां, मो०सलीम अहमद एड०,एड०जफर मलिक सदस्य पीसीसी,,हेंनरीता राजीव सिंह एआईसीसी,आर. के.सिंह पूर्व आईएस, सरफराज मलिक,जसराम सिंह,सुमन चोधरी,सुधीर कुमार एड०,पुष्प सैनी, साजिद अली खां, हर्षवर्धन सिंह राणा,मो०अकरम खा, राकेश शर्मा,सजर तैयब, अकरम जमील,असलाम चौधरी,मौ०निजामुद्दीन, नवेद अहमद राणा,फुरकान महमूद अंसारी, मैराज सिद्दीकी,रिफाकत चौधरी,नजाकत चौधरी, अनिल कुमार,हुमायूँ बेग,वसिम अकरम,नदीम नजाकत खां,सैयद जाहांगीर जैदी, नूर अहमद,अब्दुल समद आजाद,मो०निवेद,सरदार गुरुमुख सिंह दिवान,रहनुमा अंसारी, मौ०शाकिर, मौ०सद्दाम ,मौशेफ मंसूरी, चांद चौधरी, प्रदीप ठाकुर, मौ.रफत, हुकम सिंह,हुसैन अहमद अंसारी, बाला सैनी, सुरेश सैनी,नोशाद प्रिंस, फकरुद्दीन, चितवन शर्मा, उदयराज सिंह सिसौदिया, ठाकुर आदित्य सिंह पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश,अभिनव अग्रवाल एड०,शाही अराफात, असलम सिद्दीकी, फरीद खान एड०, डा०अथर जुनैद, चंदन, हरि सिंह सागर,मौ.नोशद ,मेहन्द्र कश्यप,मुनेश तंवर, नदीम अहमद ,लोकेंद्र चौहान,शाहिद मंसूरी,नजाकत अली,नदीम कुरैशी,ऋषिराम सिंह,जरिस अहमद,फैसल तैयब,सुलेमान खान,सुकन्दी सिंह,फैजान सुल्तान,तारिक खालिद, सुल्तान,मतलूब अहमद , अजहर खान, नदीम अल्वी, मनोरे मियां अंसारी, आदि सहित सैकड़ो कांग्रेसी शामिल हुए।

निस्वार्थ देशभक्त एवं वरिष्ठ समाज सेवी चौधरी कवंर सिंह तवंर का जीवन समाज सेवा को समर्पित

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जनपद की लोकसभा से कर्मठ और जुझारू/ दानवीर, वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व सांसद चौधरी कवंर सिंह तवंर ऐसे इन्सान हैं जिन्होने जरूरतमंदो एवं गरीबों के लिए और मजबूरों के लिए अपने दिल में लगाव रखा है जिनके मन में बस और सेवा भाव है जिनके लिए इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं है। हम बात कर रहे हैं एक बहुत बड़े एवं प्रसिद्ध समाजसेवी की एक निस्वार्थ देशभक्त की जिन्होने अपना पूरा जीवन देश की जनता की सेवा में लगा दिया। लेकिन ताज्जुब होता है चौ० कंवर सिंह तंवर पर की ईश्वर ने उनमें तमाम अच्छाईयां कूट कूट कर भरी हैं। गत 12 वर्षों से लगातार जनता की सेवा में प्रसिद्ध समासेवी चौधरी कंवर सिंह तंवर जी ने गांव गांव जाकर लोगों के दुखों को समझते हुए उनकी सेवा में एम्बुलेंस व निशुल्क मोबाईल डिसपेंसरी की सुविधा उपलब्ध कराई है। हर साल गरीब बहन बेटियों की शादी कराते हैं चौ० कंवर सिंह तंवर- अपने कैम्प कार्यालय चौ० कंवर सिंह तंवर सेवा केन्द्र झनकपुरी पर हर वर्ष एक भव्य सामूहिक विवाह का आयोजन कर 151 गरीब बहन बेटियों को बड़ी धूम धाम से उनकी शादी करवाते हैं, एक अच्छे देश भक्त भी हैं चौ० कंवर सिंह तंवर- जो सेवा कार्यों के साथ साथ देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों के सम्मान में अपने निजि खर्च से उनकी प्रतिमाओं का निर्माण कराकर गांवों में स्थापित कराते हैं। समय समय पर वीर शहीदों के स्जनों को सम्मान देने का कार्य भी करते हैं। ऑक्सिजन की कमी को देखते हुए अमरोहा के जिला अस्पताल में अपने निजि कोष से 60 लाख की लागत से ऑक्सिजन प्लांट का निर्माण कराया। जिससे इस महामारी से बचने के लिए अमरोहा वासियों को काफी राहत मिली। इसके साथ साथ गांवों में जरूरतमंदों को फ्री राशन उपलब्ध कराया।

नामदार ने जनता का वोट लिया लेकिन सेवा नहीं की: स्मृति ईरानी

रायबरेली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के राजकोट से वर्चुअल माध्यम से उत्तर प्रदेश के रायबरेली, पश्चिम बंगाल के कल्याणी और आंध्र प्रदेश के मंगलागिरी समेत पांच अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर रायबरेली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक नामदार ने जनता का वोट लिया लेकिन सेवा नहीं की। स्मृति ईरानी ने कहा कि मैं उस लोकसभा क्षेत्र से हूं जहां एक नामदार ने जनता का वोट तो लिया पर काम नहीं किया। नामदारों ने जनता के नाम जमीन ली और साइकिल फैक्टरी न बनाकर उसपर घर बना लिया। स्मृति ईरानी ने कहा कि मोदी देश के ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से उबारा है और अब अमेठी की तरह ही रायबरेली में भी कमल खिलेगा। स्मृति ईरानी ने एम्स लैब टेस्टिंग के आंकड़ों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 10 सालों में 714 मेडिकल कॉलेज पीएम मोदी के नेतृत्व में बनाए गए हैं। जिस राज्य में 12 मेडिकल कॉलेज थे, वहां हमारी सरकार ने 45 मेडिकल कॉलेज बनाए हैं और 15 पर निर्माण कार्य जारी है। हमारी सरकार एक जिले में एक मेडिकल कॉलेज बना रही है।

रास्ते रोकने से व्यापारियों व उद्योगपतियों हुए नुकसान की भरपाई करे सरकार : बजरंग गर्ग

हिसार, एजेंसी

अखिल भारतीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा है कि हरियाणा सरकार द्वारा रास्ते बंद करने से अब तक 12 दिनों में व्यापारी व उद्योगपतियों को 19800 करोड़ रुपए का व्यापार व उद्योग का नुकसान हुआ है। सरकार को उस नुकसान की भरपाई करनी चाहिए। बजरंग गर्ग ने रविवार को कहा कि पिछले किसान आंदोलन में व्यापार व उद्योग में लगभग 90 हजार करोड़ रुपए का व्यापार में नुकसान हुआ था और कोरोना के समय भी व्यापार व उद्योग पूरी तरह से ठप्प हो गए थे और उससे व्यापारी उबबर नहीं पाया था। सरकार ने कोरोना के समय में बंद दुकान व फैक्ट्रीयों के बिजली के बिल, हाऊस टैक्स, वार्षिक लाइसेंस फीस व बैंक ब्याज आदि लिए थे। सरकार को बंद दुकानों व फैक्ट्रीयों के बिजली के बिल, हाऊस टैक्स नहीं लेने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने जब खुद दिल्ली व हरियाणा के रास्तों पर बेरीकेटिंग लगाकर बंद किया तो सरकार का फर्ज भी बनता है कि वह व्यापारी व उद्योगपतियों के नुकसान की भरपाई करे। बजरंग गर्ग ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार को व्यापारी व उद्योगपतियों के नुकसान की भरपाई के लिए कानून बनना चाहिए। जब सरकार हर वर्ग के नुकसान की भरपाई करती है तो व्यापारियों ने कौन सा गुनाह कर रखा है। सरकार को देश व प्रदेश में सबसे ज्यादा टैक्स व्यापारी व उद्योगपति देता है मगर सरकार व्यापारी व उद्योगपतियों से सिर्फ लेना ही जानती है, देना नहीं, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हरियाणा व दिल्ली की सीमाओं को बंद करना कोई समस्या का समाधान नहीं है। सरकार को अपने वादे के अनुसार किसानों की समस्या का समाधान करना चाहिए। लाठी, डंडों, गोलियों व रास्ते रोकने से किसी समस्या का समाधान नहीं होता।

अगले पांच साल महान भारत की नींव डालने के, कोई बूथ ऐसा ना हो, जहां भाजपा की जीत ना हो : शाह

खजुराहो, एजेंसी

आगामी लोकसभा चुनाव के पहले भारतीय जनता पार्टी के बूथ कार्यकताओं को विजय का संकल्प दिलाते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि अगले पांच साल महान भारत की नींव डालने के हैं और लोकसभा चुनाव में कोई ऐसा बूथ ना हो, जहां भाजपा की जीत ना हो। श्री शाह अपने एकदिवसीय मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान खजुराहो में बूथ कार्यकताओं के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष एवं स्थानीय सांसद विष्णुदत्त शर्मा भी उपस्थित रहे। श्री शाह ने अपने संबोधन की शुरूआत में कहा कि वे क्लस्टर के 23 हजार बूथ कार्यकताओं से बातचीत के लिए और उन्हें विजय संकल्प दिलाने आए हैं। उन्होंने कहा कि बाकी पार्टियां अनेक कारणों से जीततीं हैं, पर भाजपा बूथ कार्यकर्ता की बदौलत ही जीतती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 पार का लक्ष्य बूथ कार्यकर्ताओ के बिना नहीं हो सकता। मध्यप्रदेश संगठन की भूमि है। कोई बूथ ऐसा ना हो, जहां भाजपा की जीत ना हो। गृह मंत्री ने कहा कि हर बूथ कार्यकर्ता अपने बूथ पर ह्यनरेंद्र मोदीह्ल बन कर खड़ा रहे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से 27 और 2019 में 29 में से 28 सीटें भाजपा की झोली में आईं थीं। इस बार शेष बची एक सीट को भी कार्यकर्ता भाजपा के पक्ष में लाकर प्रधानमंत्री की झोली भर दें। गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा ने 10 साल में हर वादा पूरा किया है। भाजपा ने राममंदिर बनाने का कहा था। इसी क्रम में उन्होंने वर्ष 2019 का संदर्भ देते हुए कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि अध्यक्ष रहते हुए वे श्री शाह और भाजपा का मजाक उड़ाते थे और कहते थे कि राम मंदिर की भाजपा तिथि नहीं बताएगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 22 जनवरी 2024 की तारीख 10 सहस्त्र साल के इतिहास में दर्ज हुई है। श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस ने सालों मंदिर का मुद्दा अटकाया। कांग्रेस के साथी सनातन धर्म को गाली देते नहीं थकते, कांग्रेस ने भगवा आतंकवाद को मुद्दा बनाया। राजा भोज के नाम पर मेट्रो ट्रेन का, रविदास मंदिर का और नर्मदा मां के जयकारों का भी अपमान किया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई तक में भव्य मंदिर बनवा कर आ गए। कांग्रेस को सनातन धर्म का अपमान किए बिना चैन नहीं आता। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है, करती है, अब प्रधानमंत्री ने देश को विकसित बनाने का कहा है, अगले पांच साल महान भारत की नींव डालने के हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 10 साल में 12 लाख करोड़ का घोटाला किया। इसके साथ ही उन्होंने मौजूदा सरकार के बारे में कहा कि विरोधी भी मोदी पर ह्यपाईह्ल का आरोप नहीं लगा सकते। श्री मोदी ने शासन में पारदर्शिता दी है। हर किसान की समस्या दूर करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि कांग्रेस अब राजनीतिक परिदृश्य में कहीं दिखाई नहीं देती। हर राज्य में भाजपा की सरकार आती है। गृह मंत्री ने लोकसभा चुनाव के पहले कांग्रेस से सवाल भी किए। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को संबोधित करते हुए कहा कि मनमोहन सरकार में 10 साल में मध्यप्रदेश को एक लाख 99 हजार करोड़ रुपए दिए गए, वहीं मोदी ने नौ साल में सात लाख 74 हजार करोड़ दिया है। इसके साथ साढ़े पांच लाख की परियोजना देने का काम किया।

ईआरसीपी का नाम बदलकर लोगों को किया जा रहा है गुमराह : गहलोत

भरतपुर, एजेंसी

धौलपुर में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट अलग-अलग समय पर भरतपुर के सारस चौराहा पहुंचे। जहां उनका स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों नेता ऊंचा नगला-रूपवास होते हुए धौलपुर के लिए रवाना हो गए। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) का नाम बदल दिया गया है। भाजपा सरकार घबराई हुई है। भाजपा सरकार इस योजना पर जो काम कर रही है वह पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के लोगों के साथ विश्वासघात है। केंद्र सरकार ने लोगों को गुमराह करने के लिए सीएम भजनलाल को आगे किया है। लोग गुमराह होने वाले नहीं हैं। सचिन पायलट ने यहां ईआरसीपी समेत कई मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस कार्यकताओं में जोश भरेगी।आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर होगा। हमारे नेता कह चुके हैं कि केंद्र में सरकार बनी तो एमएसपी पर कानून बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान कैनल प्रोजेक्ट को लेकर भाजपा सरकार सिर्फ स्वागत करवा रही है। सदन में इस मुद्दे पर चर्चा करते हैं लेकिन एमओयू नहीं दिखाते। भाजपा सरकार एमओयू तो दिखाए। हमें पता तो चले कि राजस्थान के हिस्से में कितना पानी आएगा। इस समझौते (एमओयू) से लगता है केंद्र सरकार की मंशा राजनीतिक थी। उन्हें प्रदेश के लोगों की चिंता नहीं थी। वह चुनाव का ध्यान कर रहे थे। यह सालों पुरानी परियोजना है जिसके लिए हजारों-करोड़ों हमारी कांग्रेस सरकार ने दिए हैं। उसे जान-बूझकर केंद्र सरकार ने लटकाए रखा। चुनाव खत्म होते ही ऐसा समझौता करवा दिया जिसकी जानकारी किसी के पास नहीं है। अभी यह पता ही नहीं है कि कितना पानी हमारे हिस्से में आएगा। योजना पूरी होगी या नहीं। केंद्र सरकार चाहती तो बहुत पहले परियोजना लागू हो जाती। चुनाव के समय राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी इसलिए केंद्र ने जान-बूझकर परियोजना को रोका। राजस्थान में पानी पर राजनीति की गई। नेताओं के कांग्रेस पार्टी छोडने.को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा के बहुत नेता भी भारतीय जनता पार्टी छोड़ गए। चुनाव से पहले नेताओं का आना-जाना लगा रहता है। जो व्यक्ति पार्टी छोडक जाते हैं, वे आरोप लगाते ही हैं।

हेमंत सोरेन को केंद्र द्वारा प्रताड़ित करने के विरोध मे एक जन आंदोलन की शुरूआत है ये झामुमो का मिलन समारोह : चंपई सोरेन

रांची, एजेंसी

रविवार को मुख्यमंत्री आवास, कांके रोड, रांची में संपन्न हुए झामुमो के मिलन समारोह में विभिन्न सामाजिक संगठनों और दलों के लगभग 3 हजार युवा और महिलाओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के समक्ष झामुमो रांची जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम के नेतृत्व मे झामुमो का दामन थामा। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने सभी को पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी मे स्वागत किया साथ ही मौके पर कहा आंदोलनकारियों की बदौलत हमें यह झारखंड राज्य मिला है' जिस तरीके से हमारे युवा मुख्यमंत्री के तौर पर हेमंत सोरेन कार्य कर रहे थे' सुदूर गांव में भी हर एक घर तक योजना पहुंचने का काम कर रहे थे' इसी को देखते हुए केंद्र की भाजपा सरकार ने साजिश के तहत उनको जेल भेजने का काम किया है' आज यह मिलन समारोह एक जन आंदोलन की शुरूआत है'आने वाले दिनों में यह बड़ा रूप लेगा। मौके पर उपस्थित पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडे ने भी युवाओं को पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी में स्वागत किया और कहा कि आने वाले दिनों में नए सदस्यों के साथ भी पार्टी हर एक हर स्तर पर केंद्र सरकार की तानाशाही के विरोध में लोगों को जागरूक करने का काम करेगी। झामुम रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने जिस तरीके से हमारे युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रताड़ित कर जेल भेजने का काम किया है'आज इसी क्रम में हजारों हजार की तादाद में युवा और महिलाएं जो आप देख रहे हैं पार्टी के प्रति आस्था जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है' आने वाले दिनों में यह सिलसिला जारी रहेगा हम निरंतर लोगों को पार्टी से जोड़कर झारखंड की जनता के हित में आवाज को बुलंद करेंगे। मिलन समारोह में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री सह पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष चम्पई सोरेन, केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय, राज्यसभा सांसद डॉ महुआ मांझी, केंद्रीय सदस्य सुशीला एक्का, जिला उपाध्यक्ष अश्वनी शर्मा, कलाम आजाद, रामानंद बेड़िया, रामशरण तिर्की, डॉ तालकेश्वर महतो, जिला प्रवक्ता अरविन्द सिंह देवल, बबलू राम एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही सदस्यता ग्रहण करने वालों मे मुख्य रूप से आदिवासी सेना के अलविन लकड़ा, विकास तिर्की, अमरनाथ लकड़ा, झापा के अंशु लकड़ा, बचन उरांव, योगेश भगत, झारखंड क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन के शशि टुटी, रामकुमार नायक, दीपक लकड़ा, आजसू के लक्ष्मी बैठा, अनिता टोप्पो, महताब अंसारी, अबुतालीब अंसारी, मोहसिन अख़्तर, फिरोज अंसारी, मुंतीजीर खान, निशांत कच्छप, पवन तिग्गा, रश्मि टोप्पो, अर्पण इंदवार, नजरूल हक के साथ हजारों संख्या मे लोग शामिल हुए।

विस्थापित प्रभावित संघर्ष मोर्चा की बैठक संपन्न

पतरातु, एजेंसी

रविवार को विस्थापित प्रभावित संघर्ष मोर्चा का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत कटिया सरना काली मंदिर में साप्ताहिक बैठक हुई'जिसकी अध्यक्षता प्रदीप महतो एवं संचालन मो अलीम के द्वारा किया गया' आज के बैठक में मुख्य रूप से निर्णय लिया गया कि पीवीयूएनएल के द्वारा घोर लापरवाही के कारण तरह-तरह के दुर्घटनाएं एवं मौत हो रही है' जिसका जिम्मेवार एनटीपीसी प्रबंध है' पी भी यू एन एल कंपनी में जितने भी कंपनियां काम कर रही है सभी सेफ्टी एवं सुरक्षा का घोर अभाव है' जिसके कारण दिनांक 24 फरवरी 2024 को एक मजदूर बसंत ठाकुर का मौत दर्दनाक तरीके से हुआ' मौत के बाद उसके मृत शरीर को कुत्तों के द्वारा क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है जो की एक जघन्य अपराध के श्रेणी में आता है' इससे और भी लापरवाही का उजागर होता है' विस्थापित प्रभावित संघर्ष मोर्चा मांग करती है कि सेफ्टी एवं सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया जाए ताकि आए दिन जो घटनाएं घट रही है' उसे पर रोक लगे अन्यथा मोर्चा वाद्य होकर आवाज उठाने को मजबूर होंगे' आदि सैकड़ो लोग उपस्थित हुए।

संक्षिप्त खबरें

पुण्यतिथि को लेकर बैठक आयोजित की गई

आरा। महिला शिक्षा के पुरोधा एवं सहकारिता के शिखर पुरुष स्वर्गीय तपेश्वर बाबू सांसद का 33वीं पुण्यतिथि दिनांक 27/02/ 2024 (मंगलवार) को तपेश्वर सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज कायमनगर आरा में आयोजित की गई है ।इस अवसर पर ह्लबच्चों की बुनियादी शिक्षाह्व विषय पर एक संगोष्ठी भी आयोजित है। इस समारोह का उद्घाटनकर्ता प्रो.(डॉ.) शैलेंद्र कुमार चतुवेर्दी , कुलपति, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा मुख्य अतिथि सह वक्ता राज कुमार (भा.प्र.से.) जिला पदाधिकारी भोजपुर है। इस समारोह में विश्वविद्यालय के प्रो. कुंदन कुमार सिंह, प्रो. धीरेंद्र कुमार सिंह, प्रो. दिवाकर पाण्डेय, प्रो. कौशलेंद्र कुमार, डॉ. शशी कुमार सिंह, अहसन , जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर भी होंगे । साथ ही कांग्रेस के भोजपुर जिलाध्यक्ष अशोक राम, शिव कुमार सिंह, सत्य प्रकाश राय प्रो.अरुण कुमार सिंह एवं अन्य गण्यमान्य व्यक्ति भी सम्मिलित होंगे।

लाभार्थी संपर्क अभियान कार्यशाला का हुआ आयोजन

बिक्रमगंज (रोहतास) नगर मंडल में लाभार्थी संपर्क अभियान हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। अवसर पर काराकाट लोक सभा के संयोजक नवीन चंद्र शाह ने संपर्क अभियान से लाभ तथा कार्यकताओं के लिए करणीय कार्यो पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पत्र लाभार्थी तक पहुंचाते हुए अभिवादन करने का आग्रह किया। साथ ही साथ उनसे जुड़ने हेतू 9638002024 नंबर पर मिस कॉल कर उन्हें जुड़ने का निर्देश देते हुए उनके दरवाजे पर एक स्टीकर चिपका लाभार्थियों की समृद्धि तथा मोदी की गारंटी के कार्य उपलब्धि बताने की अपील किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल महामंत्री सुदर्शन प्रसाद वैश्य संचालन चुन्नू कुमार सिंह महामंत्री ने की। मौके पर रूबी कुमारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सदस्य गुड़िया देवी, कंचन देवी, शारदा पांडे, गीता सिंह, उत्तम कुमार सिंह, दिवाकर कुमार द्विवेदी, दयाशंकर पंडित, सत्य प्रकाश तिवारी, विवेक कुमार, पप्पू सेठ, रामजी प्रसाद,सतीश कुमार कुशवाहा की उपस्थिति में राष्ट्रगान के साथ समापन सामग्री का वितरण कार्यक्रम संपन्न हुई।

श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन को लेकर एक बैठक की गई

आरा। मठ मंदिर संरक्षण सह सेवा समिति के द्वारा बड़ी मठिया आरा के प्रांगण में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य मे श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन को लेकर एक बैठक की गई । यह बैठक मठ मन्दिर संरक्षण समिती के अध्यक्ष श्री चंदन ओझा के अध्यक्षता में प्रारम्भ की गयी। सबसे पहले पूर्व में की गयी बैठक के आलोक में लिए गए निर्णयो पर चर्चा की गयी ' अगामी महाशिवरात्री महापर्व के आलोक में चार दिवसीय आयोजन में तीन दिन वृंदावन की कथावाचक पूज्य श्री गंगा मिश्रा जी द्वारा श्रीमद् भागवत कथा कराने और चौथे दिन शिव कथा व शिव विवाह के आयोजन कराने का निर्णय लिया गया ' आयोजन के आय-ब्यय पर भी चर्चा की गयी साथ ही साथ बैठक में उपस्थित पदाधिकारी व कार्यकारणी के सदस्यगणो के द्वारा बैठक में कार्यक्रम को लेकर विभिन्न निर्णय लिया गया ।

फूड एंड नन फूड एफएमसीजी स्टोर का शुभारंभ

पटना। राजधानी के बाईपास थाना अंतर्गत जल्ला हनुमान मंदिर स्थित गुरु गोविंद सिंह लिंक पथ के पास फूड एंड नन फूड (एफएमसीजी) स्टोर डब्लू एम जोन का उद्घाटन स्थानीय समाजसेवी शंकर प्रकाश शर्मा, रमाकांत गिरी एवं सतीश कुमार ने नारियल फोड़ कर किया। इस अवसर पर स्टोर के ओनर कुशल कुमार और देव प्रकाश गिरी ने बताया कि अगले एक महीना तक स्टोर में ऑफर दिए जा रहे हैं। यहां प्रत्येक सामान की खरीदारी पर फ्लैट 7 प्रतिशत की छूट ग्राहकों को दी जा रही है। यह स्टोर सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक खुली रहेगी।

कर्तव्यनिष्ठ सीनेटर संतोष तिवारी का किया गया स्वागत

बक्सर।प्रोफेसर एसके मिश्रा फाउंडेशन के कार्यालय में वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के लोकप्रिय एवं कर्तव्यनिष्ठ सीनेटर संतोष तिवारी जी का आगमन हुआ उक्त अवसर पर शिक्षा के तमाम आयामों पर चर्चा हुई एवं महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय बक्सर पर विस्तार से चर्चा हुई. ज्ञातव्य हो की महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय बक्सर की जमीन का एक भूभाग को एक सम्प्रदाय के लोग द्वारा कब्जा कर लिया गया हैं और उस भूभाग पर पक्का निर्माण भी करा लिया गया हैं. एक ओर जहां महाविद्यालय प्रशासन के नाक के नीचे इस घटना को अंजाम दिया गया है।

3 मार्च को लोकतंत्र बचाओ संविधान बचाओ जन विश्वास रैली तैयारी को लेकर बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। भाकपा माले एमपी बाग गोला मोहल्ला ब्रांच कमेटी का विस्तारित बैठक आज गोला मोहल्ला माले नेता अमित कुमार बंटी(अधिवक्ता) के आवास पर संपन्न हुई। महागठबंधन के द्वारा आयोजित 3 मार्च को लोकतंत्र बचाओ संविधान बचाओ जन विश्वास रैली गांधी मैदान पटना को सफल बनाने का आह्वान किया गया। सीपीआईएमएल के जन संवाद अभियान को सफल बनाने चर्चा हुई 25-02-24 दिन रविवार को सीपीआईएमएल गोला मोहल्ला एमपी बाग ब्रांच कमेटी का विस्तारित बैठक गोला मोहल्ला में आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता पार्षद प्रतिनिधि लालू कुमार ने किया संचालन अधिवक्ता अमित कुमार गुप्ता उर्फ बंटी ने किया बैठक में मुख्य रूप से आगामी जन संवाद अभियान महागठबंधन के द्वारा आयोजित रैली पर चर्चा हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि 28 फरवरी को 3:00 बजे आयोजित पैदल मार्च को सफल बनाना 1 मार्च को मसाल जुलूस को सफल बनाने रैली के सफलता के लिए प्रभात फेरी निकालना पर चर्चा हुई आगामी 3 मार्च को आयोजित रैली में सैकड़ो की संख्या में रैली में भाग लेने का निर्णय लिया गया बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा माले जिला कमेटी के सदस्य अधिवक्ता अमित कुमार गुप्ता उर्फ बंटी ने कहा की बिहार की जनता लड़ेगी तानाशाही हारेगी जनसंवाद अभियान 21 से शुरू होकर 27 फरवरी तक चल रहा है जिसमें माले के युवा विधायक सहित 23 दलित अति पिछड़ा माले नेता कार्यकताओं को भाजपाई साजिश के तहत आजीवन कारावास की सजा हो गई जबकि दलित अतिपिछड़ों गरीबों के हत्या करने वाले खुलेआम घूम रहे उनको बरी कर दिया गया हैं यह वंचित समुदाय के न्याय का संहार है भाजपा चाहे जितनी साजीशे से कर ले उसकी कॉर्पोरेटप्ररशत दमनात्मक व सांप्रदायिक नीतियों के खिलाफ देश की व्यापक जनता उठ खड़ी हो रही है दिल्ली के बॉर्डर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी मान्यता के समर्थन में किसानों का एक बार फिर डेरा डाल दिया है शिक्षा रोजगार के सवाल पर छात्र नौजवान से लेकर ट्रक ड्राइवर स्क्रीन वर्कर सभी तब के मोदी सरकार के खिलाफत संघर्ष के मैदान में है आगामी 24 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को करारी शिकस्त देने का हम सब संकल्प ले बैठक में शामिल प्रमुख लोगों में -अमित कुमार गुप्ता उर्फ बंटी (अधिवक्ता)पार्षद प्रतिनिधि ललू कुमार बिट्टू गुप्ता बबलू सिंह तेज नारायण रजक सोनू सरदार धर्मेंद्र यादव बंटी गुप्ता साधु यादव संजय पाल राजेंद्र प्रसाद सिंनहा विकास गुप्ता कुंदन कुमार पटेल नंदकिशोर राम श्रीधर रौनियार गुप्ता सुनील कुमार चंद्रवंशी भनी यादव एकराम यादव उपस्थित थे- निवेदकअमित कुमार गुप्ता उर्फ बंटी जिला कमेटी सदस्य भाकपा माले भोजपुर अदि मौजूद रहे।

आरपीपीएस स्कूल में प्रतिभा प्रोत्साहन योजना के तहत लिखित परीक्षा आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिले के कोइलवर प्रखण्ड स्थित आरपीपीएस स्कूल में रविवार को प्रतिभा प्रोत्साहन योजना के तहत लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा के लिए चयन किया जायेगा।

परीक्षा के दौरान 95% या 95% से अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को नामांकन, ट्रांसपोर्ट एवं शिक्षण शुल्क नहीं लिया जाएगा। वही 80% से 95% तक अंक लाने वाले छात्र छात्राओं से नामांकन एवं शिक्षण शुल्क नहीं लिया जाएगा। 70% से 80% तक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं का नामांकन एवं शिक्षण शुल्क में 50% की छूट दी जाएगी। 40% से 70% अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं का नामांकन

मुफ्त होगा। वैसे छात्र जिनके पिता या दादा भारतीय रक्षा सेना में कार्यरत हैं उनका नामांकन निःशुल्क होगा। प्रमाण पत्र के रूप का फोटो कॉपी संलग्न करना होगा। विद्यालय के डायरेक्टर रविकांत राय ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य है कि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान बच्चों को सशक्त सांस्कृतिक तत्वपूर्ण एवं मूल्यपरक शिक्षा, पर्यावरण के प्रति चेतना, साहसिक क्रियाओं एवं शारीरिक शिक्षा के साथ-साथ श्रेष्ठ गुणवतायुक्त आधुनिक शिक्षा प्रदान करना तथा यह सुनिश्चित करना कि छात्र विभिन्न भाषाओं में तर्क संगत स्तर की दक्षता प्राप्त कर सके इसलिए हर वर्ष विद्यालय में इस परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

फुटबॉल के फाइनल मुकाबले में कुदरिय ने जोकहरी को चार एक से हराया

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। नेहरू युवा केंद्र भोजपुर के बड़हरा प्रखंड के मां गंगा युवा क्लब के द्वारा दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कुदारिय खेल मैदान में आयोजित किया गया। जिसमें फुटबॉल कबड्डी ,बालीबाल एथलीट में रीले रेस और 1600मीटर बालक वर्ग का दौड बालक वर्ग का गोला फेक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व के मनीष कुमार सिंह मां गंगा युवा क्लब सचिव सिन्हा ने किया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी आनंद पांडे , विशिष्ट अतिथि जिला गंगा समिति नमामि गंगे परियोजना के जिला परियोजना अधिकारी अमित कुमार सिंह,विशिष्ट ,संतोष कुमार तिवारी पूर्व पंचायत समिति नारागद पंचायत उपस्थित रहे। जिला परियोजना अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र युवा कार्यक्रम खेल मंत्री भारत सरकार के द्वारा इसलिए आयोजित किया जाता है कि ग्रामीण स्तर पर युवाओं में खेल की भावना बड़े और खेल के फायदे उन तक पहुंचाया जाए। हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हर एक युवा को खेल के मैदान से जुड़ना होगा । बड़हरा प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा की वर्तमान परिवेश में जिस तरह से युवा आधुनिकता के दौर में संकुचित होते जा रहे हैं और उनकी दूरियां खेल से बढ़ रही है उस समय नेहरू युवा केंद्र का यह प्रयास है कि हर गांव तक इस तरह के खेल के कार्यक्रमों को पहुंचाया जाए जो सराहनीय हैं । क्यू की आगे भी यहां से विजेता खिलाड़ी को जिला स्तर के खेल प्रतियोगितामें भाग लेने का अवसर प्रदान होगा। मिथलेश प्रधान ने कहा कि आज वर्तमान समय में हर युवाओं को अपने व्यक्तिगत जीवन से समय निकालकर खेल को देना चाहिए जिस प्रकार शिक्षा हमारे लिए जरूरी हैं उसी प्रकार खेल आज के खेल में गोला फेंक में प्रथम पुरस्कार सुजीत शर्मा द्वितीय में दुर्गेश ठाकुर , तृतीय रंजित कुमार और रिले रेस में जोकहरी टीम द्वितीय सिन्हा कुमारी, तृतीय पुरस्कार में कुदरिया ,फुटबॉल के फाइनल मुकाबले में कुदरिया ने जोकहरी को चार एक से हराया। कल कबाड़ी का फाइल मुकाबला वि' कुदरिय और नकनमटोला के बिज खेला जाएगा । का संचालन मां गंगा युवा क्लब के अध्यक्ष चंदन कुमार सिंह ने किया ।सफल बनाने में निरहुआ क्लब कुदरिया के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही । मौके पर नागा बाबा युवा क्लब के अध्यक्ष सनी सिंह सचिन कौशिक सिंह राहुल सिंह धनु सिंह कुंदन सिंह सिंह विक्की सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

इस वर्ष भी हिन्दू जागरण मंच आरा भोजपुर द्वारा निकाली जाएगी भव्य शिव बारात

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। हिंदू जागरण मंच द्वारा लगातार शिव बारात को लेकर बैठक आरंभ हो चुका है, इसी क्रम में कल बिंदटोली अस्तिथ सिद्धनाथ बाबा के मंदिर प्रांगण में बैठक संपन्न हुई।

बैठक में पिछले वर्ष के भाती इस वर्ष भी शिव बारात निकलने पर सहमति बनी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने पर चर्चा हुआ तथा शिव बारात का रोड मार्ग तय हुआ कि भोले बाबा की बारात रामगढ़िया अस्तीथ गज्जु लाला शिव मंदिर से सज धज कर बैंड बजा के साथ आरंभ होगी जो की रामगढ़िया मोर से चेता साह मंदिर, अबर पुल, आरण्य देवी मोर, बड़ी चौक, गोपाली चौक, धर्मन चौक, चित्रटोली रोड, टाउन थाना मोर, आर्य समाज मंदिर, नाला मोर, चोधरियाना, श्री राम चौक(सिंदीगेट), बिंद टोली होते हुए सिद्धनाथ बाबा के मंदिर में समाप्त होगी। बैठक में हिंदू जागरण के सभी पदाधिकारी एवं दाईतवान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चैनपुर विधानसभा में विभिन्न गांवों का पूर्व मंत्री सह चैनपुर विधायक ने किया दौरा

प्रात: किरण संवाददाता

कैमूर। रविवार को चैनपुर विधानसभा में विभिन्न गांवों का अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के पूर्व मंत्री सह विधायक मोहम्मद जमा खान द्वारा कई गांव का दौरा किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि भ्रमण के दौरान चैनपुर प्रखंड के मेढ़ गांव निवासी रामगहन का आकस्मिक निधन हो गया था। जहां उनके पीड़ित परिवार से मिलकर ढांढस और हौसला बढ़ाते हुए आर्थिक मदद करने के लिए संतावना दिया गया है।

उन्होंने कहा कि मैं इस कैमूर का बेटा हूं और मेरा पहली प्राथमिकता यहां के लोगों की समस्या को समाधान दिलाना है। जहां अपने विधानसभा में कई सड़के पुलिया एवं नहरो का भी कार्य करवाया जहां के किसान और ग्रामीणों को लाभ मिला है। क्षेत्र में भ्रमण के दौरान वैसे गांव में पहुंच गया जहां के ग्रामीणों की काफी समस्या और वहां तक सरकार की योजना नहीं पहुंच पा रही है। वैसे गांव में सरकार की योजनाओं को धरातल पर लाकर वहां के लोगों को लाभ दिलाया जा सके जो मेरे तरफ से पूरी प्रयास किया जा रहा है। वहीं विभिन्न गांव में लोगों से मिलकर उनके समस्या को सुना और देखा गया है। उनके यहां लाभ पहुंचे सरकार तक उनकी बात पहुंचाने के लिए प्रयास किया जाएगा ताकि लोगों को लाभ मिल सके। विधायक प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार भास्कर जिला प्रतिनिधि चंद्रशेखर गिरी दयाशंकर सिंह अर्जुन राम बाबर खान एवं कबीर खान के साथ कई ग्रामीण भी मौजूद रहे।

सड़क किनारे युवक का शव मिलने से मचा हड़कंप

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के सहजनी टोला के समीप सड़क किनारे एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है। शव की शिनाख्त बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के गोपालपुर के रहने वाले बीरेंद्र राम के पुत्र लखु राम के रुप में की गई है। पुलिस द्वारा परिजनों को सूचना दी गई। इसके बाद परिजन घटनास्थल पर पहुंच शव के साथ सड़क जाम कर पुलिस के विरुद्ध हंगामा किया। जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच परिजनों को समझा बुझाकर सड़क से जाम को हटवाते हुए शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। वही परिजनों ने हत्या कर शव फेंक देने की बात कही है। मृतक के परिजन महेंद्र ने बताया कि लखु राम एक ट्रक पर खलासी का कार्य करता था। कल शाम में युवक किसी के बुलाने पर गया था, फिर लौटा नहीं। जो रविवार को पुलिस द्वारा शव मिलने की जानकारी मिली है। शव मिलने की जानकारी हुई तो परिजनों में कोहराम मच गया। बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया दुर्घटना का लगता हैं।

उधार रुपए के लेन-देन मामलें में व्यक्ति को मारी गोली

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय शहर के धनगाई रोड़ में एसडीओ आवास से महज कुछ ही दूरी पर ही एक व्यक्ति को गोली मार अपराधी फरार हो गए। शनिवार की शाम करीब 7 बजे घटित घटना के बाद स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जिस घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच मामलें की छानबीन में जुट गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि नगर परिषद,बिक्रमगंज के अहमद नगर वार्ड 11 के 27 वर्षीय निवासी आमिर कादिर खां जो धनगाई रोड़ से घर आ रहा था। इसी क्रम में हथियार से लैस पांच की संख्या में कुछ लोग उससे उधार पैसे की मांग करते हुए हथाबाई पर उतर गए। इसके बाबजूद जब बात नही बनी तो अपराधियो ने उसे गोली मार फरार हो निकले। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे जख्मी हालत में शहर के अनुमंडलीय अस्पताल में ईलाज के लिए भर्ती कराया गया।

सांसद ने की सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास): नगर पंचायत काराकाट (गोड़ारी) के नाद गांव में संत शिरोमणी रविदास जयंती के उपलक्ष्य में काराकाट लोकसभा सांसद महाबली सिह द्वारा संत रविदास मंदिर में पुजा अर्चना किया गया । उसके उपरांत सांसद के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया । जिसका संचालन नवल कुमार के द्वारा किया गया । उसके बाद मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र एवं फुलमाला से भव्य स्वागत किया गया । फिर कुछ बच्चियों के द्वारा स्वागत गीत पेश किया गया । साथ ही सांसद को रविदास जी के तैलचित्र को देकर सम्मानित किया गया ।

सांसद ने अपने संबोधन में संत रविदास की जीवनी को याद करते हुए उनके मार्ग पर चलने को कहा । उन्होंने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा । तन मन से पुजा पाठ करने से हर जगह भगवान है ।मौके पर सांसद महाबली सिंह, सांसद प्रतिनिधि सुर्यवंश सिंह कुशवाहा, अजीत सिंह (गोड़ारी भाजपा मंडल अध्यक्ष),नवीनगर सांसद प्रतिनिधि राजाबाबू, रविदास जयंती के अध्यक्ष शाहिल कुमार, सचिव अमृत लाल,उपाध्यक्ष विकास कुमार,कोषाध्यक्ष राजमणि, व्यवस्थापक नवल किशोर, लालबिहारी राम (पशू डॉक्टर), शिक्षक अनिल कुमार पासवान, बबन पासवान एंव नाद गांव के समस्त ग्रामीण लोग मौजूद थे ।

भाजपा नेताओं ने सुनी मन की बात

बिक्रमगंज(रोहतास)। रविवार को काराकाट विधानसभा अंतर्गत प्रखंड बिक्रमगंज के शक्ति केंद्र घुसियां खुर्द बूथ नंबर 98 एवं 99 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात की 110 वीं कड़ी सुनी गई । एवं काराकाट प्रखंड क्षेत्र में सत शरण पब्लिक स्कूल काराकाट में प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात सुनी गई ।प्रधानमंत्री ने स्वयं सहायता समूह के नमो ड्रोन दीदी सुनीता तथा कल्याणी से बातचीत की तो सभी को अच्छा लगा । मन की बात कार्यक्रम समाप्त होने के बाद बूथ कमेटी की बैठक की गई तथा 2 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया गया। प्रधानमंत्री का आगमन औरंगाबाद के रतनुआ में 11 बजे दिन में होगी। बैठक में काराकाट लोकसभा के संयोजक नवीन चंद्र साह, हिंदू क्रांति संघ रोहतास जिला अध्यक्ष मुन्ना पांडेय, भाजपा युवा नेता जोगी शंभू नाथ, काराकाट मंडल पूर्व अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, लाल बिहारी चौधरी ,रौशनी कुमारी , बबन महतो ,संगम कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे । आगामी चुनाव के मद्देनजर 3 महीने तक यह कार्यक्रम स्थापित रहेगा ।

सात दिवसीय उर्स मेले का पूर्व मंत्री करेंगे उद्घाटन आज

प्रात: किरण संवाददाता

दुर्गावती। यूपी बिहार बॉर्डर पर दुर्गावती प्रखंड अंतर्गत खजुरा पड़ाव सरैंया गांव स्थित हजरत अंजान शहीद बाबा के उर्स पर आयोजित सात दिवसीय मेले का आज यानी सोमवार को पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जामा खान उद्घाटन करेंगे ।इस मौके पर कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे ।दरअसल हजरत अंजान शहीद बाबा का सालाना उर्स प्रत्येक वर्ष तीन मार्च को मनाया जाता है ।उर्स के मौके पर बाबा के दरगाह पर सात दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है।

इस मेले का उद्घाटन आज 26 फरवरी को शाम 6:00 बजे पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जामा खान के द्वारा किया जाएगा ।यह मेला 26 फरवरी से लगातार 3 मार्च तक चलता रहेगा ।मेले में कई प्रकार के टॉप झूला, ब्रेक डांस झूला,क्रश झूला कोलंबस झूला,ड्रैगन सिलेबे झुला आदि लगे है ।वहीं उर्स के दिन तीन मार्च को सुबह कुरआन ख्वानी, सायं चादर पोशी एवं रात्रि आठ बजे से अजमत आफताब वारसी बच्चा कौव्वाल अमरोहा यूपी तथा मोबीन साबरी कव्वाल वाराणसी यूपी के बीच कौव्वाली का शानदार मुकाबला होगा। बताते चलें कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हजरत अंजान शहीद बाबा का सालाना उर्स धूमधाम से मनाया जा रहा है. इस अवसर पर यूपी बिहार के काफी संख्या मे जायरीन पहुंचते हैं तथा चादर पोशी में शामिल होकर मुल्क की तरक्की एवं खुशहाली के लिए दुआ करते है तथा रात्रि में कव्वाली का आनंद लेते हैं। तथा उर्स के मौके पर लगने वाले मेले में आकर लोग लुफ्त उठाते हैं।

जिला पार्षद विकास सिंह ने जूता कारखाना का किया उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

कैमूरः भभुआ अखलासपुर शहर बस स्टैंड के समीप चंदन जूता कारखाना का उद्घाटन जिला पार्षद विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल ने फीता जोड़कर उद्घाटन किया।

मौके पर उपस्थित जिला परिषद सदस्य विकास ने बताया कि भभुआ प्रखंड के कोरी गाँव के श्री भगवान राम का पुत्र चंदन कुमार जो बेरोजगार है अपनी रोजी-रोटी को चलाने के लिए जुते का कारखाना शुरू किया ।हालांकि सरकार की तरफ से अभी कोई राशि प्राप्त नहीं है ।लेकिन सरकार की चल रही तमाम तरह की योजनाएं से इनको को जोड़ा जाएगा इससे उनको व्यवसाय करने में उनका काफी सहूलियत मिलेगी ।युवा वर्ग चाहे जैसे भी सकारात्मक दिशा में चले उनको हर संभव मदद किया जाएगा ।बेरोजगार युवा व्यवसाय के लिए भी आ गया है सरकार के द्वारा चल रही तमाम उद्यमी योजना का लाभ उनको दिलवाया जाएगा ।वही मौके पर, गौतम खरवार, पीतांबर राम, किशोर सिंह, भगवान राम, नंदकिशोर सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

11 हजार वोल्ट करंट के चपेट में आने से व्यक्ति झुलसा

प्रात: किरण संवाददाता

नावानगर (बक्सर) भारत प्लस एथेनॉल कंपनी के सीएमडी सह उद्योगपति अजय कुमार सिंह ने पटना से बक्सर अपने कंपनी में जाने के क्रम में भोजपुर जिले के कारीसाथ के पास सड़क किनारे पूरी तरह से जलकर जख्मी हुए तड़पते युवक की जान बचाकर मानवता का मिशाल कायम किया है ।इस संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय सिंह अपने सुरक्षा गार्ड एवं ड्राइवर के साथ अपने निजी वाहन से पटना से बक्सर जा रहे थे कि आरा से 15 किमी लगभग बक्सर की तरफ कारीसाथ के पास रोड के किनारे एक व्यक्ति पूरी तरह जलकर जख्मी अवस्था में तड़पता हुआ दिखाई दिया। जो बिजली के 11 हजार वोल्ट के करंट की चपेट में आ गया था। जिसके कारण उसके पूरे शरीर में करंट लगने से जख्मी हो गया था सड़क किनारे ग्रामीणों के भीड़ लगे हुए थे। युवक जख्मी हालत में पड़ा हुआ था। जहां उसका कमर सहित अन्य हाथ पैर जलने के कारण खून निकल रहे थे ।जहां अजय सिंह ग्रामीणों व अपने निजी गार्डो के मदद से टेंपो रोकवाकर इलाज के लिए नजदीक के अस्पताल में भेजा ।जहां युवक की जान बची। जबकि सीएमडी अजय सिंह ने बताया कि अगर हम सही समय पर गाड़ी को रोककर तड़पते युवक को नहीं उठाया। लेकिन ग्रामीणों की मदद से अस्पताल नहीं भेज युवक की जान अब बचती नजर आ रही है। वही एक तरफ अजय सिंह मानवता की मिशाल कायम किया।

लाभार्थी संपर्क अभियान के तहत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

काराकाट (रोहतास)। काराकाट लोकसभा क्षेत्र के अन्तर्गत काराकाट मंडल एवं गोडारी मंडल के प्रमुख कार्यकताओं का लाभार्थी संपर्क अभियान के लिए प्रशिक्षण प्रयोजनार्थ कार्यशाला का आयोजन सत शरण पब्लिक स्कूल काराकाट एवं गोडारी मण्डल कार्यालय में किया गया। प्रशिक्षण में कार्यकताओं को लाभार्थियों से संपर्क कर प्रधानमंत्री मोदी का प्रणाम व राम राम बोलने के साथ लाभार्थियों के समक्ष विभिन्न विषयों को रखने का टिप्स दिया गया । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ने के लिए 9 63 80 02024 पर मिस कॉल करने लाभार्थी के साथ सेल्फी फोटो खींचकर सरल ऐप पर लोड करने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काराकाट लोक सभा लाभार्थी योजना संयोजक अश्वनी तिवारी सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री ने 'शहीद स्मारक' का किया उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

आराः केंद्रीय मंत्री (विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा) आर.के. सिंह ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में एनटीपीसी की सीएसआर नीति के तहत 'शहीद स्मारक' का उद्घाटन किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आरा की जनता को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, आप जैसे लाखों सैनिकों के माता-पिता की वीरता और समर्पण के कारण आज हमारी सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेनाओं में से एक है। आपने अपने साहस और समर्पण से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में जो परंपरा स्थापित की है, वह अतुलनीय है। देश पर संकट चाहे शत्रुओं के कारण आया हो या प्रकृति के कारण; हमारे सैनिकों ने हमेशा पहली मार झेली है। हमारे सैनिक सबसे पहले चुनौती स्वीकार करते हैं और इसका सबसे प्रभावी जवाब देते हैं। सिंह के मार्गदर्शन में एनटीपीसी के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक श्री सुदीप नाग ने देश की अखंडता की रक्षा करते हुए शहीद हुए शाहबाद क्षेत्र के 21 वीर सपूतों के परिजनों को शाल एवं नवनिर्मित शहीद स्मारक की प्रतिकृति देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, नया हिंदुस्तान, नया भारत आज नई रीति, नई नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। यह विश्व पटल पर मजबूती से अपनी भूमिका तय कर रहा है और इसमें बहुत बड़ा योगदान आरा के वीर सपूतों की वीरता, अनुशासन और समर्पण का है। हमारी सरकार सिर्फ वादे नहीं करती बल्कि उन्हें समय पर लागू भी करती है। हमने गांव के विकास कार्यो के अलावा आरा शहर में एनटीपीसी को चार विकास कार्य दिये थे, जिनमें समाहरणालय छठ घाट और शहीद स्मारक, जिसके उद्घाटन समारोह में हम सब बैठे हैं, पर आठ हाईमास्ट लाइटें समय पर पूरी हो गयीं. रमना मैदान के सौंदर्यीकरण का काम लगभग पूरा हो चुका है और आज धरहरा नहर के सौंदर्यीकरण का काम भी शुरू कर दिया गया है. इससे साबित होता है कि मैंने आप सभी से विकसित आरा का जो सपना देखा था, वह तेजी से पूरा होने की ओर बढ़ रहा है और आगे भी होते रहेगा।

एनटीपीसी की सीएसआर नीति के तहत आरा के जिला सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर में 26 लाख रुपये की लागत से 'शहीद स्मारक' का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

उद्घाटन समारोह में मौजूद शहीदों के परिजनों ने कहा कि एक जवान देश के लिए शहीद होता है और जब उनकी याद में इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है तो दिल खुश हो जाता है. जिस तरह हम अपने घरों में भगवान की पूजा करते हैं, उसी तरह शहीद जवानों की भी हर घर में पूजा होनी चाहिए। यह हमारे लिए बड़े गर्व एवं खुशी की बात है कि श्री सिंह ने शहीद स्मारक की हमारी मांग पूरी की। इसी समारोह में श्री सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से धरहरा नहर के सौंदर्यीकरण कार्य का भी शिलान्यास किया. एनटीपीसी द्वारा अपने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत कुल 16.75 करोड़ रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण का कार्य जल्द ही पूरा किया जाएगा।

ऑपरेशन वैलेंटाइन पर मानुषी ने की खुलकर बात

अभिनेत्री मानुषी छिल्लर और वरुण तेज अपनी आगामी फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन को लेकर लंबे समय से सुर्खियों में बने हुए हैं। बीते दिनों निर्माताओं ने इस फिल्म का ट्रेलर जारी किया। दर्शकों देशभक्ति की भावना से भरपूर ट्रेलर को देखकर फिल्म दिखने के लिए उत्साहित हो गए हैं। वहीं, अब मानुषी छिल्लर ने अपनी फिल्म के बारे में खुलकर बात की। मानुषी ने अपनी ऑपरेशन वैलेंटाइन फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, फिल्म में किरदारों को वास्तविक दिखाने में मदद करने के लिए भारतीय वायु सेना टीम से कोई हमारे साथ था। जब भी हमें आवश्यकता होती थी, तो वे हमें अच्छे से बताते थे। उन्होंने आगे बताया कि जब भी मैं अपने रडार अधिकारी के किरदार में शूटिंग करती थी, तो वे पहले ही बता देते थे कि एक रडार अधिकारी को कैसे कार्य करना चाहिए।

वायु सेना के बारे में जानने का मिला

उन्होंने आगे अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, इस फिल्म से मैंने बहुत कुछ सीखा है। इस फिल्म में एक रडार अधिकारी कैसे काम करते है और वायु सेना में क्या-क्या होता है, यही नहीं मुझे विमान के बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिला कि कैसे उड़ाते हैं। मेरे लिए यह पूरी तरह से एक नई दुनिया थी, जिसका अनुभव बहुत अच्छा रहा। हालांकि, मैं एक डीआरडीओ की बेटी हूं, तो जाहिर है कि मैं इन चीजों के बारे में अच्छे से जानती हूं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

ऑपरेशन वेलेंटाइन के बारे में बात करें, तो यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। इस फिल्म में वरुण तेज ने अर्जुन देव की भूमिका निभाई है। वहीं, मानुषी छिल्लर एक रडार अफसर के किरदार में हैं। ऑपरेशन वेलेंटाइन सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस, संदीप मुड्डा की रेनेसां पिक्चर्स द्वारा निर्मित और गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट (वकील खान) और नंदकुमार अब्बिनेनी द्वारा सह-निर्मित है।

यामी गौतम ने बताया कैसे की प्रेग्नेंसी में आर्टिकल 370 की शूटिंग

विकी डोनर से रातों-रात चर्चा में आईं यामी गौतम बॉलिवुड की उन अभिनेत्रियों में से हैं जो फिल्म दर फिल्म मजबूत भूमिकाओं के जरिए न केवल बड़े पर्दे बल्कि ओटीटी पर भी एक समर्थ अभिनेत्री के रूप में अपना मुकाम बना चुकी हैं। हाल ही में अपनी प्रेग्नेंसी से चर्चा में आईं यामी आर्टिकल 370 जैसे मुद्दे वाली फिल्म में नजर आ रही हैं।

हाल ही में आपने अपनी प्रेग्नेंसी का खुलासा किया, कैसा है ये अहसास कि आप जल्द ही मां बनने वाली हैं?

बहुत ही खूबसूरत अहसास है। अगर आपको मदर नेचर को सबसे करीब महसूस करना है, तो ये रास्ता सबसे खूबसूरत और पवित्र है। बहुत अच्छा लग रहा है। हम सब बहुत खुश हैं और मुझे लगता है, हम सबको बहुत खुश ही रहना चाहिए। बहुत ज्यादा नहीं सोचना चाहिए। मैं इस वक्त ओवर थिंक नहीं करना चाहती। मैं बहुत ज्यादा इंटरनेट पर नहीं रहती। मुझे लगता है, आपको बस फ्लो के साथ बहते जाना है। ऐसे समय में अपना ध्यान सही जगह पर लगाना है। आपकी बॉडी खुद आपको गाइड करती है। आपको तो बस खुश रहना है। अच्छा पढ़ना है, अच्छा देखना है, जो मैं कर रही हूं।

बीते दिनों देखने को मिला कि एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आपके पति आदित्य धर (लेखक-निर्देशक) आपका बहुत खयाल रख रहे थे। अब तो आप दोनों ही जिंदगी के बहुत खूबसूरत मोड़ पर हैं?

खयाल तो वे हमेशा से ही रखते आए हैं। हां, पहली बार हम मीडिया के सामने इस तरह से आए, तो सबको पता चल गया। आदित्य बहुत केयरिंग हैं। उनके साथ कहीं न कहीं मैं खुद को डिवाइन पावर में पाती हूं। जब मुझे अपनी प्रेग्नेंसी का पता चला, तो आदित्य मेरे साथ शूट पर ही थे। ये तो अच्छा हुआ कि हम एक्शन सीन्स पहले ही फिल्मा चुके थे। सारी ट्रेनिंग हो चुकी थी। बस एक्सटीरियर शॉट्स बाकी थे। उस वक्त भी आदित्य मेरे साथ थे। शूटिंग पर भी मेरा परिवार आता-जाता रहा। वो ऐसा समय होता है, जब आप परिवार के अलावा ये चीजें किसी और के साथ शेयर भी नहीं कर सकते। ये बहुत निजी होता है। वैसे भी आदित्य और मैं काफी प्राइवेट हैं। हम निजी जिंदगी से जुड़ा कुछ भी सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करते।

एक लंबे अरसे से हम कश्मीर के विषय वाली फिल्में देखते आ रहे हैं। आपकी फिल्म आर्टिकल 370 की बात करूं, तो इसमें क्या नया देखने को मिलेगा?

2019 में हम सभी ने खबरों में देखा पार्लियामेंट सेशन, जब ये एब्रीगेट हुआ कि इनके जो क्लॉज हैं, अब वे लागू नहीं होंगे। हालांकि मैं कश्मीरी नहीं हूं, इसके बावजूद हम सभी को लगा कि ये हाई टाइम था, ये जरूरी था, मगर उसी समय हमें पता नहीं था कि इसका मतलब सिर्फ उतना ही है, जितना पब्लिक डोमेन में है। इसे नैशनल इवेंट के रूप में क्यों सेलिब्रेट किया जाता है? इसके पीछे की जो टीम है, ये उनकी कहानी है। आर्टिकल 370 का बैकग्राउंड क्या है? इसे निरस्त करने के क्या परिणाम हुए? कहानी में डिफेंस, पीएमओ, आर्मी, एएनआई जैसे तमाम विभागों की सिंफनी हैरत में डाल देती है। आज के सोशल मीडिया के दौर में मिशन की इंटिग्रिटी को बनाए रखना अपने आप में बहुत दिलचस्प था। मुझे लगा ये कहानी दर्शकों तक जरूर आनी चाहिए। मैं इसमें एएनआई की अफसर बनी हूं, मैंने इसके लिए कड़ी ट्रेनिंग की। मैंने अपना वजन भी कम किया।

करीना, तबु और कृति स्टारर 'क्रू' में दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा भी नजर आएंगे

तबु, करीना कपूर और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'क्रू' का टीजर रिलीज हो चुका है। फिल्म में तीनों एक्ट्रेस एयर होस्टेस के रोल में नजर आएंगी। तीनों के अलावा इसमें एक्टर दिलजीत दोसांझ भी अहम रोल में नजर आएंगे। वहीं कपिल शर्मा का गेस्ट अपीयरेंस होगा।

कुर्सी की पेट बांध लें

शनिवार को फिल्म का टीजर शेयर करते हुए कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कुर्सी की पेटी बांध लें, क्योंकि यहां का तापमान आपके लिए बहुत गर्म होने वाला है।'

किसी क्राइम में फंसती नजर आईं तीनों एयर होस्टेस

1 मिनट 38 सेकेंड के इस टीजर की शुरुआत तबु के वॉइस ओवर से होती है। वो कहती हैं.. कहते हैं एक चींटी ही काफी है हाथी को मारने के लिए और यहां तो तीन-तीन हैं। इस सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म में तीनों एक्ट्रेस झूठ पर झूठ बोलतीं और खुद किसी क्राइम में फंसती नजर आ रही हैं।

29 मार्च को होगी रिलीज

राजेश कृष्णन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 29 मार्च को थिएटर्स में रिलीज होगी। इसे एकता कपूर, शोभा कपूर, अनिल कपूर और रेहा कपूर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में पहली बार करीना, तबु और कृति साथ नजर आएंगी।

अपनी बेटी के चलते शाहिद ने छोड़ी स्मोकिंग

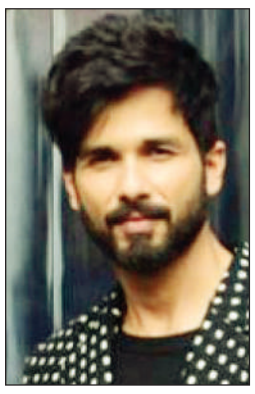

गत वर्ष सिनेमा के परदे से दूर रहे शाहिद कपूर ओटीटी प्लेटफार्म पर छाए रहे। गत वर्ष शाहिद कपूर वेब सीरीज फर्जी और अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी फिल्म ब्लडी डैडी में नजर आए थे। इस वर्ष उनकी एक फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया प्रदर्शित हुई है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी सफलता प्राप्त कर ली है। शाहिद जितना दम अपनी एक्टिंग में लगाते हैं उतना ही वे परिवार के लिए भी समर्पित हैं। शाहिद की शादी मीरा राजपूत के साथ हुई है और उनके एक बेटा जैन व एक बेटी मीशा है। शाहिद ने खुलासा किया है कि उन्होंने बेटी की वजह से स्मोकिंग की गंदी आदत छोड़ दी। एक्ट्रेस नेहा धूपिया के चैट शो 'नो फिल्टर नेहा' के छठे सीजन के पहले एपिसोड में शाहिद ने बताया कि जब मैं स्मोक करता था तो बेटी से छिपकर ऐसा करता था। बस यही वजह है कि मैंने स्मोकिंग छोड़ दी।

खेल खेल में की शूटिंग के लिए उदयपुर पहुंचे अक्षय

कुमार, तापसी पन्नू के साथ पूरा करेंगे शेड्यूल

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म में वे टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगे। एक ओर जहां अक्षय बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अब वे अपनी अगली फिल्मों की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। अक्षय अब दोबारा फिल्म खेल खेल में की शूटिंग शुरू कर चुके हैं।

फैंस ने किया जोरदार स्वागत

अक्षय कुमार अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ खेल खेल में की शूटिंग करने के लिए उदयपुर पहुंच चुके हैं। सोशल मीडिया पर अभिनेता के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें खिलाड़ी कुमार उदयपुर में रेडिसन प्रॉपर्टी की ओर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं इस दौरान अभिनेता ने अपने कई फैंस से भी मुलाकात की और उनके साथ तस्वीरें भी खींचवाईं। इस दौरान अक्षय काले रंग का कैजुअल आउटफिट पहने नजर आए।

फिल्म के कलाकार

वहीं बात करें फिल्म की तो खेल खेल में टीम ने पिछले साल लंदन में फिल्म के कुछ हिस्से की शूटिंग भी की थी। अक्तूबर 2023 में अक्षय ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट का एक वीडियो साझा किया था।फिल्म में अक्षय कुमार और तापसी पन्नू के साथ फरदीन खान और वाणी कपूर, आदित्य सील भी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म 2016 में रिलीज हुई इटालियन फिल्म परफेटी स्कोनोसियुटी का भारतीय रीमेक है।

वहीं बात करें अक्षय कुमार की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वे टाइगर श्रॉफ के साथ बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगे, जो अप्रैल में ईद के मौके पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इसके अलावा अक्षय, अहमद खान के निर्देशन में बन रही फिल्म वेलकम टू द जंगल में भी नजर आएंगे। इसमें अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज और परेश रावल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। वहीं अक्षय के पार सरफिरा, हेरा फेरी 3 भी हैं।

निर्देशक के अलावा खुद को पत्रकार मानते हैं एटली

एटली कुमार देश के सबसे लोकप्रिय निर्देशकों में से एक हैं। पिछले साल रिलीज हुई उनकी फिल्म जवान ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। फिल्म की कहानी दर्शकों को खूब पसंद आई थी। यह 2023 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। हाल ही में, एटली ने फिल्मों में हिंसा के महिमामंडन पर प्रतिक्रिया दी है और इसे डॉक्टर का इंजेक्शन बताया है।

एटली के निर्देशन में बनी जवान और बाकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर भले ही हिट रही हो, लेकिन दर्शकों की आलोचना से अछूती नहीं रही हैं। यही नहीं, सोशल मीडिया पर निर्देशक की फिल्मों को हिंसा का महिमामंडन करने का टैग भी दे दिया गया है। अब हाल ही में, निर्देशक ने इस विषय पर खुलकर बात की है और अपनी तुलना एक पत्रकार से की है।

एटली ने कहा, एक समाचार चैनल हिंसक फुटेज क्यों दिखाता है? दुनिया को सच्चाई दिखाने के लिए न कि हिंसा के उद्देश्य से। उदाहरण के तौर पर जवान में हमने किसानों की आत्महत्या को स्क्रीन पर अच्छे से दिखाया है। हम भले ही पेपर में पास हो गए हों, लेकिन एक फिल्म निर्माता के तौर पर मैं एक मीडियाकर्मी भी हूं। मैं भी आपका ही एक हिस्सा हूं. मेरे पास एक आवाज है। उन्होंने आगे कहा, जब मैं स्क्रीन पर एक किसान की आत्महत्या कैसे हो रही है तो यह आपके दिल में बैठ जाती है और यह कुछ बदलाव लाती है। मेरा मानना है कि फिल्मों में हिंसा दिखाना डॉक्टर के इंजेक्शन की तरह होती है, जो कभी-कभी फिल्मों के लिए सही साबित होती है ।यह बेहतर इलाज के लिए है, आप सभी बीमारियों का इलाज गोलियों से नहीं कर सकते। एटली ने बताया, मैं पीढ़ी को सिखाना चाहता हूं कि अगर कोई कुत्ते के साथ कुछ भी गलत करता है तो वह एक अच्छा इंसान नहीं है। दुर्भाग्य से, यह सब हिंसा के क्षेत्र में आता है, लेकिन यह कड़वा सच है।

पहली एक्शन फिल्म में काम करने के लिए उत्साहित हैं कियारा

अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी प्रोफेशलन लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने जा रही फिल्म डॉन 3 में कियारा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म में वे रणवीर सिंह के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। वहीं, अब हाल ही में कियारा ने अपनी एक्शन फिल्म डॉन 3 के बारे में खुलकर बात की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह फिल्म उनकी पहली एक्शन फिल्म होगी।

डॉन 3 में काम करने के उत्साहित हैं कियारा

कियारा ने डॉन 3 में काम करने को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे करियर के लिए अच्छा निर्णय है। बहुत समय से मैं एक ही शैली में काम कर रही थी। हालांकि, मैं अब कुछ अलग किरदार करने के बारे में सोच रही थी। अब मुझे वह अवसर मिल गया है। मैं इस फिल्म में काम करने के लिए उत्सुक हूं। डॉन 3 के लिए मुझे काफी तैयारी करनी होगी। हालांकि, मैंने कभी कोई एक्शन फिल्मों में काम नहीं किया है। यह पहली बार है, जब मैं किसी एक्शन फिल्म में काम करने जा रही हूं।

अगस्त में शुरू होगी डॉन 3 की शूटिंग!

रिपोर्ट्स के मुताबिक डॉन 3 की शूटिंग इस साल अगस्त महीने में शुरू हो सकती है। फिलहाल फिल्म की टीम प्री-प्रोडक्शन की तैयारियां जोर शोर से कर रही हैं। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, डॉन 3 की टीम फिलहाल इस फिल्म की कास्टिंग कर रही है और इसका प्री-प्रोडक्शन अगले महीने शुरू होने वाला है। डॉन 3 में रणवीर सिंह और कियारा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, सूत्रों के मुताबिक इमरान हाशमी इस फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी इस खबर पर मेकर्स ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

1 शेयर को 2 हिस्सों में बंटवारा

नईदिल्ली। कापरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेडके शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी बोनस शेयर भी दे रही है। इसके लिए पहले से तय रिकॉर्ड डेट में अब ज्यादा दिन का समय नहीं बचा है। आने वाले कुछ दिनों में शेयर बाजार में कंपनी एक्स-स्प्लिट स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 2 हिस्सों में बांटा जाएगा।

मार्च में है कई छुट्टियां

नईदिल्ली। मार्च के महीने में कई ऐसे दिन आएंगे जब बैंक रहेंगे। ऐसे में अगर कोई जरूरी अगले महीने है तो पहले से ये चेक कर लें कि आपका स्थानीय बैंक खुला है या नहीं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से जारी छुट्टियों के अनुसार अगले महीने अलग-अलग राज्यों को मिलाकर 14 दिन बैंक बंद रहेंगें।

संक्षिप्त समाचार

वीरहेल्थ केयर ने हेल्थकेयर सॉल्यूशंस बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी विस्तार परियोजना का अनावरण किया

मुंबई, एजेंसी। वीरहेल्थकेयर लिमिटेड आयुवीर ब्रांड के तहत आयुर्वेदिक, हर्बल एवं कॉस्मेटिक हेल्थकेयर और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की एक प्रमुख प्रदाता, ने 33 करोड के प्रस्तावित निवेश के साथ अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार योजना की घोषणा की है. यह निवेश जमीन के अधिग्रहण, भवन के निर्माण, प्लांट एवं मशीनरी की खरीदी और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट सहित विभिन्न पहलुओं में किया जाएगा. इस विस्तार का वित्त पोषण करने के लिए, वीरहेल्थ केयर बैंक कर्ज के मार्फत 8 करोड एकत्र करेगी. इसके अतिरिक्त निदेशक मंडल ने वित्तीय संसाधन बढ़ाने के लिए नए इक्विटी शेयर जारी करने के व्यूहात्मक कदम को मंजूरी दे दी है. वीरहेल्थ केयर 15 प्रीमियम सहित 25 प्रति शेयर मूल्य पर 99,99,238 नए शेयर्स जारी करेगी. यह राइट इश्यू 1:2 अर्थात कंपनी के प्रमोटरों सहित मौजूदा शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक दो शेयरों के लिए एक इक्विटी शेयर के अनुपात में ऑफर किया गया है. इस व्यूहात्मक कदम से ना सिर्फ वीरहेल्थ केयर की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी बल्कि इससे हमारे शेयरधारकों के लिए वैल्यू अधिकतम करने की हमारी प्रतिबद्धता भी रेखांकित होती है. विस्तार परियोजना हेल्थकेयर सेवाओं में उत्कृष्टता की दिशा में हमारी यात्रा में महत्वपूर्ण माइलस्टोन को दर्शाती है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, वीरहेल्थ केयर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री भाविन शाह ने कहा, हम वीरहेल्थ केयर लिमिटेड के विस्तार प्रोजेक्ट की घोषणा कर रोमांचित है, जो हमारी ग्रोथ और सफलता की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम का आगे बढ़ना दर्शाता है. यह निर्णय नई क्षमता बढ़ाकर हमारे ग्राहकों को बेहतर हेल्थकेयर सॉल्यूशंस ऑफर करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है. जमीन का अधिग्रहण कर, नई सुविधा स्थापित कर और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी में निवेश कर हमारा उद्देश्य हेल्थ केयर उद्योग में हमारी स्थिति और मजबूत करना है साथ ही साथ हमारे समुदाय की बेहतर सेवा करना है. हमें विश्वास है कि इस विस्तार से ना सिर्फ हमारी कंपनी को फायदा होगा बल्कि इससे बड़े पैमाने पर हेल्थकेयर इकोसिस्टम में भी योगदान होगा.

1 शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। डिविडेंड देने वाली कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। सनोफी इंडिया ने 1 शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया है। जिसमें अब ज्यादा दिन बचा है। आइए डीटेल्स में जानते हैं इस डिविडेंड देने वाले स्टॉक के विषय में - सनोफी इंडिया ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। कंपनी ने इस डिविडेंड के लिए 7 मार्च 2024 को रिकॉर्ड डेट तय किया है। योग्य निवेशकों को कंपनी 20 मार्च 2024 के बाद डिविडेंड दे सकती है। कंपनी ने 117 रुपये प्रति शेयर के हिसाब डिविडेंड देने की सलाह दी है। इस पर अंतिम फैसला कंपनी की तरफ से 68वीं एनुअल जनरल मीटिंग में किया जाएगा। कंपनी ने इस डिविडेंड के लिए 24 मई 2024 तय किया गया है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर 9132.75 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 9.77 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने से होल्ड करने वाले इंवेस्टर्स को अबतक 27 प्रतिशत से अधिक का लाभ हो चुका है। बता दें, पिछले एक साल में कंपनी ने शेयर बाजार में पोजीशनल निवेशकों को 56 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।
बीएसई में कंपनी का 52 वीक हाई 9370.35 रुपये है। वहीं, 52 वीक लो लेवल 5329.70 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 21,032.72 करोड़ रुपये का है।

रवींद्रन ही नहीं, मस्क और जॉब्स समेत कई फाउंडर्स को उन्हीं की कंपनी ने कर दिया था चलता

नईदिल्ली, एजेंसी। बायजू के निवेशकों के एक ग्रुप ने कंपनी के फाउंडर और सीईओ बायजू रवींद्रन को बाहर कर दिया है। इस एडटेक स्टार्टअप कंपनी के निवेशकों की शुक्रवार को हुई ईजीएम में यह फैसला किया गया। हालांकि रवींद्रन ने शनिवार को स्टाफ को लिखी एक चिट्ठी में कहा कि वह अब भी कंपनी के सीईओ हैं और कंपनी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। रवींद्रन और उनके परिवार के सदस्यों ने ईजीएम को अवैध बताते हुए इसमें हिस्सा नहीं लिया। यह पहला मौका नहीं है जब किसी कंपनी का फाउंडर को ही बाहर का रास्ता दिखाया गया है। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क और ऐपल के फाउंडर स्टीव जॉब्स को भी उनकी कंपनी ने बाहर कर दिया था।

एलन मस्क-एक्स.कॉम

एलन मस्क दुनिया के सबसे बड़े रईस हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कभी उन्हें भी अपनी ही कंपनी से बाहर होना पड़ा था। मस्क ने 1999 में एक कंपनी बनाई थी जिसका नाम एक्स.कॉम था। यह एक ऑनलाइन बैंक था। लेकिन कंपनी के निवेशकों ने मस्क को सीईओ पद से हटा दिया। वे चाहते थे कि आईपीओ आने से पहले कंपनी की कमान किसी अनुभवी आदमी के हाथ में होनी चाहिए। दिसंबर 1999 में बिल हैरिस को कंपनी का सीईओ बनाया गया। कुछ दिन बाद कंपनी का कोफिनिटी के साथ मर्जर हो गया और मस्क की फिर से कंपनी में वापसी हुई।

स्टीव जॉब्स-ऐपल

ऐपल मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है। इसकी स्थापना 1976 में स्टीव जॉब्स और स्टीव वोज्नियाक ने की थी। लेकिन 1985 में स्टीव को उन्हीं की कंपनी ने चलता कर दिया। हालांकि 1990 के दशक के अंत में उन्होंने सीईओ के तौर पर कंपनी में वापसी

जैक डोर्सी-ट्विटर

जैक डोर्सी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर 2006 में माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर यानी एक्स की स्थापना की थी जिसके मालिक अब एलन मस्क हैं। डोर्सी इसके सीईओ बनाए गए। लेकिन बोर्ड से मतभेदों के कारण 2008 में सीईओ पद से हटा दिया गया। साल 2015 में उन्होंने फिर से ट्विटर में वापसी की। लेकिन 2021 में सीईओ का पद छोड़ दिया। इसके बाद भारतीय मूल के पराग अग्रवाल कंपनी के सीईओ बने। लेकिन पिछले साल मस्क ने इसे 44 अरब डॉलर में खरीदने के बाद पराग की भी छुट्टी कर दी।

ट्रैविस कलानिक-उबर

ट्रैविस कलानिक अमेरिका के बिजनसमैन हैं। उन्होंने 2009 में राइड हेलिंग कंपनी उबर की स्थापना की थी। लेकिन 2017 में कई विवादों के कारण कलानिक को कंपनी के सीईओ पद से इस्तीफा देना पड़ा। अब वह सिटी स्टोरेज सिस्टम्स के चीफ एग्जीक्यूटिव है। यह कंपनी फंसी हुई रियल एस्टेट कंपनियों को रिडेवलप करती है।

सैम ऑल्टमैन-चैटजीपीटी

चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपन एआई ने पिछले साल नंवबर में अपने ही फाउंडर सैम ऑल्टमैन को कंपनी से बाहर कर दिया था। कंपनी के इस फैसले से पूरा टेक वर्ल्ड एक तरह से सदमे में चला गया था। हालांकि पांच दिन बाद ही उनकी अपने पद पर वापसी हो गई थी। कंपनी के कर्मचारियों और निवेशकों ने उनकी वापसी के लिए काफी संघर्ष किया था। आखिरकार बोर्ड को उन्हें वापस लेना पड़ा था।

जैरी यांग-याहू

इंटरनेट सर्च इंजन और वेब सर्विसेज प्रोवाइडर याहू की स्थापना जैरी यांग और उनके दोस्तों ने की थी। 2008 में जब माइक्रोसॉफ्ट ने इस कंपनी को खरीदने की कोशिश की तो यांग ने कंपनी के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद भी वह कपनी में चीफ बने रहे। चार साल बाद जब शेयहोल्डर्स ने कंपनी को बेचने की कोशिश की तो यांग ने इसका विरोध करते हुए हमेशा के लिए कंपनी को अलविदा कह दिया।

सचिन और बिन्नी बंसल-फ्लिपकार्ट

देश की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट की स्थापना अक्टूबर 2007 में सचिन और बिन्नी बंसल ने की थी। दोनों ने आईआईटी दिल्ली से पढ़ाई करने के बाद ऐमजॉन में काम किया था। 2018 में जब वॉलमार्ट इसमें हिस्सा खरीदने के बातचीत कर रही थी तो सचिन बंसल की बोर्ड से अनबन हो गई। उन्होंने कंपनी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी। इसके बाद बिन्नी बंसल ने भी कंपनी से रिजाइन दे दिया।

अशनीर ग्रोवर-भारतपे

फिनटेक कंपनी भारतपे के फाउंडर और एमडी अशनीर ग्रोवर को भी अपनी ही कंपनी से बड़े बेआबरू होकर रुखसत होना पड़ा। उन पर कई तरह की धांधली और अनियमतताओं के आरोप थे। आरोप था कि ग्रोवर परिवार और उनके संबंधियों ने कंपनी के फंड का गलत इस्तेमाल किया। इसके लिए फर्जी वेंडर क्रिएट किए गए और उनके सहारे कंपनी के एक्सपेंस अकाउंट से से पैसे निकाले गए। इस तरह ग्रोवर परिवार ने लग्जरी लाइफस्टाइल के खर्चे उठाने के लिए कंपनी के फंड का दुरुपयोग किया। पिछले साल मार्च में कंपनी के बोर्ड ने ग्रोवर को सभी पदों से हटा दिया था।

बायूज में बढ़ेगा और विवाद! बायूज रवीद्रंन ने ईजीएम के फैसले को बताया गलत, कहा 'मैं ही सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। एक वक्त ऐसा था जब भारत की स्टार्टअप की दुनिया में बायूज का नाम उदाहरण के तौर पर पेश किया जाता था। लेकिन एक ही झटके में कंपनी अर्श से सीधा फर्श पर आ गई है। हर रोज इस कंपनी को लेकर विवाद की नई खबरें बाजार में तैरने लगती हैं। शुक्रवार को बायूज की ईजीएम हुई। इस मीटिंग में निवेशकों (शेयर होल्डर्स) ने बायूज के संस्थापक बायूज रवीद्रंन और उनकी फैमली को बाहर करने के पक्ष में वोट किया। इस फैसले के आने के बाद बायूज रवीद्रंन ने कंपनी के कर्मचारियों के नाम एक पत्र लिखा। उसमें उन्होंने लिखा है कि वो कंपनी के सीईओ बने रहेंगे। साथ ही मैनेजमेंट में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। उनके इस लेटर के आने के बाद एक बात तो साफ हो गई है कि आने वाले समय में बायूज रविन्द्रन और कंपनी के निवेशकों के बीच तकरार बढ़ने वाली है। कर्मचारियों को लिखे लेटर में रवीद्रंन ने कहा है कि ईजीएम के दौरान कई नियमों को तोड़ा गया है। वो लिखते हैं, नियमों के अनुसार यह मीटिंग नहीं हुई है। इसीलिए जो कुछ भी फैसला उस मीटिंग में हुआ है वो मान्य नहीं है। बता दें, इस मीटिंग में बायूज रवीद्रंन और उनका परिवार शामिल नहीं हुआ था। बायूज रवीद्रंन ने लेटर में लिखा है, मैं कंपनी का सीईओ बना रहूंगा। ये आपने जो कुछ मीडिया में पढ़ा होगा उसके विपरीत है। साथ ही मैनेजमेंट भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। बोर्ड भी वही रहेगा। वो लिखते हैं कि किसी भी प्रस्ताव को पारित करने के लिए एक फाउंडर डायरेक्टर का मीटिंग में होना जरूरी है।

परिवार रहा मीटिंग से दूर

उन्होंने कहा कि इस मीटिंग में सिर्फ एक स्मॉल ग्रुप ही इकट्ठा था। वो लिखते हैं, 170 शेयर होल्डर्स में से मात्र 35 ही इस मीटिंग में उपस्थित रहे। जोकि साफ दर्शाता है कि इस गैरजरूरी मीटिंग को बहुत ही सीमित समर्थन प्राप्त है। बता दें, ईजीएम को बुलाने वाले लोगों में 6 निवेशक शामिल थे। जिनके पास कंपनी का 32 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं, बोर्ड के सदस्यों में रवीद्रंन बायूज, उनकी पत्नी और भाई ही इस मीटिंग से दूर रहे थे।

उबर की गाड़ी में ड्राइविंग सीट पर बैठेंगे गौतम अडानी! कैब कंपनी के सीईओ से मुलाकात के बाद दिए संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। कैब सेवा देने वाली कंपनी उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही आजकल भारत आए हुए हैं। शनिवार को उन्होंने भारत के दूसरे सबसे बड़े रईस और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी से मुलाकात की। अडानी ने भविष्य में उबर के साथ सहयोग की संभावना के संकेत भी दिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अडानी और दारा ने बातचीत को काफी शानदार बताया। अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को की कंपनी उबर के चीफ ने साथ ही भारत में ईवी ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाने की प्रतिबद्धता का भी जिक्र किया। इससे पहले उन्होंने एक इंटरव्यू में भारत को सबसे मुश्किल मार्केट बताया था। पिछले साल दिसंबर में खबर आई थी कि अडानी ग्रुप अपने ग्रीन एनर्जी बिजनस में एक अरब डॉलर निवेश करने की योजना बना रहा है। उबर भी अपने फ्लीट में इलेक्ट्रिक गाड़ियां शामिल कर रही है। इसी महीने कंपनी ने दिल्ली में उबर ग्रीन लॉन्च करने की घोषणा की थी।

अडानी ने एक्स पर एक पोस्ट पर कहा, उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही के साथ बेहद दिलचस्प बातचीत हुई। भारत में उबर के विस्तार के लिए उनका दृष्टिकोण वास्तव में प्रेरणादायक है, विशेष रूप से भारतीय ड्राइवरों और उनकी गरिमा बढ़ाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता। दारा और उनकी टीम के साथ भविष्य में सहयोग के लिए उत्साहित हूं। उबर के सीईओ ने कहा कि उन्होंने बेहद शानदार बातचीत के लिए नाश्ते पर अडानी ग्रुप के

प्रमुख से मुलाकात की। अडानी ने मुलाकात की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, लेकिन दोनों ने यह नहीं बताया कि मुलाकात कहां हुई। तस्वीरों से ऐसा लग रहा है कि यह बैठक अहमदाबाद में अडानी ग्रुप के मुख्यालय में हुई थी।

दारा ने क्या कहा

दारा ने अडानी की पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा, स्वादिष्ट नाश्ते के साथ भारत की अभूतपूर्व वृद्धि और बढ़ती उद्यमशीलता के बारे में गौतम अडानी के साथ एक बहुत ही शानदार बातचीत हुई। उबर साझा गतिशीलता को बढ़ाने और ईवीएस में बदलाव को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपनी साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाने के लिए तत्पर है। उबर के सीईओ इस सप्ताह की शुरुआत में भारत पहुंचे थे। अडानी ग्रुप का बिजनस पोर्ट, एयरपोर्ट, इन्फ्रा, सीमेंट और ग्रीन एनर्जी समेत कई क्षेत्रों में फैला हुआ है।

कानपुर में अदाणी का हथियार प्लांट तैयार, बनेंगे ड्रोन, मिसाइलें और तोप

लखनऊ कानपुर डिफेंस कॉरिडोर में अदाणी समूह की डिफेंस इकाई तैयार हो गई है। 200 हेक्टेयर में बनी इस इकाई में तोप से लेकर ड्रोन, हथियार और गोला बारूद बनेंगे। यहां शॉर्ट रेंज मिसाइलें भी बनाई जाएंगी। 26 फरवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस प्लांट का उद्घाटन करेंगे। ये एशिया की सबसे बड़ी गोला-बारूद निर्माण इकाई है। इस अवसर पर अदाणी ग्रुप के एमडी और गौतम अदाणी के बेटे करन अदाणी भी मौजूद रहेंगे। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए कानपुर साढ़ स्थित डिफेंस कॉरिडोर में अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की पहली यूनिट तैयार हो गई है। करीब 1500 करोड़ से तैयार इस स्माल कैलिबर एम्यूनेशन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में मार्च से तोप-गोले और हैंड ग्रेनेड का उत्पादन शुरु हो जाएगा। प्लांट की पहली यूनिट में सबसे पहले रायफल लाइट मशीन गन (एलएमजी) एके-47 और कार्बाइन की गोलियां बनेंगी। अगले चरण में आर्टिलरी गन गोला-बारूद तोपें और हैंड ग्रेनेड समेत सेना के लिए अलग-अलग तरह के अस्त्र-शस्त्र व सुविधाओं संबंधित उत्पाद बनेंगे। मार्च तक उत्पादन शुरू करने का खाका खींचा गया है।

रूस-यूक्रेन जंग में इस्तेमाल टोड तोप भी बनेगी

भविष्य में यहां टोड तोप की सीरीज बनाने की भी तैयारी है। टोड तोपों का प्रयोग वियतनाम से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध तक में हो चुका है। पहली यूनिट का परीक्षण पूरा कर लिया गया है। मेक इन इंडिया के तहत बुलेट प्रूफ जैकेट, ड्रोन, लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर व मिसाइल तक यहां बनेगी। डिफेंस कॉरिडोर में गोलियां बनने के साथ

भंडारगृह भी बनाया गया है। अभी आसपास और जमीन देखी जा रही है, जिससे रक्षा क्षेत्र से जुड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जा सकें। समूह उन्हें भी काम देगा। झांसी और चित्रकूट स्थित डिफेंस कॉरिडोर नोड से भी सीधे जुड़ाव का फायदा मिलेगा।

भारत में 7 सालों में रक्षा निर्यात में आया 10 गुना उछाल

भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में देश ने रक्षा निर्यात में अहम उपलब्धि हासिल की है। वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा निर्यात 16 हजार करोड़ के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा, जो 2016-17 की तुलना में 10 गुना से ज्यादा है। भारत आज 85 से ज्यादा देशों को निर्यात कर रहा है।

नीतिगत सुधार से बढ़ रहा निर्यात

रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने पिछले 5-6 वर्षों के दौरान कई नीतिगत पहल और सुधार किए हैं। कई देशों से निर्यात के अनुरोध को वास्तविक समय के आधार पर ऑनलाइन पोर्टल से पंजीकृत भारतीय रक्षा निर्यातकों तक पहुंचाया जाता है, ताकि वे निर्यात अवसरों पर प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो सकें। करीब आठ साल पहले तक आयातक के तौर पर पहचाना जाने वाला भारत आज डोर्नियर-228, 155 एमएम एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन्स (एटीएजी), ब्रह्मोस मिसाइल, आकाश मिसाइल सिस्टम्स, रडार, सिमुलेटर, माइन प्रोटेक्टेड व्हीकल्स, आर्म्ड व्हीकल्स, पिनाका रॉकेट और लॉन्चर, एम्युनिशन, थर्मल इमेजर, बॉडी आर्मर, सिस्टम, लाइन रिप्लेसिएबिल यूनिट्स और एवियॉनिक्स और स्मॉल आर्म्स जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स का निर्यात करता है। दुनिया में एलसीए तेजस, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एयरक्राफ्ट कैरियर की मांग बढ़ रही है।

सैमसंग ने नए फिटनेस ट्रैकर गैलेक्सी फिट3 को लॉन्च किया

गैलेक्सी फिट3, अपने बिल्कुल नए डिजाइन के साथ, यूजर्स बेहतर तरीके से काम करने, अपने स्वास्थ्य को बेहतर ढंग से समझने और बेहतर कनेक्टेड अनुभवों का आनंद ले सकते हैं

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज अपने नए फिटनेस ट्रैकर गैलेक्सी फिट3 को लॉन्च किया। यह सैमसंग की उन्नत स्वास्थ्य-निगरानी तकनीक को सबके लिए सुलभ बनाता है, जो हर किसी को अपना सर्वश्रेष्ठ महसूस करने और एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। गैलेक्सी फिट3 सैमसंग का सबसे लेटेस्ट वियरेबल डिवाइस है और इसमें व्यापक डिस्प्ले के साथ एक एल्यूमीनियम बॉडी है, जो यूजर्स को अपने स्वास्थ्य और सेहत से संबंधित डेटा पर नजर रखने की सुविधा देती है, जिसमें रोजाना की कसरत से लेकर शांतिपूर्ण नींद तक की चौबीसों घंटों की निगरानी शामिल है।

सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के सीनियर डायरेक्टर, आदित्य बब्बर ने कहा, सेहत के इस नए युग में यूजर अपने स्वास्थ्य के बारे में अधिक व्यापक जानकारी चाहते हैं और सैमसंग यूजर्स को उनकी सेहत यात्रा में मदद करने के लिए उन्नत स्वास्थ्य निगरानी उपकरण मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हमारे नए फिटनेस ट्रैकर के रूप में, गैलेक्सी फिट3 आसान संसाधन प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को जाहिर करता है जो रोजमर्रा की सेहत को प्रोत्साहित करते हुए हर किसी को अपना सर्वश्रेष्ठ करने के लिए प्रेरित करता है।

बड़े और ज्यादा स्टाइलिश डिस्प्ले के साथ एक टिकाऊ और कॉम्पैक्ट ट्रैकर

गैलेक्सी फिट3 को एल्यूमीनियम बॉडी और 1.6-इंच डिस्प्ले के साथ डिजाइन किया गया है, जो पिछले मॉडल की तुलना में 45 प्रतिशत चौड़ा है। इससे यूजर्स के लिए एक नजर में विस्तृत जानकारियां मिलना आसान हो जाता है। गैलेक्सी फिट3 आरामदायक फिट के साथ हल्का और स्लीक भी है, जो इसे चौबीसों घंटे रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिहाज से आदर्श बनाता है। 13 दिनों तक चलने वाली इसकी लंबी बैटरी लाइफ की बदौलत यूजर गैलेक्सी फिट3 को आसानी से अपनी जीवनशैली में शामिल कर सकते हैं। वे अपने ट्रैकर को कस्टमाइज कर सकते हैं और 100 से अधिक प्रीसेट में से अपनी पसंदीदा घड़ी का चयन करके या पृष्ठभूमि के रूप में अपनी फोटो सेट करके इसे और अधिक स्टाइलिश बना सकते हैं। यूजर एक-क्लिक बटन के साथ अपने फैशन और दैनिक रूटीन को बेहतर बनाने के लिए बैंड को आसानी से मिक्स एंड मैच भी कर सकते हैं।

सैमसंग ने हमेशा बेहतर स्वास्थ्य के लिए नींद को प्राथमिकता दी है और यूजर्स को अपने पैटर्न को समझने और एडवांस्ड नींद निगरानी उपकरणों के साथ स्वस्थ आदतों का निर्माण करने में सक्षम बनाया है। यह प्रतिबद्धता गैलेक्सी फिट3 में भी सामने आती है। यूजर अपने गैलेक्सी फिट3 को पूरी रात आराम से पहन सकते हैं।

डायनेमिक सर्विसेस एंड सिक्योरिटी लिमिटेड ने सोलस एंड कोजेन प्राइवेट लिमिटेड में 41.10 प्रतिशत हिस्से का अधिग्रहण किया

मुंबई, एजेंसी। डायनेमिक सर्विसेज एंड सिक्योरिटी लिमिटेड कोलकाता की सिक्योरिटी, गार्डिंग और मैनपावर सॉल्यूशंस, की एक प्रमुख प्रदाता, ने सोलस एंड कोजेन प्राइवेट लिमिटेड (एससीपीएल), महाराष्ट्र के साथ एक व्यवस्था में अघोषित रकम पर एससीपीएल में 41.10 प्रतिशत हिस्से का अधिग्रहण किया है. प्रस्ताव के तहत डीएसएसएल एससीपीएल के मौजूदा मालिकों से प्रत्येक 10 मूल्य पर एससीपीएल के 6165000 शेयरों का अधिग्रहण करेगी. एससीपीएल का मौजूद मैनेजमेंट सभी वर्तमान और भावी कर्जो का स्वामित्व और नियंत्रण रखेगा. एससीपीएल 20 मेगावाट की सोलर-थर्मल आधारित पैनल मैन्युफैक्चरिंग सुविधा स्थापित कर रही है और डीएसएसएल फंडिंग सुनिश्चित करने के साथ एससीपीएल में हिस्सा प्राप्त करने की व्यवस्था के भाग रूप में प्रोजेक्शन पूरा करेगी और आयोजित कैपेक्स के अनुरूप फंडिंग की जाएगी. एससीपीएल एक लाभ अर्जित करने वाला उपक्रम है और निवेश ईपीएस अभिवृद्धि अधिग्रहण होगा. डीएसएसएल इस समय पश्चिम बंगाल के काकद्वीप में 720 किलोवाट सोलर प्रोजेक्ट का निष्पादन कर रही है. इसके अतिरिक्त एससीपीएल डीएसएसएल द्वारा शुरू किए गए सभी सोलर प्रोजेक्ट्स के संचालन में भी सहायक होगी. डीएसएसएल और एससीपीएल के बीच हुई व्यवस्था से डीएसएसएल सोलर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स विशेष रूप से महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के साथ-साथ पूरे भारत में सोलर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स में निवेश करने में समर्थ होगी।

भारत जीत से 152 रन दूर, स्कोर 40/0

रांची । रांची के मैदान पर भारतीय स्पिनरों रविचंद्रन अश्विन के 5 और कुलदीप यादव के 4 विकेट की बदौलत इंग्लैंड दूसरी पारी में 145 रन ही बना सका जिससे भारत को 192 रन का लक्ष्य मिला है। भारत ने इसके जवाब में बिना विकेट गंवाए 40 रन के साथ तीसरे दिन की समाप्ति की। इससे पहले चौथे टेस्ट के तीसरे दिन भारत ने 219/7 से आगे खेलते हुए ध्रुव जुरेल ने भारत को 307 तक पहुंचाया। हालांकि वह शतक से चूक गए और 149 गेंदों पर 6 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 90 रन पर आउट हो गए। इसी के साथ ही पहली पारी में इंग्लैंड को 46 रन की बढ़त मिली। इंग्लैंड की तरफ से शोएब बशीर ने पारी में पांच विकेट अपने नाम किए। भारत ने इंग्लैंड की पहली पारी के 353 रनों के जवाब में सधी हुई शुरूआत की। कप्तान रोहित शर्मा के 2 रन पर आऊट होने के बाद जायसवाल क्रीज पर जमे और अर्धशतक लगाया। इंगलैंड के स्पिनर बशीर ने जोरदार वापसी करते हुए भारतीय टीम को बड़े झटके दिए। लेकिन भारतीय मध्यक्रम बड़ा स्कोर नहीं बना पाया। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने 7 विकेट खोकर 219 रन बना लिए। क्रीज पर ध्रुव जुरेल (30) और कुलदीप यादव (17) बने हुए हैं। टीम इंडिया अभी भी इंगलैंड के स्कोर से 134 रन पीछे है। भारतीय टीम के पास इस मैच को जीतकर इंगलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने का मौका है। भारत पहले ही 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा है। इंगलैंड की शुरूआत अच्छी नहीं थी। भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप ने शुरूआत 12 ओवर में ही तीन विकेट चटकाकर इंगलैंड को बैकफुट पर भेज दिया था। लेकिन जो रूट ने एक छोर संभालते हुए शतक पूरा किया और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। रूट ने 274 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 122रन बनाए। उन्हें जॉनी बेयरस्टो 38, जैक क्राउले 42, बेन फोक्स 47 का भी सहयोग मिला। अंत में ओली रॉबिन्सन ने 96 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाए जिससे इंगलैंड की टीम 353 रन तक पहुंचने में सफल रही। भारतीय टीम की ओर से मोहम्मद सिराज ने 18 ओवर में 78 रन देकर 2 विकेट लिए। इसी तरह आकाश दीप ने 19 ओवरों में 83 रन देकर 3 विकेट पर खत्म किया। रवींद्र जडेजा सबसे आगेरहे। उन्होंने महज 67 रन देकर 4 विकेट लिए। अश्विन एक विकेट निकालने में सफल रहे।

अश्विन ने रचा इतिहास, भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में भारतीय गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने घरेलू मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेकर इतिहास रच दिया। घरेलू मैदान पर अपने 59वें टेस्ट में 351वां विकेट लेकर अश्विन ने महान अनिल कुंबले को पीछे छोड़ दिया है। अश्विन ने रांची के जेएससीए इंटरनेशनल कॉम्प्लेक्स में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के तीसरे दिन लंच के बाद के सत्र में यह उपलब्धि हासिल की। अश्विन घरेलू मैदान पर 350 या उससे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले मुथैया मुरलीधरन, जेम्स एंडरसन, स्टुअर्ट ब्रॉड और कुंबले के बाद 5वें गेंदबाज भी बने। बेन डकेट को आउट करने के बाद अश्विन ने कुंबले की बराबरी की, जिसके बाद उन्होंने ओली पोप को शून्य पर आउट करके उन्हें पछाड़ दिया।

घरेलू मैदान पर 350 या अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज

मुथैया मुरलीधरन - 73 टेस्ट में 493 विकेट
जेम्स एंडरसन - 105 टेस्ट में 434 विकेट
स्टुअर्ट ब्रॉड - 98 टेस्ट में 398 विकेट
आर अश्विन - 59 टेस्ट में 351 विकेट
अनिल कुंबले - 63 टेस्ट में 350 विकेट

ध्रुव जुरेल अगले एमएस धोनी बन रहे हैं, पूर्व क्रिकेटर ने की प्रशंसा

सुनील गावस्कर ने ध्रुव जुरेल की प्रशंसा की और दावा किया कि रांची टेस्ट में उनके पहले अर्धशतक के बाद भारत के पास एक और एमएस धोनी है। जुरेल ने राजकोट में 90 रन बनाकर भारत को पहली पारी में मुश्किल स्थिति से बचाया। भारत ने पहली पारी में 307 रन बनाए। भारतीय दिग्गज ने कहा कि जुरेल की दिमागी क्षमता उन्हें यह सोचने पर मजबूर करती है कि भारत के पास अगला धोनी हो सकता है। गावस्कर ने कहा, ध्रुव जुरेल की दिमागी क्षमता को देखकर मुझे लगता है कि वह अगला एम एस धोनी बन रहा है। गावस्कर ने राजकोट में बेन डकेट को रन आउट करने के अपने काम के बारे में भी बताया। गावस्कर को लगा कि थ्रो बढ़िया नहीं था, लेकिन सूझबूझ से जुरेल को यह सुनिश्चित करने में मदद मिली कि सलामी बल्लेबाज अपनी क्रीज से दूर रहे।

भारत पहली पारी

टीम इंडिया की शुरूआत भी खराब रही। पिछले मुकाबले में शतक जड़ने वाले कप्तान रोहित शर्मा 2 रन बनाकर जेम्स एंडरसन का शिकार हो गए। हालांकि इसके बाद टेस्ट सीरीज में दो दोहरे शतक जड़ चुके जायसवाल सामने आए। उन्होंने ताबड़तोड़ शॉट लगाए। शुभमन गिल ने भी उनका बाखूबी साथ दिया और टीम इंडिया को मुश्किल घड़ी से बाहर निकाल लिया। जायसवाल ने 89 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। इस दौरान शुभमन गिल 65 गेंदों पर 38 रन बनाकर आऊट हुए। क्रीज पर आए रजत पाटीदार ने शुरू में आत्मविश्वास दिखाया लेकिन वह जल्द ही शोएब बशीर की गेंद पर पगबाधा आऊट हो गए। उन्होंने 17 रन बनाए। इसी तरह रवींद्र जडेजा ने 12 रन का योगदान दिया। यशस्वी ने 73 रन बनाए और बशीर की गेंद पर बोल्ड हो गए। बशीर ने भरत की पहली पांच विकेट में से 4 अपने नाम की। सरफराज खान 14 तो अश्विन 1 रन ही बना पाए। इसके बाद ध्रुव जुरेल और कुलदीप ने पारी संभाली और स्कोर 219 तक ले गए।

इरफान पठान ने आकाश दीप की सराहना की, यशस्वी को बताया 'विशेष'

नई दिल्ली । भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने रांची में पदार्पण करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन तीन विकेट चटकाकर तुरंत प्रभाव डालने के लिए रविवार को आकाश दीप की सराहना की। इरफान ने कहा कि एक तेज गेंदबाज के लिए भारत में पदार्पण करना बहुत मुश्किल होता है लेकिन जिस तरह से आकाश ने गेंदबाजी की और तीन विकेट लिए, उसने उज्वल भविष्य का संकेत दिया। इरफान ने कहा, 'एक बल्लेबाज के रूप में आप चाहते हैं कि आपका पदार्पण भारत में हो लेकिन एक तेज गेंदबाज के रूप में आप इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका या न्यूजीलैंड में पदार्पण करने का सपना देखते हैं। उन्होंने कहा, 'मैच के पहले सत्र में उसने जिस तरह से गेंदबाजी की और तीन विकेट लिए वह सराहनीय है। हम उम्मीद करते हैं कि यहां से आकाश के करियर का ग्राफ ऊपर ही जाएगा। इरफान ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की भी प्रशंसा की जो किसी टेस्ट श्रृंखला में 600 या इससे अधिक रन बनाने वाले देश के पांचवें खिलाड़ी बन गए। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'यशस्वी जायसवाल एक बहुत ही खास क्रिकेटर है, उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल है।

हारिस राऊफ कंधे की चोट के कारण पीएसएल से बाहर

लाहौर । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राऊफ कंधे में चोट के कारण पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। पीएसएल में लाहौर कलंदर्स के लिए खेलने वाले इस 30 वर्षीय तेज गेंदबाज को शुक्रवार रात कराची किंग्स के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करते समय कंधे में चोट लग गई थी और वह मैदान से बाहर चले गए थे। फिटनेस हासिल करने के लिए उन्हें चार से छह सप्ताह का समय लगेगा। लाहौर कलंदर्स के प्रवक्ता ने कहा, 'एमआरआई स्कैन और अन्य परीक्षणों से पता चला है कि उनके कंधे में चोट है जिसे ठीक होने में समय लगेगा इसलिए वह पीएसएल से बाहर हो गए हैं। यह गत चैंपियन लाहौर की टीम के लिए बड़ा झटका है जो लगातार चार मैच हार चुकी है।

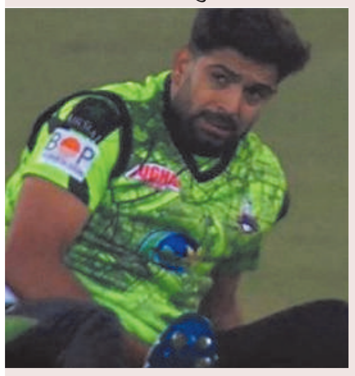

प्रो रेसलिंग चैंपियनशिप

संग्राम सिंह की धमाकेदार वापसी, पाकिस्तानी रेसलर को हराया

दुबई । छह साल बाद वापसी करते हुए भारत के संग्राम सिंह अपनी जीत की राह पर लौट आए और उन्होंने शबाब अलहली क्लब में अंतर्राष्ट्रीय प्रो रेसलिंग चैंपियनशिप के दौरान पाकिस्तान के मोहम्मद सईद को करीबी मुकाबले में 30-23 के अंतिम स्कोर से हरा दिया। इस जीत के साथ संग्राम सिंह ने कुल 6 राउंड की प्रतिस्पर्धा के बाद प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक और 3 करोड़ की पुरस्कार राशि के साथ-साथ एक बार फिर मैट पर अपना दबदबा कायम कर लिया।

जीत के बाद उन्होंने कहा, यह जीत मेरे सभी देशवासियों को समर्पित है जिन्होंने हमेशा मेरा और मेरे प्रयासों का समर्थन किया है और उन सभी युवाओं को भी जो बड़े सपने देखते हैं। हर किसी को अपने सपनों के लिए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के एकमात्र उद्देश्य के साथ मैट पर वापस आकर मुझे खुशी है। इस लड़ाई की तैयारी कठिन थी क्योंकि मेरा प्रतिद्वंद्वी मेरे वजन से लगभग 9-10 किलोग्राम अधिक थी और मुझसे लगभग 17 साल छोटा है, लेकिन यह वास्तव में एक अच्छी लड़ाई थी और मैं उसे भी एक शानदार मुकाबले के लिए बधाई देता हूं।

ऑस्ट्रेलिया ने बारिश से प्रभावित तीसरा टी20 मैच भी जीता

न्यूजीलैंड को किया क्लीन स्वीप

ऑकलैंड । ऑस्ट्रेलिया ने बारिश से प्रभावित तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में रविवार को न्यूजीलैंड को डकवर्थ-लुईस सिस्टम के तहत 27 रन से हराकर 3-0 से श्रृंखला अपने नाम की। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने अपने 100वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में टॉस जीता और ऑस्ट्रेलिया को बल्लेबाजी के लिए भेजा, यह ध्यान में रखते हुए कि बारिश मैच के बाद स्थिति तय कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया की पारी बारिश के कारण तीन बार बाधित हुई और अंततः 10.4 ओवर के बाद समाप्त हुई जब स्कोर 118-4 था। डकवर्थ-लुईस प्रणाली के तहत न्यूजीलैंड को 10 ओवर में जीत के लिए 126 रन का लक्ष्य दिया गया था, जो अपेक्षाकृत अच्छा लक्ष्य लग रहा था। लेकिन न्यूजीलैंड ईडन पार्क में तीन दिनों में दूसरी बार रन चेज में विफल रहा और ऑस्ट्रेलिया के विश्व स्तरीय आक्रमण पर विजय पाने में असमर्थ रहा।

10 ओवर की पारी के लिए संशोधित नियमों के तहत ऑस्ट्रेलिया को पांच गेंदबाजों को अनुमति दी गई थी जो तीन ओवर के पावर प्ले के साथ दो-दो ओवर फेंक सकते थे। युवा बाएं हाथ के स्पेंसर जॉनसन ने अपने दो ओवरों में 10 रन देकर एक विकेट लिया। नाथन एलिस ने अपने दो ओवरों में केवल 11 रन दिए, मिशेल स्टार्क ने केवल 15 और एडम जम्पा ने 20 रन देकर एक विकेट लिया। एलिस ने पांचवें ओवर में न्यूजीलैंड के सबसे बड़े हिटर ग्लेन फिलिप्स को चार डॉट गेंदें फेंकी और पारी के मध्य में न्यूजीलैंड का स्कोर 51-2 था और उसे आखिरी 30 गेंदों में 75 रनों की जरूरत थी। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने ब्लैक कैप्स बल्लेबाजों को निराश करने के लिए कड़ी लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करना जारी रखा और एलिस द्वारा केवल 8 रन देकर नौवां ओवर फेंकने के बाद न्यूजीलैंड को जीत के लिए आखिरी ओवर में 43 रनों की जरूरत थी। आखिरी ओवर में गेंदबाजी मैट शॉर्ट को मिली जिन्होंने पहले ही नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए 11 गेंदों में 27 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के लिए योगदान दिया था। ओवर की पहली गेंद छह रन के लिए गई लेकिन अगली तीन गेंदें सिंगल थीं, पांचवीं गेंद दो रन के लिए और आखिरी गेंद पर चौका लगा और न्यूजीलैंड को फिर निराशा का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही न्यूजीलैंड टी20 सीरीज 3-0 से हार गया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पहले पाकिस्तान में सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भेजेगा न्यूजीलैंड

कराची । न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) इस साल अप्रैल में होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पहले एक सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान भेजेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के करीबी एक विश्वसनीय सूत्र ने पुष्टि की कि प्रतिनिधिमंडल में निजी सुरक्षा विशेषज्ञ रेग डिकेसन और न्यूजीलैंड खिलाड़ी संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी हीथ मिल्स शामिल होंगे।

हाल के वर्षों में जब शीर्ष स्तरीय टीमों ने पाकिस्तान का दौरा किया है तो डिकेसन आईसीसी और अन्य क्रिकेट बोर्डों के नियमित सुरक्षा सलाहकार रहे हैं। पाकिस्तान ने 2022-23 सत्र में ऑस्ट्रेलिया की एक बार जबकि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की दो-दो बार मेजबानी की। सूत्र ने कहा, 'प्रतिनिधिमंडल मार्च की शुरुआत में लाहौर और रावलपिंडी का दौरा करेगा जहां संभवत~मैच होंगे।

न्यूजीलैंड टीम का दौरा आईसीसी भविष्य दौरा कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है और यह उन पांच टी20 मैचों के बदले में हैं जो पाकिस्तान ने इस साल जनवरी में न्यूजीलैंड में खेले थे। सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल मैच स्थलों और टीम होटलों का दौरा करेगा और मेहमान टीम के लिए सुरक्षा योजनाओं की निगरानी के लिए सरकार और सुरक्षा अधिकारियों से भी मुलाकात करेगा।

सितंबर 2021 में न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम सुरक्षा खतरे के कारण श्रृंखला में कोई भी मुकाबला खेले बिना रावलपिंडी से स्वदेश लौट गई थी। टीम को स्वदेश वापस बुलाने का निर्णय न्यूजीलैंड सरकार ने उच्चतम स्तर पर लिया जिसने इसे एक गंभीर खतरे के रूप में देखा। बाद में 2022-23 सत्र में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान लौटने पर टेस्ट और एकदिवसीय श्रृंखला खेलने के बाद एक और सीमित ओवरों की श्रृंखला में हिस्सा लिया।

आचार संहिता का उल्लंघन : हसरंगा पर लगा दो मैचों का बैन, गुरबाज पर भारी जुर्माना

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दाम्बुला में तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा को दो मैच के लिए निलंबित किया है जबकि अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया है।

आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हसरंगा को 24 महीने की अवधि में कुल पांच डिमेरिट अंक मिलने के बाद उन पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसमें आईसीसी आचार संहिता का उनका नवीनतम उल्लंघन भी शामिल है।

आईसीसी ने बयान में कहा, 'श्रीलंका के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान और आईसीसी की टी20 अंतरराष्ट्रीय पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर मौजूद वानिंदु हसरंगा को आईसीसी आचार संहिता के नवीनतम उल्लंघन के बाद 24 महीने की अवधि के भीतर उनके कुल डिमेरिट अंक पांच तक पहुंचने के बाद दो मैचों के लिए निलंबित किया गया है। आचार संहिता के नवीनतम उल्लंघन के लिए उन पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और तीन डिमेरिट अंक मिले हैं।

हसरंगा से जुड़ी घटना बुधवार को तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के अंत में हुई जब वह फुलटॉस गेंद को नोबॉल करार नहीं दिए जाने के फैसले की आलोचना करने के लिए मैदानी अंपायर लिंडन हैनिबल के पास पहुंचे। इस तरह हसरंगा को खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़ी आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.13 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ, अंपायर या मैच रैफरी से निजी दुर्व्यवहार से संबंधित है। आईसीसी ने कहा कि हसरंगा के पांच डिमेरिट अंक होने के कारण यह दो निलंबन अंक में बदल गया।

आईसीसी ने कहा, 'इसका मतलब है कि उन्हें एक टेस्ट मैच या दो वनडे या टी20 अंतरराष्ट्रीय, जो भी पहले हो, के लिए प्रतिबंध झेलना होगा। नतीजतन हसरंगा को अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका के शुरुआती दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

अफगानिस्तान के बल्लेबाज गुरबाज पर भी उसी मैच में आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया। उन्होंने आचार संहिता के नियम 2.4 का उल्लंघन किया जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्देश को नहीं मानने से संबंधित है। इसके कारण गुरबाज के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जुड़ गया जो 24 महीने की अवधि में उनका दूसरा ऐसा अपराध है और उनके कुल दो डिमेरिट अंक हो गए हैं।

आईसीसी ने कहा, 'बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद मैदान पर बल्ले की ग्रिप में बदलाव के लिए रहमानुल्लाह को सजा मिली। आईसीसी ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने अपराध स्वीकार कर लिया है और मैच रैफरी के एलीट पैनल में शामिल क्रिस ब्रॉड द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया है।

आईसीसी ने कहा, 'ये आरोप मैदानी अंपायर लिंडन हैनिबल और रवींद्र विमलासिरी, तीसरे अंपायर रुचिरा पल्लियागुरुगे और चौथे अंपायर रैनमोर मार्टिनेज ने लगाए थे। श्रीलंका ने अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में अफगानिस्तान की तीन रन की करीबी जीत के बावजूद श्रृंखला 2-1 से जीती। हसरंगा को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

जेईई (मेन) 2024 सेशन 1 के परिणाम में लहराया

सागर। आकाश बायजूस ने सागर से अपने 9 स्टूडेंट्स की उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा करते हुए गर्व महसूस किया, जिन्होंने ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) मेन 2024 के पहले सत्र में 95 परसेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है। वहीं 25 स्टूडेंट्स ने 90 से अधिक परसेंटाइल हासिल किए। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने मंगलवार को परिणाम घोषित किए थे। उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले स्टूडेंट्स में वेंदांत असाती ने 98.53 परसेंटाइल के साथ टॉप स्कोरर रहे। वहीं रिषिता जैन ने 97.87, अरिन ने 97.34, पार्थ जैन ने 97.27, गगन रावत ने 97.09,आर्यन दुबे ने 97.04, यशी जैन ने 95.72, प्रशांत कुमार ने 95.09 व अन्य छात्रों ने 90 और उससे अधिक परसेंटाइल हासिल किए। छात्रों के शीर्ष प्रतिशत भारत की सबसे प्रसिद्ध प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक में अपनी अटूट प्रतिबद्धता और अकादमिक उत्कृष्टता दिखाते हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने आज सेशन 1 के परिणामों का अनावरण किया, इस साल इंजीनियरिंग के लिए दो अनुसूचित संयुक्त प्रवेश परीक्षाओं में से पहली की शुरुआत हुई.विश्व स्तर पर सबसे चुनौतीपूर्ण प्रवेश परीक्षा के रूप में प्रसिद्ध, चुनौतीपूर्ण आईआईटी जेईई को जीतने की आकांक्षा के साथ आकाश के कक्षा कार्यक्रम में दाखिला लेते हुए, छात्रों ने मौलिक अवधारणाओं को समझने और एक अनुशासित अध्ययन को बनाए रखने के लिए अपने समर्पण के लिए शीर्ष प्रतिशत केलिए अपनी चढ़ाई का श्रेय दिया। आभार व्यक्त करते हुए, उन्होंने टिप्पणी की, हम दोनों पहलुओं में सहायता करने के लिए आकाश के आभारी हैं। कोचिंग संस्थान की व्यापक सामग्री के बिना, थोड़े समय सीमा के भीतर कई विषयों की अवधारणाओं में महारत हासिल करने की संभावना नहीं होगी।

केरल में पादरी को कार से टक्कर मारी, 27 गिरफ्तार

कोट्टायम। कोट्टायम के एक चर्च के समीप शुक्रवार दोपहर एक पादरी को स्कूली छात्रों ने मोटरसाइकिल और कार से टक्कर मार दी। पुलिस ने इस घटना को लेकर शनिवार को 10 नाबालिगों समेत 27 को हिरासत में ले लिया। घायल पादरी को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी स्थिति स्थिर बताई गई है। एराट्टुपेट्टा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि एक विदाई पार्टी के बाद 12वीं कक्षा के छात्र शुक्रवार दोपहर पूंजार सेंट मैरी के फोराने चर्च फोटो लेने पहुंचे थे। सभी वहां अपने-अपने वाहनों से पहुंचे और कार से बहुत तेज आवाज निकाली। पादरी ने इस पर आपत्ति व्यक्त की और चर्च में प्रार्थना में खलल पड़ने की बात बताते हुए छात्रों को वहां से जाने को कहा। जब छात्रों ने उनकी बात नहीं मानी तो पादरी ने चर्च का दरवाजा बंद करने का प्रयास किया। दरवाजा बंद किए जाते देख छात्र अपने वाहन लेकर बाहर भागने लगे जिस क्रम में पादरी को टक्कर मार दी। हिरासत में लिए गए 10 नाबालिगों को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश किया जाएगा।

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने राज्य सरकार पर लगाया आरोप

जालना एजेंसी। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने राज्य सरकार पर सरकारी नौकरियों और शिक्षा में समुदाय के लिए आरक्षण के लिए चल रहे उनके आंदोलन को कमजोर करने के लिए साजिश रचने का आरोप लगाया। अंतरवाली सरती गांव में मीडिया से कहा कि वह रविवार को अपने अगले कदम के बारे में बताएंगे। उन्होंने समुदाय के लोगों से एकत्र होने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार उनके प्रयासों को विफल करने के लिए चाल चल रही है। उन्होंने कुनबी मराठों के रक्त संबंधियों पर अधिसूचना को कानून में बदलने में देरी पर सवाल उठाया। जरांगे ने राज्य के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस के इशारे पर मराठा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले दर्ज करने का भी आरोप लगाया।

आप ने केजरीवाल और आतिशी की पैठ वाली सीटें अपने पास रखीं, समझें दिल्ली का पूरा चुनावी गणित

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 में दिल्ली की सातों लोकसभा सीट पर भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस साथ आ गए हैं। सीटों के इस बंटवारे में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मंत्री आतिशी की पैठ वाली सीटें आप ने अपने पास रखी हैं। दोनों पार्टियों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। हालांकि, यह राह आसान नहीं दिखती क्योंकि 2019 के आंकड़े बताते हैं कि भाजपा को कुल जितने वोट मिले, वह आप और कांग्रेस को कुल मिले वोटों से 16.3 फीसदी ज्यादा है। वहीं, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को साथ लाना भी दोनों दलों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं।

गठबंधन के तहत दिल्ली में कांग्रेस को उत्तर-पूर्वी, चांदनी चौक और उत्तरी-पश्चिमी सीट मिली हैं। कांग्रेस को तीन में से दो सीटों में मुस्लिम बाहुल्य सीट का ख्याल रखा गया है। आंकड़े बताते हैं कि यह वोट बैंक 2019 के लोकसभा, 2020 के विधानसभा और फिर 2022 के एमसीडी चुनाव में कांग्रेस के साथ जुड़ा रहा। उत्तर-पूर्वी लोकसभा सीट पर

मुस्तफाबाद, सीलमपुर, बाबरपुर मुस्लिम बाहुल्य विधानसभा सीटे हैं।

इस संसदीय सीट पर 22 फीसदी और चांदनी चौक में 16 फीसदी से अधिक मुस्लिम वोटर हैं। सूत्रों की मानें तो उत्तर-पश्चिमी सीट को कांग्रेस ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कहने पर लिया है। कांग्रेस को पहले पूर्वी दिल्ली सीट मिल रही थी। आप की चार सीटों पर मजबूत दावेदारी ¬ आम आदमी पार्टी ने जो चार सीटें ली हैं, उसके पीछे अलग-अलग कारण है। नई दिल्ली संसदीय सीट पर खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का विधानसभा क्षेत्र है। दिल्ली सरकार के दो मंत्री भी इसी लोकसभा में आते हैं। इसी तरह दक्षिणी दिल्ली में कांग्रेस के पास कोई मजबूत नेता नहीं था तो आप ने यह सीट अपने पास रखी। आतिशी दक्षिणी दिल्ली कोटे से मंत्री भी हैं। इसके अलावा पूर्वी दिल्ली आप के पास है। यहां पर मनीष सिसोदिया का विधानसभा क्षेत्र के अलावा कोंडली, त्रिलोकपुरी जैसी आरक्षित सीटें भी हैं, जहां पर पार्टी मजबूत स्थिति में है।

दिल्ली में आप का कांग्रेस के साथ यह दूसरा गठबंधन है। पहला गठबंधन 2013 में हुआ था, जब आप ने कांग्रेस विधायकों के समर्थन से दिल्ली में सरकार बनाई। गठबंधन ज्यादा दिन नहीं चला और सरकार 49 दिनों में ही गिर गई। वर्ष 2019 में फिर दोनों दलों ने लोकसभा चुनाव में साथ आने की कोशिश की, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। उसका नुकसान उन्हें लोकसभा चुनाव में उठाना पड़ा। भाजपा को उस समय वर्ष 2014 लोकसभा चुनाव की तुलना में 10 फीसदी अधिक मत मिले। आप तीसरे स्थान पर पहुंच गई। बीते चुनाव के आंकड़े बताते हैं कि भाजपा का बेस वोट बैंक औसतन 35 फीसदी से ज्यादा रहा है। वर्ष 2022 का नगर निगम चुनाव में हारने के बाद भी पार्टी को 39 फीसदी वोट मिले, जो कि आम आदमी पार्टी से महज तीन फीसदी कम है। इसी तरह दो विधानसभा चुनाव 2015 और 2020 में भी भाजपा का 32.3 और 38.5 फीसदी वोट शेयर रहा। विधानसभा और नगर निगम के इतर लोकसभा चुनाव में भाजपा के मत प्रतिशत में हमेशा 8 से 10 फीसदी का इजाफा हुआ है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती कार्यकर्ताओं को साथ लाना है। राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक कहते हैं कि हमारा कार्यकर्ता देशहित में चुनाव लड़ने को तैयार है। हमें पूरी उम्मीद है कि हम मिलकर एक दूसरे की मदद करेंगे और चुनाव जीतेंगे। पार्टी नेता भले ही राजनीतिक परिस्थिति में साथ आने का हवाला दे रहे, लेकिन जमीन पर खासतौर से बूथ स्तर यह आसान नहीं होगा। वह भी तब जबकि आम आदमी पार्टी के विधायक ही उन सीटों से लोकसभा टिकट मांग रहे, जिसमें दो सीटें कांग्रेस के खाते में चली गई हैं।

फिल्म अभिनेता मनोज राजपूत पर कसा पुलिस का शिकंजा, शादी का झांसा दे कर रहा था लड़की से रेप!

दुर्ग, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अपनी करीबी रिश्तेदार को शादी का झांसा देकर पिछले 13 साल से कथित तौर पर रेप करने के आरोप में पुलिस ने क्षेत्रीय सिनेमा के एक अभिनेता को गिरफ्तार किया है। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ी फिल्म के अभिनेता, निर्देशक और निर्माता मनोज राजपूत को 29 वर्षीय पीड़िता की शिकायत के आधार पर शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया है। अब इस मामले में गिरफ्तार के बाद जांच की जा रही है। मनोज को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता ने 22 फरवरी की रात को पुराने भिलाई शहर के राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई कि राजपूत उसके साथ शादी करने का झांसा देकर 2011 से उसका यौन शोषण कर रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला ने राजपूत पर अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि जब राजपूत ने पीड़िता से शादी करने से इंकार किया तब उसने पुलिस में शिकायत की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 377 और 506 तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के प्रावधान के तहत मामला दर्ज किया गया, क्योंकि जब वह नाबालिग थी तब से उसका कथित तौर पर शोषण किया जा रहा था। राजपूत को शुक्रवार को दुर्ग शहर में उनके कार्यालय से गिरफ्तार किया गया और एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया। अदालत ने मामले में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि यह कानून 2011 में लागू नहीं किया गया था।

लहसुन की रखवाली के लिए बंदूकधारी गार्ड, सीसीटीवी कैमरे

उज्जैन, एजेंसी। अब तक आपने आभूषणों की दुकानों पर या बैंक के बंदूकधारी गार्डों को रखवाली करते हुए देखा होगा। लेकिन क्या खेत में ऐसा नजारा देखा है। आपको भले ही ये सवाल थोड़ा अटपटा लगे लेकिन मध्य प्रदेश में कुछ ऐसा ही हो रहा है। वजह है यहां आसमान छू रहे लहसुन के दाम। प्रदेश में लहसुन की कीमत इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि अब किसानों को खेतों में इनकी रखवाली के लिए बंदूकधारी गार्ड और सीसीटीवी कैमरे लगाने पड़ रहे हैं।

कई किसानों ने दावा किया है कि प्रदेश में लहसुन की कीमतें रिटेल मार्केट में 400 रुपये किलो पार पहुंच गई हैं, जबकि थोक बाजारों में दर 30,000 रुपये से 35,000 रुपये प्रति क्विंटल के बीच है।

जिला मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर दूर, उज्जैन के चिंतामन रोड पर मंगरोला गांव में, सुरक्षा गार्ड और बंदूकधारी किसानों को फसल से भरे खेतों में घूमते देखा गया है। कई संपन्न किसानों ने सीसीटीवी लगाए हैं और मॉनिटर पर अपने खेतों की निगरानी कर रहे हैं। किसान भरत सिंह बैस ने बताया कि चोर कई किसानों की उपज ले गए हैं। इसलिए अब वह अपनी 13 बीगा जमीन की रखवाली कर रहे हैं जिस पर उन्होंने लहसुन बोया है।

बैस ने कहा, पिछले दो सालों से लहसुन की खेती में हमें भारी नुकसान उठाना पड़ा, हालांकि, इस साल भाग्य हमारे साथ है। किसानों को फसल का 200 रुपये प्रति किलोग्राम मिल रहा है. हमारी लहसुन की फसल अगले 15 दिनों में पक जाएगी इसलिए हम इस तरह से अपने खेत की रखवाली कर रहे हैं।

एकेएस कंपनी चलाने वाले भोपाल स्थित सब्जी व्यापारी मोहम्मद सलीम ने कहा उन्होंने कभी लहसुन की कीमतें इस स्तर तक पहुंचते नहीं देखीं। थोक बाजार में अच्छी गुणवत्ता वाले लहसुन की कीमत 200 रुपये प्रति किलोग्राम है। सलीम ने कहा, पूरे मप्र में थोक कीमतों में हर रोज उतार-चढ़ाव हो रहा है।

जोधपुर में प्रोफेसर पर 38 छात्राओं ने सेक्सुल हरेसमेंट का आरोप लगाया, सस्पेंड

जोधपुर, एजेंसी। राजस्थान के जोधपुर में मनीराम बांगड़ मेमोरियल इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी में आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट के एचओडी प्रोफेसर पुलकित गुप्ता पर छात्राओं ने सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाया है। इस दौरान कॉलेज की 38 छात्राओं ने कुलपति को शिकायत दी है। शिकायत पर कुलपति अजय कुमार शर्मा ने आरोपी प्रोफेसर सस्पेंड कर दिया है। आरोपी प्रोफेसर का एक पुराना कथित चैट भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दौरान जांच कमेटी को बयान देने आई छात्राओं को प्रोफेसर ने धमकाया। आर्किटेक्चर विभाग के प्रोफेसर पुलकित गुप्ता पर एक छात्रा ने 5 दिन पहले छेड़छाड़ करने और सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाते हुए एक चिट्ठी लिखकर शिकायत की थी। इसमें छात्रा ने बताया कि प्रोफेसर ने उसके साथ छेड़छाड़ की। इस मामले की जानकारी पर यूनिवर्सिटी ने जांच कमेटी गठित की। इस बीच यूनिवर्सिटी की 38 छात्राओं ने कुलपति को प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत की। जिस पर जांच कमेटी गठित कर दी गई हैं। प्रोफेसर पुलकित गुप्ता पहले भी विवादों में रह चुके हैं। इसको लेकर एक छात्रा के साथ उनका व्हाट्सएप चैट सामने आया है। जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें दावा किया जा रहा है कि प्रोफेसर ने छात्रा को घर बुलाने, डांस फ्लोर पर आकर डांस करने सहित अभद्र मैसेज किया। इसको अलावा 2015 बैच की छात्रों ने भी प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत की है। प्रोफेसर पुलकित गुप्ता के खिलाफ छात्राओं की शिकायत पर यूनिवर्सिटी ने जांच कमेटी गठित की।

केरल के राज्यपाल ने सूचना आयुक्तों की सूची राज्य सरकार को लौटाई, चुने गए प्रत्याशियों के बारे में मांगा स्पष्टीकरण

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बीच रिश्तों में खटास की एक और बानगी सामने आई है। राज्यपाल ने तीन सूचना आयुक्तों के नामों की एक सूची शनिवार को राज्य सरकार को लौटा दी। राज्यपाल ने चुने गए प्रत्याशियों के बारे में और स्पष्टीकरण मांगा है।

राज्यपाल ने सरकार की भेजी गई सूची लौटाई

मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में पूर्व कानून सचिव वी. हरि नायर के नाम को आरिफ मोहम्मद पहले ही स्वीकृति दे चुके हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय बचाओ अभियान समिति (एसयूसीसी) की शिकायत पर सरकार की भेजी सूची लौटाई। समिति ने सूचना आयुक्त के पद के लिए चुने गए तीन प्रत्याशियों की सूची में गंभीर विसंगतियों की तरफ संकेत किया था।

एसयूसीसी के अध्यक्ष ने ये बताया

एसयूसीसी के अध्यक्ष आरएस शशिकुमार ने बताया कि शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पूरी तरह से उल्लंघन किया गया है। योग्यता की जगह राजनीतिक दलों के दावों को ध्यान में रखते हुए प्रत्याशियों का चयन किया गया है। एक को माकपा, दूसरे को भाकपा और तीसरे को केरल कांग्रेस (एम) का समर्थन प्राप्त है।

हारलेम के एक अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, खुद को बचाने खिड़की से कूदे लोग

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क से एक बड़ी दुखद जानकारी सामने आई है। हारलेम में स्थित एक अपार्टमेंट में भीषण आग लगने से 27 साल के एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। बता दें, मृतक की पहचान फाजिल खान के रूप में हुई है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास लगातार खान के दोस्तों और परिवार के संपर्क में है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा, न्यूयॉर्क के हारलेम में आग लगने की घटना में 27 वर्षीय फाजिल खान की मौत के बारे में जानकर दुख हुआ। हम लगातार खान के परिवार और दोस्तों के संपर्क में है। साथ ही, उनके पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए हर संभव सहायता कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क के अग्निशमन विभाग के अनुसार, सेंट निकोलस प्लेस अपार्टमेंट बिल्डिंग में लिथियम-आयन बैटरी की वजह से शुक्रवार को भीषण आग लग गई। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, घटना में 17 अन्य घायल हुए हैं। आग से बचने के लिए लोगों ने रस्सी का सहारा लिया।

एंजी रैचफोर्ड नामक शख्स ने बताया, आग सबसे ऊपर लगी थी। पुलिस लोगों के साथ नीचे आ रही थी। लोग खुद को बचाने के लिए खिड़की से बाहर कूद रहे थे। अपने पिता के साथ आग से बचने वाले एक निवासी अकील जोन्स ने कहा, मेरे पास क्या है कुछ नहीं। बस मेरा फोन, मेरी चाबियां और मेरे पिता। सेंट निकोलस प्लेस अपार्टमेंट बिल्डिंग के निवासियों को अपनी जान बचाने के लिए कूदने के लिए मजबूर होना पड़ा। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, 18 लोगों को बचाया गया। 12 लोगों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और चार पीड़ितों की हालत गंभीर बनी हुई है। विभाग के प्रमुख जॉन होजेंस ने कहा कि आग इतनी भीषण थी कि आग की लपटें कमरे के दरवाजे से बाहर आ रही थीं और सीढ़ी को अवरुद्ध कर रही थीं।

इमाम ने राष्ट्रीय ध्वज को बताया शैतानी, फ्रांस ने देश से बाहर निकाला

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस ने एक कट्टरपंथी इमाम को देश से इसलिए निष्कासित कर दिया क्योंकि उसने फ्रांस के राष्ट्रीय झंडे के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन ने इसकी जानकारी दी है। एक ऑनलाइन संबोधन में इमाम को फ्रांसिसी झंडे को शैतानी झंडा कहते हुए सुना जा सकता है। हालांकि, इमाम ने किसी भी तरह के गलत काम से इनकार किया। उन्होंने कहा कि उनका इरादा अनादर करने का नहीं था।

आपको बता दें कि महजौब ट्यूनीशिया के रहने वाले हैं और वह 38 साल पहले फ्रांस आए थे। वह फ्रांस के दक्षिण में एक छोटे से शहर बैगनॉल्स-सुर-सेज में एटाउबा मस्जिद में इमाम थे। उन्हें इस सप्ताह की शुरुआत में एक वीडियो वायरल होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उस वीडियो में इमाम को

फ्रांस के राष्ट्रीय झंडे को शैतानी झंडा कहते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अल्लाह के लिए इसका कोई मूल्य नहीं है। इमाम ने बाद में कहा कि अगर उन्होंने कोई अपराध किया है तो उन्हें खेद है। उन्होंने तर्क दिया कि झंडे के बारे में उनकी टिप्पणी जुबान से फिसलन गई। डर्मैनिन ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महज़ौब महज़ौबी को देश से बाहर निकालने का आदेश जारी किया गया है। मंत्री ने लिखा, आव्रजन कानून के बिना यह संभव नहीं होता। दृढ़ता ही नियम है। डर्मैनिन ने एक अन्य पोस्ट में कहा, गिरफ्तारी के 12 घंटे से भी कम समय में उन्हें देश से निष्कासित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि नए कानून फ्रांस को मजबूत बनाते हैं। साथ ही उन्होंने ऐसी मंशा रखने वालों के लिए चेतावनी भी जारी की। फ्रांसीसी मीडिया ने बताया कि महजौब महजौबी गुरुवार शाम को ट्यूनीशिया वापस चले गए। उनके वकील ने कहा कि वे उनके निर्वासन के खिलाफ अपील करेंगे।

कब मिलेगा न्याय ? जाह्नवी कंडुला मौत मामले में आक्रोशित अमेरिकी हिंदू समुदाय

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में एक हिंदू वकालत समूह ने कहा है कि यह देखना चौंकाने वाला और निराशाजनक है। भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की हत्या की जांच उन लोगों के खिलाफ बिना किसी आरोप के खारिज कर दी गई है, जिन्होंने उन पर हमला किया था। साउथ लेक यूनियन में नॉर्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी की छात्रा कंडुला की पिछले साल 23 जनवरी की रात को पैदल यात्री क्रॉसिंग पर अधिकारी केविन डेव द्वारा चलाए जा रहे सिएटल पुलिस वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई थी अमेरिका में अधिकारियों ने बुधवार को फैसला सुनाया कि डेव को पर्याप्त सबूतों की कमी के कारण किसी भी आपराधिक आरोप का सामना नहीं करना पड़ेगा। हिंदू वकालत समूह, उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन (सीओएचएनए) ने

शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि यह दोगुना चौंकाने वाला है कि विभिन्न पृष्ठभूमि और उम्र के हिंदुओं के नागरिक अधिकारों के ऐसे गंभीर उल्लंघन किसी भी पुनर्स्थापनात्मक न्याय के लायक भी नहीं हैं।

उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर कहा कि यह चौंकाने वाला और निराशाजनक है कि जाह्नवी कंडुला की हत्या की जांच को उन लोगों के खिलाफ बिना किसी आरोप के खारिज कर दिया गया, जिन्होंने उन पर हमला किया था। इस युवा अंतरराष्ट्रीय छात्र के परिवार के लिए न्याय कहां है।

समूह ने कहा कि उन्हें सुरेशभाई पटेल के कुख्यात 2015 के मामले की याद आती है, जिन्होंने पुलिस की बर्बरता का सामना किया था जिससे वह अपंग हो गए थे। 57 वर्षीय पटेल अलबामा के पड़ोस में टहलने के लिए निकले थे, जब 27 वर्षीय पुलिस अधिकारी, एरिक पार्कर ने हथियारों के लिए उनकी तलाशी ली थी। उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन ने कहा कि पार्कर के खिलाफ आरोपों को पर्याप्त सबूतों की कमी के कारण खारिज कर दिया गया था। किंग काउंटी अभियोजक के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि वे सिएटल पुलिस अधिकारी डेव के खिलाफ मुकदमे को आगे नहीं बढ़ाएंगे और उनके खिलाफ कोई आपराधिक आरोप नहीं लगाया जाएगा। तेज रफ्तार पुलिस गश्ती वाहन की चपेट में आने से कंडुला 100 फीट दूर जा गिरी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

फिलिस्तीनी पिता ने बच्चों को घोड़े का मांस खिलाया

गाजा, एजेंसी। 7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुई इजराइल-हमास जंग में अब तक 29 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट में कहा गया कि गाजा में रहने वाले एक पिता ने अपने बच्चों को घोड़े का मांस खिलाया। जबालिया रिफ्यूजी कैंप में रहने वाले 60 साल के अबू जिब्रील ने,स्रक्क से कहा- गाजा के हालात बेहद खराब हैं। खाने को कुछ नहीं मिल रहा है। बच्चे भूख से तड़प रहे थे। मेरे पास घोड़े को मारकर उसका मांस खिलाने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। भूख हमारी जान ले रही है इसलिए मैंने दो घोड़ों को मार दिया। परिवार से छिपते-छिपाते घोड़ों का मांस पकाया और चावल के साथ बच्चों और अन्य परिजनों को दे दिया। अबू जिब्रील ने कहा- मैं नहीं जानता था कि परिवार वाले घोड़ों का मांस पकाकर खाने पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे इसलिए मैंने उन्हें कुछ नहीं बताया। वो नहीं जानते थे कि वो घोड़े का मांस खा रहे हैं। हम लोग एक बार के लिए भूखे सो सकते हैं। लेकिन 4-5 साल के बच्चों को कैसे सुलाएं। उन्हें भूख लगती है तो वो रोने लगते हैं। यूरो मेड ह्यूमन राइट्स मॉनिटर के मुताबिक 17 फरवरी को गाजा में हनिन जुम्मा नाम की एक 8 साल की बच्ची ने भूख से दम तोड़ दिया। बच्ची के पिता सालेह के मुताबिक जिस रात उसकी मौत हुई, उसने भूखा होने की बात कही थी। कोई गाड़ी नहीं होने के चलते बच्ची को गधा गाड़ी से अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टर ने बताया कि उसकी भूख और प्यास से मौत हो गई है। सालेह ने कहा- उन्हें रोज खाना नहीं मिल पा रहा है। ह की मदद उन तक कई दिनों के बाद पहुंचती है। जंग की शुरुआत से इजराइल पर आरोप लग रहे हैं कि वो गाजा तक मदद नहीं पहुंचने दे रहा है। वो गाजा तक पहुंचने वाले रास्ते बंद कर रहा है। ऐसे में बेहद कम मदद फिलिस्तीनियों तक पहुंच रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129